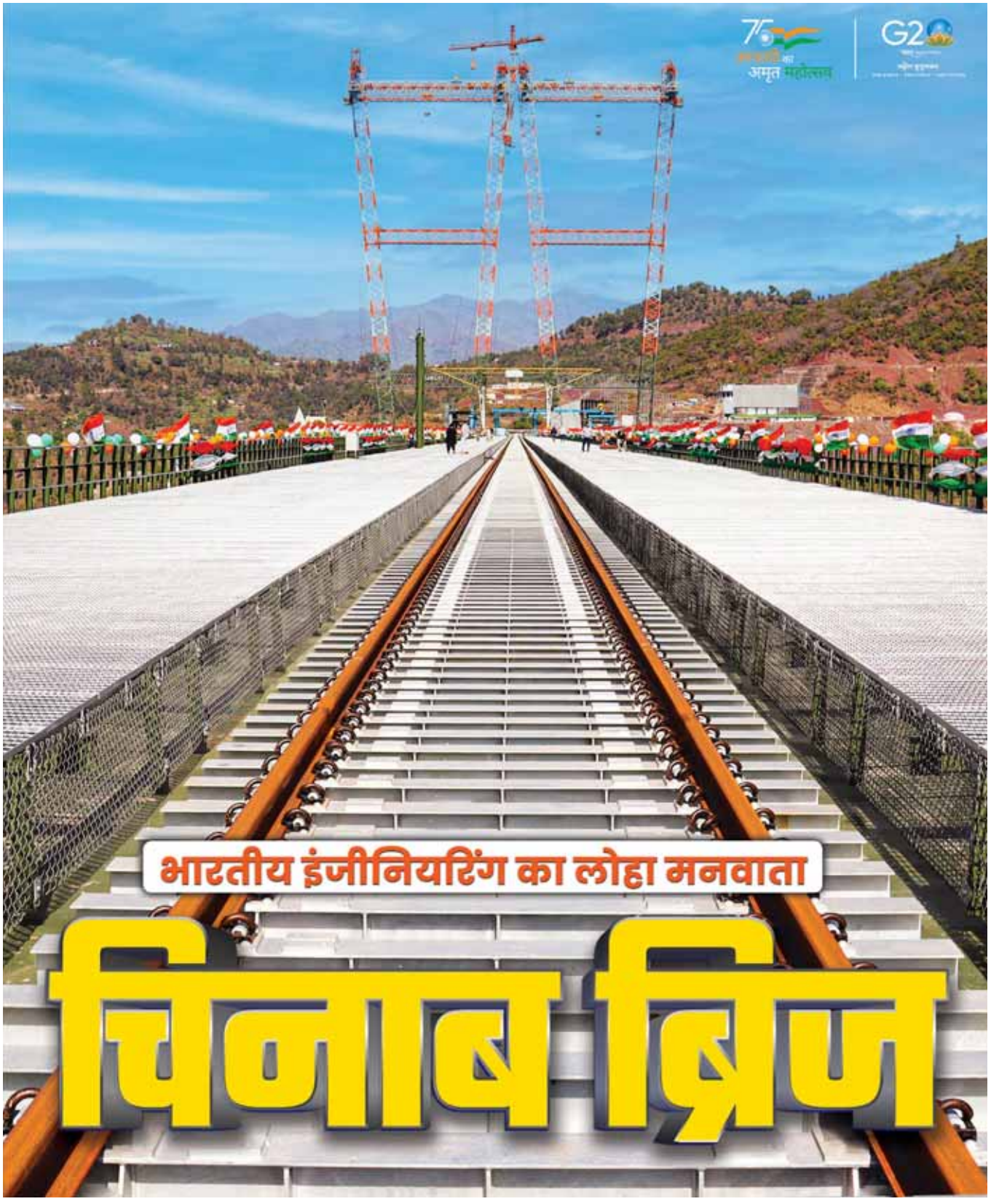
भारतीय रेल

अप्रैल 2023

मूल्य ₹ 20



AAL®

Autometers Alliance Ltd

Energy & Efficiency / Safety & Reliability



POWERING THE **RAIL TRANSPORT** EFFICIENTLY AND INTELLIGENTLY

DATA ACQUISITION & CONTROL DEVICE

Onboard Measurement Devices



Tachograph System for Electric, Diesel Locomotives, EMU, MEMU & DMU



Active Speed Sensor for Electric Locomotives



Opto Electronic Pulse Generator for Electric, Diesel Locomotives, EMU, MEMU & DMU



Hotel Load Current Sensor for Electric Locomotives



Primary Current Sensor for Electric Locomotives



Aspiration Smoke Detector for Coaches

Onboard Control Devices



Driver Display Unit LCD Displays for Electric Locomotives



Vigilance Control Device for Electric Locomotives



Fire Detector Equipment for Electric Locomotives



Diagnostics Terminal LCD Displays for Electric Locomotives



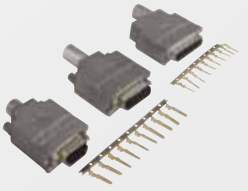
Event Recorder for Electric, Diesel Locomotives & EMUs

Electrical Connectors





Circular Connectors for Onboard & Stationary Traction



D Type Connectors for Onboard & Stationary Traction

mktre@autometers.com | C-63, Sector-57, Noida - 201 307 (U.P.) India

ISO 9001:2015 I ISO 14001:2015 I ISO 45001:2018

भारतीय रेल

रेल मंत्रालय की एकमात्र हिन्दी मासिक पत्रिका

आरंभ : 1960 | वर्ष : 63 | अंक : 09 | राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित पत्रिका | अप्रैल-2023 | मूल्य : ₹20

संपादक मंडल

श्री अनिल कुमार लाहोटी
अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड

सुश्री अंजलि गोयल
सदस्य (वित्त), रेलवे बोर्ड

श्री संदीप माथुर
सचिव, रेलवे बोर्ड

श्री अमिताभ शर्मा
कार्यकारी निदेशक, सूचना एवं प्रचार

संपादक
योगेश अवस्थी

संपादकीय कार्यालय
संपादक, भारतीय रेल,
कमरा नं. 411, रेल भवन,
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
editorbhartiyarailrb@gmail.com
editorbhartiyarail@gmail.com

विज्ञापन व सदस्यता हेतु संपर्क
व्यापार प्रबंधक
कमरा नं. 310, रेल भवन
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
टेलीफोन: 011-47845378, 47845089
bmpr310rb@gmail.com

संपादन सहयोग
गौतम सिंह

आवरण
चिनाब ब्रिज पर बिछाए गए ट्रैक की तस्वीर

फॉलो करें
Twitter : @bhartiyarailrb

वार्षिक सदस्यता शुल्क
(ऑफलाइन)
सर्वसाधारण -₹250
रेलकर्मियों के लिए -₹200
विदेश में
सी-मेल द्वारा -₹1,250
एयर-मेल द्वारा -₹2,500
एक प्रति-₹20
वार्षिक विशेषांक-₹70

इस पत्रिका में छपी हर सामग्री का संबंध, जब तक विशेषत: स्पष्ट न लिखा जाए, किसी सरकारी सूत्र से न समझा जाए।

© भारतीय रेल

5 माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा कर्नाटक में रेल परियोजनाओं का लोकार्पण

7 माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया विश्व के सबसे लंबे रेलवे प्लेटफॉर्म का लोकार्पण

9 एकीकृत परिवहन के लिए भारतीय रेल की पुनर्कल्पना विषय पर सेमिनार का आयोजन

10 भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन को गरवी गुजरात यात्रा के लिए दिल्ली से झंडी दिखाकर किया गया रवाना

11 रेल मंत्री ने किया सेवक-रंगपो रेल लिंक परियोजना का निरीक्षण

12 हज़रत निज़ामुद्दीन स्टेशन से जन औषधि ट्रेन को किया गया रवाना

12 रेल मंत्री ने किया कैरिज व वैगन अनुरक्षण डिपो का निरीक्षण

13 रेल मंत्री ने किया कश्मीर घाटी में स्थित चिनाब ब्रिज का दौरा

14 उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना

17 अंजी पुल भारतीय रेल का पहला केबल आधारित पुल

20 लोकसभा अध्यक्ष द्वारा कोटा-असारवा ट्रेन का शुभारंभ

20 ऊर्जा संरक्षण हेतु सवारी डिब्बा कारखाना को विद्युत मंत्रालय के सर्वोच्च पुरस्कार से किया गया सम्मानित

21 केंद्रीय मत्री द्वारा बसई स्टेशन पर किया गया कोरबा बिलासपुर-अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस के ठहराव का शुभारंभ

22 केन्द्रीय राज्य मंत्री ने पूर्वोत्तर के लिए भारत गौरव ट्रेन को झंडी दिखाकर किया रवाना

23 रेल राज्य मंत्री ने किया आगरा छावनी रेलवे स्टेशन का दौरा

24 रेल राज्य मंत्री ने किया जयपुर रेलवे स्टेशन का दौरा

24 संसद सदस्यों द्वारा किए गए लोकार्पण/बैठक

27 मिशन शत-प्रतिशत विद्युतीकरण की दिशा में अग्रसर भारतीय रेल

30 भारतीय रेल ने फरवरी 2023 में 124.03 एमटी माल ढोकर कायम किया सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड

31 भारतीय रेल करेगी अगले 20 वर्षों के लिए 80,000 पहिए प्रति वर्ष विनिर्माण क्षमता वाले फोर्ज्ड व्हील संयंत्र की स्थापना

40 पुनर्विकसित होने वाले रेलवे स्टेशनों के प्रस्तावित डिजाइन

44 अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

52 रेलों के अंचल से

60 खेलों में भारतीय रेल

63 भारतीय रेल में आईपी आधारित एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली — श्री संतोष कुमार अग्रवाल एवं श्री मनीष कुमार गुप्ता

68 हाइड्रोजन : एक उन्नत ईंधन — श्री ईशू रत्न श्रीवास्तव

संपादकीय



भारतीय इंजीनियरिंग का लोहा मनवाता चिनाब ब्रिज

जम्मू-कश्मीर को वैकल्पिक, विश्वसनीय और हर मौसम में जन यातायात प्रणाली उपलब्ध हो, इस उद्देश्य से उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना शुरू की गई। भूकंप, तेज हवाओं तथा विपरीत भौगोलिक परिस्थितियों के चलते यहाँ पर ब्रिज तथा टनल का निर्माण कार्य आसान नहीं था, लेकिन हमारे इंजीनियरों ने अपने कौशल, आत्मविश्वास तथा तकनीक के माध्यम से इस परियोजना को अंतिम चरण तक पहुँचा दिया है। चुनौतियों को स्वीकारते हुए हमारे इंजीनियरों ने विश्व का सबसे ऊँचा रेल ब्रिज-चिनाब ब्रिज, पहला केबल आधारित रेल ब्रिज-अंजी ब्रिज और 12.758 किमी लंबी देश की सबसे लंबी रेल सुरंग-टी 49 जैसे अभूतपूर्व निर्माण कार्य किए हैं।

चिनाब ब्रिज अपने आप में इंजीनियरिंग के क्षेत्र में किसी चमत्कार से कम नहीं है। यह ब्रिज प्राकृतिक आपदाओं तथा आंतकी घटनाओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। इस ब्रिज को बनाने में 28 हजार टन स्टील तथा विशेष प्रकार के 18 हजार डेवीडेक बार का उपयोग किया गया है। चिनाब ब्रिज के 1,315 मीटर लंबे ट्रैक पर स्टील के विशेष डिजाइन किए गए 2,487 स्लीपर बिछाए गए हैं। इस ट्रैक पर 100 किमी प्रति घंटे का रफ्तार से ट्रेनों का परिचालन किया जा सकेगा।

हाल ही में चिनाब ब्रिज पर बिछाए गए ट्रैक का रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने ट्रॉली निरीक्षण किया। उन्होंने इस परियोजना से जुड़े सभी इंजीनियरों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि जनवरी 2024 तक चिनाब ब्रिज से ट्रेनों का परिचालन शुरु करने का लक्ष्य रखा गया है। उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लाइन से जुड़ने के बाद विशेष रूप से निर्मित वंदे भारत एक्सप्रेस सेवा शुरू की जाएगी। जम्मू-श्रीनगर के बीच वंदे भारत मेट्रो सेवा भी शुरु की जाएगी। बडगांव में वंदे भारत एक्सप्रेस का रख-रखाव किया जाएगा। साथ ही, बनिहाल से बारामूला के बीच चार पीएम गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल बनाने की योजना है। जम्मू में इंजीनियरों के लिए विशेष प्रशिक्षण अकादमी स्थापित की जाएगी। इंजीनियर और तकनीशियन इस अकादमी से प्रशिक्षण प्राप्त कर देश की अन्य परियोजनाओं में अपना योगदान दे सकते हैं। प्रकृति तथा इंजीनिरिंग के इस अजूबे को देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक आएंगे। इसके लिए तीन स्थान चिन्हित किए गए हैं।

हिमालय के यंग माउंटेन होने की वजह से यहाँ की सॉइल सॉफ्ट है, जिसके कारण यहाँ पर टनल बनाना बहुत मुश्किल कार्य था। टनल बनाने में सामान्यत: एन.ए.टी.एम. (न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड) का उपयोग किया जाता है, लेकिन हमारे इंजीनियरों ने अपने नए मेथड, हिमालयन टनलिंग मेथड का उपयोग किया, जो सफल रहा। रेल मंत्री ने इंजीनियरों से इस मेथड का डॉक्यूमेंटेशन करने तथा विश्व फलक पर इसे प्रचारित करने के लिए कहा। हिमालयन क्षेत्र में बनाई जा रही टनल हॉर्स शू के आकार में बनाई जा रही है, जिसके कारण टनल को काफी मजबूती मिली है। इस परियोजना की यह भी विशेषता है कि इसके सभी ब्रिज तथा टनल्स को कम-से-कम मेंटेनेंस की आवश्यकता होगी।

हाल ही में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कर्नाटक की विभिन्न परियोजनाओं के साथ-साथ श्री सिद्धारूढ़ स्वामी जी हुब्बल्लि जंक्शन पर दुनिया के सबसे लंबे रेलवे प्लेटफॉर्म (1,507 मीटर) का लोकार्पण किया। इस प्लेटफॉर्म को गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान मिला है।

आपको हमारा यह अंक कैसा लगा, हमें जरूर बताएँ।



माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा कर्नाटक में रेल परियोजनाओं का लोकार्पण

माननीय प्रधानमंत्री ने शिवमोग्गा में ₹1120 करोड़ लागत की शिवमोग्गा-शिकारीपुरा-राणिबेन्नूर नई लाइन और कोटे गंगूरु रेलवे कोचिंग डिपो की आधारशिला रखी

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिनांक 27 फरवरी, 2023 को ₹1,100 करोड़ की कुल लागत से पुनर्विकसित बेलगावि स्टेशन और बेलगावि में लोंडा–बेलगावि–घटप्रभा के दोहरीकरण का लोकार्पण किया।

शिवमोग्गा, शिकारीपुरा और राणिबेन्नूर को जोड़ने वाली नई लाइन परियोजना पर ₹995 करोड़ की लागत को कर्नाटक सरकार निर्माण लागत का 50% भारत सरकार के साथ साझा कर रही है। राज्य सरकार भी परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की सुविधा प्रदान कर रही है। नई लाइन शिवमोग्गा, दावणगेरे और हावेरी जिलों में मजबूत रेल कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगी।

यह बेंगलुरु–मुंबई मुख्य रेल मार्ग के साथ शिवमोग्गा की सीधी कनेक्टिविटी को सक्षम करेगा, जिससे पूरे क्षेत्र में व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा मिलेगा। यह मलनाड क्षेत्र (पश्चिमी घाट) को अधिक क्षेत्रीय कनेक्टिविटी प्रदान करेगा और सुपारी, मसालों, हस्तशिल्प और अन्य कृषि उत्पादों के परिवहन में आसानी प्रदान करेगा। क्षेत्र के इको और सांस्कृतिक पर्यटन को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा। यह नई लाइन छात्रों के लिए आसान यात्रा की सुविधा प्रदान करेगी क्योंकि शिवमोग्गा एक शिक्षा केंद्र है।

कोटे गंगूरु में ₹105 करोड़ की लागत से रेलवे कोचिंग डिपो बनेगा। कोटे गंगूरु, जो शिवमोग्गा से 7 किमी दूर एक छोटा स्टेशन था, को 4 रेलवे लाइनों और 3 प्लेटफार्मों के साथ एक आधुनिक रेलवे कोचिंग टर्मिनल के रूप में विकसित किया जाएगा। दो पिट–लाइनें होंगी जो ट्रेनों की संरक्षा जांच को सक्षम करेंगी। यह टर्मिनल केएसआर बेंगलुरु और मैसूरू रेलवे टर्मिनलों को राहत प्रदान करेगा।

बेलगावि रेलवे स्टेशन दक्षिण पश्चिम रेलवे के सबसे पुराने रेलवे स्टेशनों में से एक है। बेलगावि स्टेशन का ₹190 करोड़ की लागत से पुनर्विकास किया गया है। पुनर्निर्मित भवन में विश्व स्तर की आधुनिक सुविधाएं हैं। यह दिव्यांगजन यात्रियों की सुविधा के लिए रैंप, लिफ्ट, एस्केलेटर से सुसज्जित है, यातायात की आसान आवाजाही के लिए विशाल कॉनकोर्स एरिया, सर्कुलेटिंग एरिया और पार्किंग स्पेस में सुधार किया गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए विश्रामालयों, शयनगृहों का उन्नयन किया गया है। भित्ति–कला और चित्रों ने स्टेशन के अंदरूनी हिस्सों को सुशोभित किया है। शास्त्री नगर की ओर दूसरा प्रवेश–द्वार प्रदान करने से मुख्य प्रवेश–द्वार पर भीड़भाड़ कम होगी–जो स्थानीय लोगों की लंबे समय से लंबित मांग थी। एक उपरी पैदल पुल और लिफ्ट दूसरे प्रवेश द्वार को सभी प्लेटफॉर्मों से जोड़ती है।

दूसरे प्रवेश द्वार पर भी एक टिकट काउंटर उपलब्ध कराया गया है। यात्रियों के स्वाद और आनंद को बढ़ाने के लिए एक

आधुनिक और विशाल फूड कोर्ट विकसित किया गया है। आई लव बेलगावि-सेल्फी पॉइंट जनता और यात्रियों के बीच आकर्षण का केन्द्र बन गया है।

प्लेटफॉर्मों की मौजूदा संख्या 3 से बढ़ाकर 4 कर दी गई है और एक कोचिंग डिपो भी बनाया गया है। ये भविष्य में इस क्षेत्र की बढ़ती परिवहन मांगों को पूरा करने में मदद करेंगे। पिटलाइन सुविधा के साथ नया कोचिंग डिपो रेक (ट्रेनों) के प्राथमिक रख-रखाव और अनिवार्य संरक्षा जांच को सक्षम बनाता है। इस प्रकार हुब्बल्लि, वास्को द गामा, बेंगलुरु या पुणे से गुजरने वाली ट्रेनों के बजाय बेलगावि से ही नई गाड़ियां शुरू की जा सकती हैं। यह बेलगावि शहर से कनेक्टिविटी को बढ़ावा देगा।



लोंडा-बेलगावि-घटप्रभा रेलवे सेक्शन के दोहरीकरण का काम ₹930 करोड़ की लागत से पूरा कर लिया गया है। यह लाइन व्यस्त लोंडा-मिरज मार्ग पर क्षमता और संरक्षा को बढ़ाती है जो मुंबई-बेंगलुरू रेलवे लाइन का हिस्सा है। नए दोहरीकृत सेक्शन से एक्सप्रेस ट्रेनों की गति बढ़ेगी, अवरोध कम होगा और इस प्रकार यात्रियों के समय की बचत होगी। यह कनेक्टिविटी को भी बढ़ाता है और क्षेत्र में व्यापार, वाणिज्य और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देता है। इसके अलावा किसानों, छात्रों और पर्यटकों को बढ़ी हुई कनेक्टिविटी से लाभ होगा। बेलगावि, शिक्षा, चिकित्सा देखभाल, कृषि और उद्योग का केंद्र होने के नाते इन परियोजनाओं से अत्यधिक लाभान्वित होगा। ये रेल परियोजनाएं कर्नाटक में कनेक्टिविटी और परिवहन बुनियादी ढांचे के उन्नयन के लिए अत्यधिक प्रोत्साहन को प्रभावित करेंगी। बेहतर रेलवे कनेक्टिविटी से लॉजिस्टिक लागत में कमी आएगी, आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होगी। यात्रियों को स्टेशनों पर बेहतर समयपालन और विश्व स्तरीय सुविधाओं का लाभ मिलेगा।



शिवमोग्गा-शिकारीपुरा और राणिबेन्नूर-बेलगावि रेलवे स्टेशन के अंदरूनी हिस्सों को जोड़ने वाली नई रेल लाइन परियोजना

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया विश्व के सबसे लंबे रेलवे प्लेटफॉर्म का लोकार्पण



होसपेटे-हुबली-तिनईघाट रेलवे लाइन के विद्युतीकरण, उन्नत होसपेटे रेलवे स्टेशन और दुनिया के सबसे लंबे रेलवे प्लेटफॉर्म का लोकार्पण करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा धारवाड, कर्नाटक में प्रमुख रेल अवसंरचना परियोजनाओं का लोकार्पण

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिनांक 12 मार्च, 2023 को धारवाड में आयोजित सार्वजनिक समारोह में होसपेटे-हुब्बल्लि-तिनईघाट (245 आरकेएम) विद्युतीकृत रेलवे लाइन, उन्नयन किए गए होसपेटे रेलवे स्टेशन तथा ₹550 करोड़ की कुल लागत से विश्व के सबसे लंबे रेलवे प्लेटफॉर्म को लोकार्पण किया गया। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंस लिंक के माध्यम से ट्रेन संख्या 17317 (एसएसएस हुब्बल्लि-दादर) तथा ट्रेन संख्या 07319 (एसएसएस हुब्बल्लि-सिकंदराबाद जंक्शन) विद्युत इंजन ट्रेनों को विश्व के सबसे लंबे रेलवे प्लेटफॉर्म से हरी झंडी दिखाकर एक साथ रवाना किया। विद्युतीकृत होसपेटे-हुब्बल्लि-तिनईघाट (245 आरकेएम) रेलवे लाइन तथा ₹532 करोड़ की लागत से उन्नयनित होसपेटे रेलवे स्टेशन कार्य पूरा किया गया है। यह मार्ग विजयनगर, कोप्पल, गदग, धारवाड़, उत्तर कन्नड़ तथा बेलगावि जिलों से होकर गुजरता है। यह रेलवे लाइन कर्नाटक का एक प्रमुख कोयला मार्ग है जो स्टील प्लांट तथा थर्मल पॉवर प्लांट, मर्मगोआ पोर्ट (गोवा) से जोड़ता है।

विद्युतीकरण, विद्युत कर्षण ट्रेनों के निर्बाध संचालन की सुविधा प्रदान करेगा तथा मार्ग को कार्बन न्यूट्रल बना देगा, जिससे शून्य प्रदूषण होगा। यह डीजल पर निर्भरता को भी कम करता है, जिससे प्रति वर्ष ₹250 करोड़ तथा प्रति वर्ष 2.5 लाख किलो लीटर से अधिक की डीजल की बचत होती है।

होसपेटे रेलवे स्टेशन को पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के साथ संयुक्त रूप से 50:50 लागत साझा आधार पर अपग्रेड किया गया है। होसपेटे रेलवे स्टेशन क्षेत्र के पर्यटन स्थलों के लिए रेल-हेड के रूप में कार्य करता है हम्पी विश्व का महत्त्वपूर्ण यूनेस्को धरोहर स्थल है। जंक्शन को आधुनिक यात्री सुविधाओं के साथ अपग्रेड किया गया है। स्टेशन के अग्रभाग को हम्पी स्मारकों तथा मंदिरों की थीम को दर्शाते हुए डिजाइन किया गया है। नए स्टेशन भवन में विश्राम कक्ष, वीआईपी लाउंज जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। स्टेशन ब्रेल साइनेज, रैंप तथा लिफ्ट के साथ दिव्यांगों के अनुकूल बनाया गया है। परिसंचालित क्षेत्र को अच्छी तरह से सीमांकित पार्किंग क्षेत्र के साथ यातायात की भविष्य की मांग को पूरा करने के लिए सुधार किया गया है। यात्रियों की स्वाद तथा प्रसन्नता बढ़ाने के लिए फूड प्लाजा के लिए एक अलग स्थान निर्धारित किया गया है। हम्पी वास्तुकला को दर्शाने वाले भित्ति चित्रों तथा कला स्टेशन भवन की दीवारों को सुशोभित किया गया है। पर्यटकों को जानकारी की सुविधा के लिए, कॉनकोर्स क्षेत्र में पर्यटक सूचना केंद्र



वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विद्युत इंजन ट्रेनों को विश्व के सबसे लंबे रेलवे प्लेटफॉर्म से हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी



उपलब्ध कराया गया है। सिद्धारूढ़ स्वामीजी स्टेशन, हुब्बल्लि में हुब्बल्लि यार्ड के रीमॉडलिंग के हिस्से को विश्व के सबसे लंबे रेलवे प्लेटफॉर्म का निर्माण ₹20.1 करोड़ की लागत से किया गया है।

श्री सिद्धारूढ़ स्वामीजी हुब्बल्लि स्टेशन पर ट्रेनों की आगमन तथा प्रस्थान की सुविधा हेतु फरवरी 2021 में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के साथ यार्ड रीमॉडलिंग को सफलतापूर्वक आरंभ किया गया। इससे यार्ड की परिचालन क्षमता बढ़ागी तथा हुब्बल्लि-धारवाड क्षेत्र की भविष्य की परिवहन आवश्यकताओं को पूरा करेगी। वर्तमान 5 प्लेटफॉर्म के अलावा तीन नए प्लेटफॉर्म जोड़े गए हैं, जिनमें से एक, यानी प्लेटफॉर्म नंबर 8 ने 1,507 मीटर की विश्व के सबसे लंबे रेलवे प्लेटफॉर्म के रूप में गौरवान्वित है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने 2 मार्च, 2023 को इसे विश्व के सबसे लंबे रेलवे प्लेटफॉर्म के रूप में मान्यता दी है।

कर्नाटक में ये रेलवे परियोजनाएं, कर्नाटक में कनेक्टिविटी तथा परिवहन बुनियादी ढांचे के समग्र विकास को गति प्रदान करेगी। स्टेशनों पर बेहतर कनेक्टिविटी तथा विश्व स्तरीय सुविधाओं से यात्रियों को अत्यधिक लाभ होगा।

कर्नाटक में रेल-परियोजनाओं पर विशेष बल

- श्री सिद्धारूढ़ स्वामीजी हुब्बल्लि जंक्शन पर दुनिया के सबसे लंबे रेलवे प्लेटफॉर्म (1,507 मीटर) को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा मान्यता प्राप्त है।
- विद्युतीकृत होसपेटे-हुब्बल्लि-तिनईघाट रेलवे लाइन से विजयनगर, कोप्पल, धारवाड़, बेलागवी आदि जैसे प्रमुख शहरों को लाभ होगा। नव विद्युतीकृत होसपेटे-हुब्बल्लि-तिनईघाट रेलवे लाइन से लगभग ₹250 करोड़ और प्रति वर्ष 2.5 लाख किलो लीटर डीजल की बचत होगी।
- अपग्रेडेड होसपेटे रेलवे स्टेशन को हम्पी के मंदिरों और स्मारकों से प्रेरित डिजाइन, भित्ति चित्रों और हम्पी वास्तुकला की कलाओं से सजाया गया है।
- अपग्रेडेड होसपेटे रेलवे स्टेशन यात्रियों की बेहतर सुविधा के लिए रिटायरिंग रूम, वीआईपी लाउंज, फूड कोर्ट आदि जैसी आधुनिक सुविधाओं से लैस है।

एकीकृत परिवहन के लिए भारतीय रेल की पुनर्कल्पना विषय पर सेमिनार का आयोजन



एकीकृत परिवहन के लिए डेटा एनालिटिक्स की शक्ति का उपयोग करते हुए भारतीय रेल की पुनर्कल्पना पर संगोष्ठी के दौरान रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

रेलवे नेटवर्क के कायापलट के लिए डेटा एनालिटिक्स को एकीकृत करने के विकल्पों का पता लगाने हेतु रेल मंत्रालय के लिए एक तकनीकी सेमिनार का आयोजन 3 मार्च, 20223 रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (क्रिस) द्वारा राष्ट्रीय रेल संग्रहालय, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में किया गया। इस सेमिनार में रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के साथ-साथ रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों और उद्योग भागीदारों ने हिस्सा लिया।

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि ये तकनीकी सेमिनार विभिन्न क्षेत्रों के लिए आयोजित तकनीकी सम्मेलनों का हिस्सा है। मंत्री ने एआई और क्वांटम कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकी का उपयोग करके भारतीय रेल के तेज परिवर्तन की जरूरत के बारे में बताया। उन्होंने आगे कहा कि देश को दुनिया के बाकी हिस्सों की बराबरी करने के लिए तेजी से बदलाव की जरूरत है और भारतीय रेल को नवीनतम तकनीकों और इनोवेशन को अपनाकर इस तब्दीली का नेतृत्व करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये सरकार स्पष्ट फोकस, इरादे, लचीलेपन, खुले दिमाग और सोद्देश्यता की भावना के साथ ऐसी चीजें करने के अपने उद्देश्य में स्पष्ट है जो चीजें 'देश के हित में और रेलवे के हित में' हैं। इस सेमिनार के दौरान क्रिस के एमडी ने बताया कि क्रिस ने रीयल टाइम ट्रेन सूचना प्रणाली (आरटीआईएस) परियोजना के तहत ट्रेनों की लाइव ट्रैकिंग के लिए इसरो के साथ सहयोग किया है। इससे रेलवे को ट्रेनों को कुशलतापूर्वक चलाने में मदद मिलेगी। ट्रेनों में सैटकॉम और सैटनाव आधारित आईओटी डिवाइस लगाए जा रहे हैं।

इस सेमिनार के दौरान डेटा एनालिटिक्स और भारतीय रेल व लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में निर्णय लेने में उसके इस्तेमाल, भारतीय रेल की डेटा एनालिटिक्स यात्रा से संबंधित विषयों पर प्रस्तुतीकरण दिए गए। ये प्रस्तुतियां क्रिस के डेटा एनालिटिक्स महाप्रबंधक डॉ. आर गोपालकृष्णन, गार्टनर के प्रबंध उपाध्यक्ष श्री गणेश राममूर्ति, टीसीएस के यात्रा, परिवहन और हॉस्पिटैलिटी (टीटीएच) आईएसयू के साथ परिवहन डोमेन सलाहकार डॉ. कंदुकुरी राजू, आईआईटी बॉम्बे में औद्योगिक इंजीनियरिंग और संचालन अनुसंधान के प्रोफेसर नारायण रंगराज, रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक (रणनीतिक योजना कार्यान्वयन) श्री जी वी एल सत्य कुमार और कॉमविवा टेक्नोलॉजीज के चीफ डेटा साइंस ऑफिसर और ग्रुप वीपी श्री मुकुंद शास्त्री द्वारा दी गईं, जिसके बाद सभी हितधारकों के साथ बातचीत की गई।

यह सेमिनार एक महत्त्वपूर्ण पहल थी जो एक कुशल और विश्वसनीय परिवहन प्रणाली प्रदान करने में नवाचार और प्रौद्योगिकी के महत्त्व को स्वीकार करती है। डेटा एनालिटिक्स का एकीकरण रेलवे नेटवर्क को बदलने और भारतीय रेल के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों का समाधान करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

ये सभी प्रबुद्ध वक्तागण परिवहन और आईटी क्षेत्रों में व्यापक अनुभव के साथ-साथ डेटा एनालिटिक्स में ज्ञान और विशेषज्ञता का खजाना अपने साथ लाते हैं। वे भारतीय रेल में डेटा एनालिटिक्स के उपयोग को अनुकूलित करने के तरीके पर अपना ज्ञान, अनुभव और विचार साझा करेंगे। इस सेमिनार का उद्देश्य यहां उपस्थित लोगों के बीच नेटवर्किंग और ज्ञान साझा करने के अवसर प्रदान करना है। आप देश भर के अन्य रेलवे पेशेवरों, आईटी विशेषज्ञों और डेटा विश्लेषकों से यहां सीख सकते हैं।

डेटा एनालिटिक्स ऐसी मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकता है जो भारतीय रेल के विभिन्न परिचालनों को अनुकूलित करने में मदद कर सकता है। इसका उपयोग मेंटेनंस में सुधार, ट्रेन शेड्यूल की दक्षता बढ़ाने और परिचालन लागत को कम करने के लिए किया जा सकता है। डेटा का विश्लेषण करके भारतीय रेल ट्रेनों की मांग का अनुमान लगा सकता है और पर्याप्त संसाधन प्रदान करने की योजना बना सकता है, जिसके नतीजतन यह भीड़-भाड़ को कम करने और देरी को कम करने में मदद कर सकता है।

बेहतर सेवाएं प्रदान करके और एक एकीकृत परिवहन प्रणाली प्रदान करने में मदद करके ग्राहक का अनुभव बढ़ाने में डेटा एनालिटिक्स महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। डेटा का विश्लेषण करके भारतीय रेल सबसे व्यस्त मार्गों की पहचान कर सकता है, और कुशल व निर्बाध परिवहन सेवाओं को सुनिश्चित करने के लिए बेहतर इंटरमॉडल परिवहन की योजना बना सकता है।

भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन को गरवी गुजरात यात्रा के लिए दिल्ली से झंडी दिखाकर किया गया रवाना

भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन को दिनांक 28 फरवरी, 2023 दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन से 'गरवी गुजरात' यात्रा के लिए रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री श्री परषोत्तम रूपाला, केंद्रीय वस्त्र एवं रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश और संचार राज्य मंत्री श्री देवुसिंह चौहान ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर विभिन्न मंत्रालयों और आईआरसीटीसी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। रेल मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम आईआरसीटीसी लिमिटेड इस ट्रेन को चला रहा है।



भारत गौरव एसी डीलक्स पर्यटक ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना करते हुए केन्द्रीय मत्स्य मंत्री श्री परषोत्तम रूपाला, रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण

भारत गौरव नीति 23 नवंबर, 2021 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की भारत और दुनिया के लोगों के सामने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शानदार ऐतिहासिक स्थानों को प्रदर्शित करने की सोच को साकार करने के लिए शुरू की गई थी। भारत की विशाल पर्यटन क्षमता का दोहन करने के लिए पर्यटक सर्किटों को विकसित करने/पहचानने और विषय आधारित ट्रेनों को चलाने के लिए पर्यटन क्षेत्र के जानकारों की क्षमताओं का लाभ उठाया जा रहा है। अब तक 16 भारत गौरव सर्किट स्थापित किए जा चुके हैं और 'जीवंत गुजरात' की विरासत का प्रदर्शन करने के लिए यह गरवी गुजरात यात्रा भारत सरकार की 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' योजना की तर्ज पर बनाया गया 17वां सर्किट है। इस आधार पर 10 और सर्किट बनने जा रहे हैं।



आईआरसीटीसी द्वारा संचालित इस विशेष पर्यटक ट्रेन में 156 पर्यटक सवार हो सकते हैं। यह दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन से 8 दिन के दौरे पर रवाना हुई। पर्यटकों की सुविधा के लिए गुरुग्राम, रेवाड़ी, रींगस, फुलेरा और अजमेर रेलवे स्टेशनों पर ट्रेन में चढ़ने और उतरने की सुविधा प्रदान की गई थीं। महान स्वतंत्रता सेनानी सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन पर आधारित भारत सरकार की योजना 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की तर्ज पर इस ट्रेन के टूर पैकेज को डिजाइन किया गया। इस ट्रेन की पर्यटन यात्रा में पहला ठहराव केवड़िया में रखा गया है, जहां स्टैच्यू ऑफ यूनिटी आकर्षण का केंद्र होगी। ट्रेन 8 दिनों की यात्रा के दौरान लगभग 3,500 किमी की दूरी तय करेगी।

विश्व की सबसे ऊंची मूर्ति-स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, चंपानेर पुरातात्विक पार्क जो यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है, अडालज की बावड़ी, अहमदाबाद में अक्षरधाम मंदिर, साबरमती आश्रम, मोढेरा सूर्य मंदिर और रानी की वाव, पाटन में स्थित एक अन्य यूनेस्को स्थल इस यात्रा कार्यक्रम में शामिल प्रमुख विरासत खजाने हैं। इसके अलावा, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, द्वारकाधीश मंदिर और बेट द्वारका जैसे धार्मिक स्थल की यात्रा 8 दिन के टूर में शामिल हैं। टूर में दो रात्रि प्रवास होटलों में होंगे जोकि केवड़िया और अहमदाबाद में एक-एक दिन का होगा, जबकि सोमनाथ और द्वारका के स्थानों की यात्रा उस वक्त होगी जब ट्रेन यहां दिन के लिए रुकेगी।

अत्याधुनिक डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन में भोजन के लिए दो शानदार रेस्तरां, एक आधुनिक किचन, कोच में शॉवर क्यूबिकल, सेंसर आधारित वॉशरूम फंक्शन, फुट मसाजर सहित कई विशेषताएं शामिल हैं। पूरी तरह से वातानुकूलित ट्रेन दो प्रकार की आवास सुविधा प्रथम वातानुकूलित और द्वितीय वातानुकूलित प्रदान करती है। ट्रेन में प्रत्येक कोच की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा गार्ड हैं और पूरी ट्रेन में इंफोटेनमेंट सिस्टम भी लगाया गया है।

भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन की शुरुआत घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की पहल 'देखो अपना देश' के अनुरूप है।

रेल मंत्री ने किया सेवक-रंगपो रेल लिंक परियोजना का निरीक्षण



सेवक-रंगपो रेल लिंक परियोजना की सुरंग संख्या 14 के निरीक्षण के दौरान श्रमिकों का उत्साहवर्धन करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने 6 मार्च, 2023 को पूर्वोत्तर राज्य सिक्किम का दौरा किया। इस दौरान मंत्री श्री वैष्णव ने सिक्किम राज्य को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने के लिए सेवक-रंगपो के बीच रेलवे कनेक्टिविटी परियोजना के पुलों, सुरंगों और स्टेशन यार्डों का निरीक्षण किया। रेल मंत्री ने कार्य की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को जल्द से जल्द काम पूरा करने का निर्देश दिया।

मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि केंद्र सरकार ने पहले ही पूर्वोत्तर भारत में संचार प्रणाली के विकास पर जोर दिया है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में कई कनेक्टिविटी परियोजनाएं हैं और सभी अच्छी तरह से प्रगति पर हैं। इससे पहले पूर्वोत्तर राज्यों में 2014 तक रेलवे के लिए औसत वार्षिक आवंटन लगभग ₹2,000 करोड़ हुआ करता था। अब, हाल ही में घोषित बजट में इसे पांच गुना बढ़ाकर ₹10,000 करोड़ का वार्षिक आवंटन किया गया है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि प्रतिष्ठित वंदे भारत ट्रेन दिसंबर, 2024 तक सिक्किम के रंगपो पहुंच जाएगी। मंत्री ने कहा कि भारतीय रेल सेवक-रंगपो रेल लिंक परियोजना का पहले गंगटोक तक और फिर भारत-चीन सीमा पर स्थित नाथुला तक सम्प्रसारण करेगी। चूंकि यह परियोजना भविष्य की कनेक्टिविटी के साथ रणनीतिक महत्त्व का भी है और रक्षा आवश्यकता को पूरा करने में महत्त्वपूर्ण है, इसलिए रेलवे बेहतर संचार के लिए तथा देश की सुरक्षा को और अधिक मजबूत करने के लिए यह काम करेगा। इस परियोजना के पूरा होने पर पहली बार सिक्किम राज्य रेलवे से जुड़ जाएगा

श्री वैष्णव ने 7 मार्च, 2023 को सिक्किम के प्रस्तावित रंगपो स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने सेवक-रंगपो नई रेल लिंक परियोजना के सुरंग संख्या 14 का भी निरीक्षण किया। स्टेशन भवन 12,850 वर्ग मीटर का होना प्रस्तावित है, जिसमें कार पार्किंग, 24×7 बिजली बैकअप, पीने का पानी, छत पर सौर पैनल, दिव्यांग अनुकूल सुविधाएं, एस्केलेटर, लिफ्ट, कॉनकोर्स आदि शामिल हैं। सिक्किम राज्य के लिए यह स्टेशन एक वाणिज्यिक और पर्यटन केंद्र के रूप में भी होगा। लगभग 2 किमी लंबी सुरंग संख्या 14 रंगपो स्टेशन से ठीक पहले स्थित है। सुरंग कमतर हिमालय की संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों से गुजरती है। उल्लेखनीय है कि इस परियोजना में सभी सुरंगों का निर्माण एनएटीएम यानि न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग विधि का उपयोग करके किया जा रहा है। यह भारतीय रेल में अपनाई गई सबसे उन्नत सुरंग निर्माण पद्धति है। रेल मंत्री ने सुरंग में उपयोग की जाने वाली अंतिम स्तर प्रक्रिया का निरीक्षण किया। मंत्री ने क्षेत्र में विभिन्न चुनौतियों के बावजूद इस तरह की अत्याधुनिक पद्धतियों का उपयोग कर किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए इंजीनियरों और श्रमिकों को बधाई दी।

सेवक (पश्चिम बंगाल) और रंगपो (सिक्किम) को जोड़ने वाली यह नई रेल लिंक परियोजना लगभग 45 किमी लंबी है और 14 सुरंगें, 23 पुल और 5 स्टेशन इसकी विशेषता हैं। इस परियोजना के सुरंग बनाने के काम की पूरी लंबाई लगभग 38 किमी है। परियोजना को ₹4,085 करोड़ की अनुमानित लागत के साथ मंजूरी दी गई है और इसे दिसंबर, 2023 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस नई लाइन को राजधानी शहर गंगटोक तक विस्तारित किया जाएगा। इसके अलावा नाथुला तक प्रारंभिक सर्वेक्षण भी प्रगति पर है।

हज़रत निज़ामुद्दीन स्टेशन से जन औषधि ट्रेन को किया गया रवाना

श्री अश्विनी वैष्णव, रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री और डॉ. मनसुख मंडाविया, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और रसायन और उर्वरक मंत्री ने 3 मार्च, 2023 को हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से 'जन औषधि ट्रेन' (छत्तीसगढ़ संपर्क क्रांति एक्सप्रेस) को झंडी दिखाकर रवाना किया।



'जन औषधि ट्रेन' को झंडी दिखाकर रवाना करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री मनसुख मंडाविया

हजरत निजामुद्दीन से दुर्ग तक की अपनी 1,278 किमी लंबी यात्रा में यह ट्रेन मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्यों के 184 स्टेशनों से होकर गुजरी। 'प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना' के बारे में जागरुकता बढ़ाने और जेनरिक दवाओं को बढ़ावा देने के लिए हर साल 7 मार्च को 'जन औषधि दिवस' मनाया जाता है। इस परियोजना के अंतर्गत सस्ती कीमत पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। इस 5वें 'जन औषधि दिवस' पर प्रस्तावित थीम 'जन औषधि सस्ती भी अच्छी भी' के साथ 1 मार्च 2023 से 7 मार्च 2023 तक देश भर के विभिन्न शहरों/कस्बो में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। जनऔषधि केन्द्रों की संख्या 9,000 से अधिक हो गई है। उत्पादों को बढ़ाकर 1,700 से अधिक दवाओं और 280 सर्जिकल तक कर दिया गया है। ये दवाएं ब्रांडेड दवाओं के औसत बाजार मूल्य से 80-90% तक सस्ती हैं और इससे पिछले 8 वर्षों में नागरिकों को लगभग ₹20,000 करोड़ की बचत हुई है। यह योजना स्वरोजगार का एक अच्छा स्रोत भी प्रदान करती है।

रेल मंत्री ने किया कैरिज व वैगन अनुरक्षण डिपो का निरीक्षण



कैरिज व वैगन अनुरक्षण डिपो का निरीक्षण करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

श्री अश्विनी वैष्णव, रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने दिनांक 19 मार्च, 2023 को जयपुर दौरे के दौरान कैरिज व वैगन अनुरक्षण डिपो, जयपुर का निरीक्षण कर वन्दे भारत ट्रेन के संचालन से सम्बंधित तैयारियों का जायजा लिया तथा खातीपुरा स्टेशन का निरीक्षण कर नवनिर्मित बिल्डिंग में यात्री सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। श्री वैष्णव ने डिपो को प्रदान किए गए कार्यों को समयानुसार करने पर संतोष व्यक्त किया और कहा कि यह वन्दे भारत ट्रेन के संचालन के लिए पूरी तरह तैयार है और शीघ्र ही जयपुर से वन्दे भारत ट्रेन प्रारम्भ की जायेगी। रेल मंत्री ने कैरिज व वैगन अनुरक्षण डिपो, जयपुर में श्री विजय शर्मा, महाप्रबंधक-उत्तर पश्चिम रेलवे एवं विभागाध्यक्षों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में रेल मंत्री ने उत्तर पश्चिम रेलवे के कार्य निष्पादन की सराहना करते हुए कहा कि उत्तर पश्चिम रेलवे ने इन्फ्रॉस्ट्रक्चर कार्यो, यात्री ट्रेनों के समयपालन, माल लदान, ट्रेक अनुरक्षण कार्यों तथा हाई लेवल प्लेटफॉर्मों निर्माण कार्यों की प्रशंसा की। रेल मंत्री ने खातीपुरा स्टेशन का भी निरीक्षण किया। इस दौरान नई बिल्डिंग के निर्माण और यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। इसके अतिरिक्त प्रेजेंटेशन के माध्यम से पुर्नविकसित स्टेशन पर प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान श्री राम चरण बोहरा, सांसद, जयपुर तथा श्री सी.पी. जोशी, सांसद, चित्तौड़गढ़ भी उपस्थित थे।

प्रमुख खबरें

रेल मंत्री ने किया कश्मीर घाटी में स्थित चिनाब ब्रिज का दौरा



भारतीय रेल के अधिकारियों के साथ ट्रॉली द्वारा चिनाब ब्रिज का निरीक्षण करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

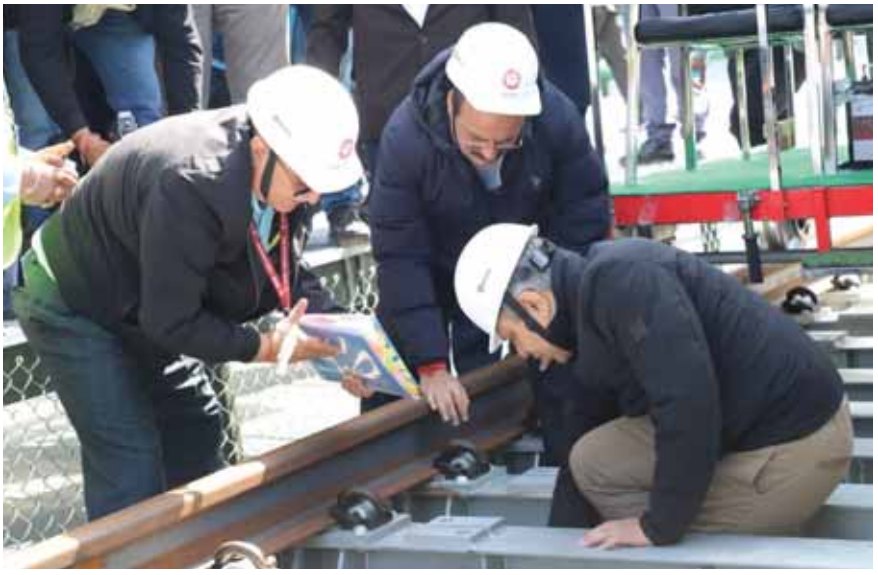
श्री अश्विनी वैष्णव, रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार आज यूएसबीआरएल परियोजना से जुड़े प्रगति कार्यों का जायजा लेने के लिए कश्मीर घाटी स्थित चिनाब ब्रिज पहुंचे। महाप्रबंधक, उत्तर रेलवे, श्री आशुतोष गंगल, एम.डी./केआरसीएल, श्री संजय गुप्ता, सीएओ/सी, यूएसबीआरएल, श्री एस.पी. माही, मंडल रेल प्रबंधक, फिरोजपुर, डॉ. सीमा शर्मा, और उत्तर रेलवे एवं यूएसबीआरएल परियोजना के अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों ने मंत्री का स्वागत किया।

यूएसबीआरएल परियोजना के अधिकारियों ने रेल मंत्री को दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल चिनाब ब्रिज और परियोजना से जुड़े प्रगति कार्यों के बारे में जानकारी दी। मंत्री ने यूएसबीआरएल परियोजना से जुड़े प्रगति कार्यों का जायजा लेने के लिए चिनाब ब्रिज और सुरंगों का ट्रॉली निरीक्षण किया और अधिकारियों को इसे समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कई चुनौतियां और प्रतिकूल परिस्थितियां होने के बावजूद इस परियोजना में शामिल सभी रेलकर्मियों के कठिन परिश्रम और कर्तव्यनिष्ठा के प्रति उनके समर्पण भाव की सराहना की। श्री वैष्णव ने कहा कि शेष कार्य को पूरा करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

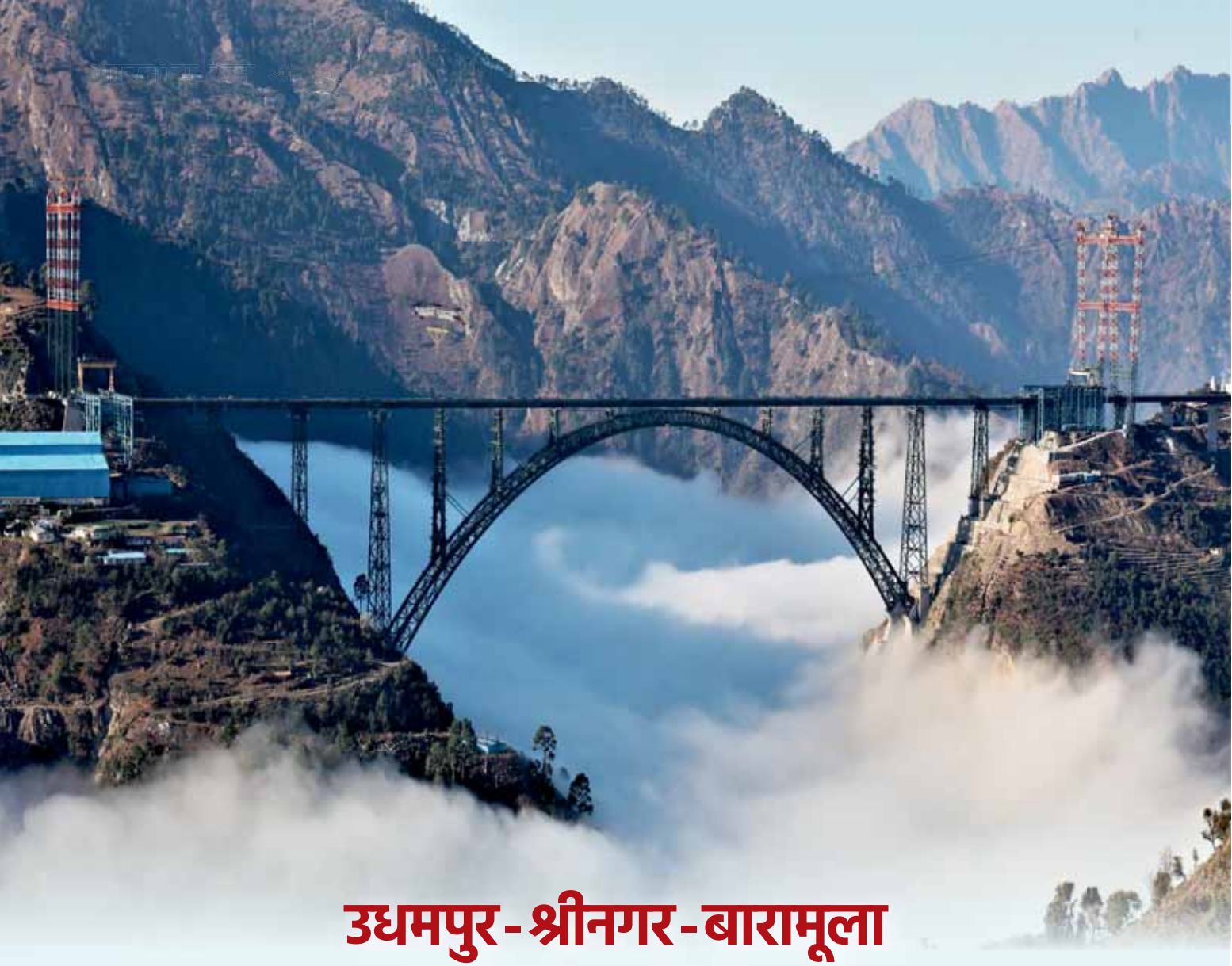
मंत्री ने सबसे ऊंचे रेलवे पुल पर निर्बाध नेटवर्क कनेक्टिविटी का प्रदर्शन करते हुए क्षेत्रीय रेलवे हेडक्वार्टर्स में बैठे समूचे भारत के प्रमुख मेट्रो सिटीज मीडिया कर्मियों से भी बातचीत की। चिनाब नदी पर निर्मित दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल चिनाब ब्रिज पर जियो की 300 एमबीपीएस इंटरनेट बैंडविड्थ, 100 एमबीपीएस एयरटेल इंटरनेट नेटवर्क, 100 एमबीपीएस बीएसएनएल इंटरनेट के साथ-साथ सलाल के ओएफसी केबल नेटवर्क के जरिये वीडियो और ऑडियो की व्यवस्था की गई।

देश भर से आये मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए श्री वैष्णव ने अग्रलिखित घोषणाएं कीं :-

- यूएसबीआरएल परियोजना को जनवरी/फरवरी-2024 तक पूरा कर लिया जाएगा।
- वर्ष 2022-23 में ₹6,000 करोड़ आवंटित किए गए, जबकि वर्ष 2014 से पहले ₹800 करोड़ प्रति वर्ष आवंटित किए गए।
- उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लाइन से जुड़ने के बाद विशेष रूप से निर्मित वंदे भारत ट्रेन सेवा शुरू की जाएगी।
- जम्मू में इंजीनियरों के लिए विशेष प्रशिक्षण अकादमी बनाई जाएगी।
- कश्मीर घाटी को शीघ्र ही भारतीय रेल नेटवर्क से जोड़ा जाएगा।
- देश के विकास की गति को विशेष रूप से बल मिलेगा।



भारतीय रेल के अधिकारियों से तकनीकी जानकारी लेते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव



उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना

- जम्मू एवं कश्मीर को हर मौसम में उपलब्ध रहने वाली एक वैकल्पिक और विश्वसनीय यातायात प्रणाली उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार ने वर्ष 1999 में उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक राष्ट्रीय परियोजना द्वारा कश्मीर घाटी को शेष भारत से जोड़ने की योजना बनाई। इसे वर्ष 2002 में राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया गया।
- दुर्गम हिमालयी क्षेत्र में निर्मित होने वाली यह अनूठी परियोजना उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक क्षेत्र में यातायात, व्यापार और पर्यटन के व्यापक अवसर उपलब्ध कराकर गेम चेंजर साबित होगी।
- स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् भारतीय रेल द्वारा शुरू की गई यह सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण परियोजना है। बेहद दुर्गम और कठिन हिमालयी भू-भाग से गुजरने वाली इस परियोजना में बड़ी संख्या में सुरंगों और पुलों का निर्माण किया जाना शामिल है।
- इस परियोजना में 119 किमी मार्ग पर 38 सुरंगें हैं। सबसे लंबी यातायात सुरंग सुम्बर-अरपिंचला टी-49 12.75 किमी (निर्माणाधीन) और पीरपंजाल टी-80, 11.2 किमी की है। इस परियोजना में 931 पुल शामिल हैं, जिनकी संयुक्त लंबाई 13 किमी है। दुनिया का सबसे ऊँचा रेल पुल चिनाब पुल (पुल-44) और भारतीय रेल का पहला केबल आधारित रेल पुल, अंजी पुल (पुल-35) इस परियोजना के अंतर्गत निर्मित किए जाने वाले विशेष पुल हैं।
- 136 किमी लंबे बनिहाल-बारामूला रेल सेक्शन के विद्युतीकरण का कार्य पूरा हो चुका है। वर्तमान में ट्रायल रन और स्पीड टेस्ट किए जा रहे हैं। जल्दी ही यहां रेलगाड़ियां डीजल के बजाय विद्युत शक्ति से चलेंगी। इस कदम से पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र में रेल परिचालन में जीवाश्म ईंधनों के इस्तेमाल को रोकने में मदद मिलेगी। इससे रेल परिचालन की लागत के साथ-साथ कार्बन फुट प्रिंट में कमी आएगी। इससे रेलवे को एक पर्यावरण अनुकूल जन-यातायात प्रणाली के रूप में उभरने में मदद मिलेगी।

निर्मित और परिचालित सैक्शन

1. जम्मू-उधमपुर सेक्शन (55 किमी) अप्रैल, 2005 में चालू हुआ।
2. काजीगुंड-बारामूला सेक्शन (118 किमी) तीन चरणों में खोला गया।
   - अनंतनाग-मझोम (68 किमी) 11 अक्टूबर, 2008 को
   - मझोम-बारामूला (32 किमी) 14 फरवरी, 2009 को
   - काजीगुंड-अनंतनाग (18 किमी) 28 अक्टूबर, 2009 को
3. 11.215 किमी लंबी पीरपंजाल सुरंग के साथ बनिहाल-काजीगुंड (18 किमी) सेक्शन 26 जून, 2013 को चालू हुआ।
4. उधमपुर-कटरा सेक्शन (25 किमी) का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 4 जुलाई, 2014 को किया।



कटरा-बनिहाल सैक्शन

कटरा-बनिहाल (111 किमी), जोकि इस राष्ट्रीय परियोजना का शेष भाग है, दुर्गम हिमालयी भू-भाग और गहरे नदी-खड्डों के कारण इसका निर्माण बेहद कठिन है।

सुरंगें

कटरा-बनिहाल सेक्शन पर मुख्यत: अनेक सुरंगें हैं।

- 27 मुख्य और 8 एस्केप सुरंगें। कुल 164 किमी सुरंग कार्य।
- भारत की सबसे लंबी परिवहन सुरंग सुम्बर-अरपिंचला टी-49 12.75 किमी की है।

पुल :

- कटरा-बनिहाल सेक्शन पर 37 पुल (26 बड़े और 11 छोटे) हैं।
- इस सेक्शन पर 4 मेगा पुल-चिनाब पुल, अंजी पुल, पुल-39 और पुल-43 हैं।

स्टेशन :

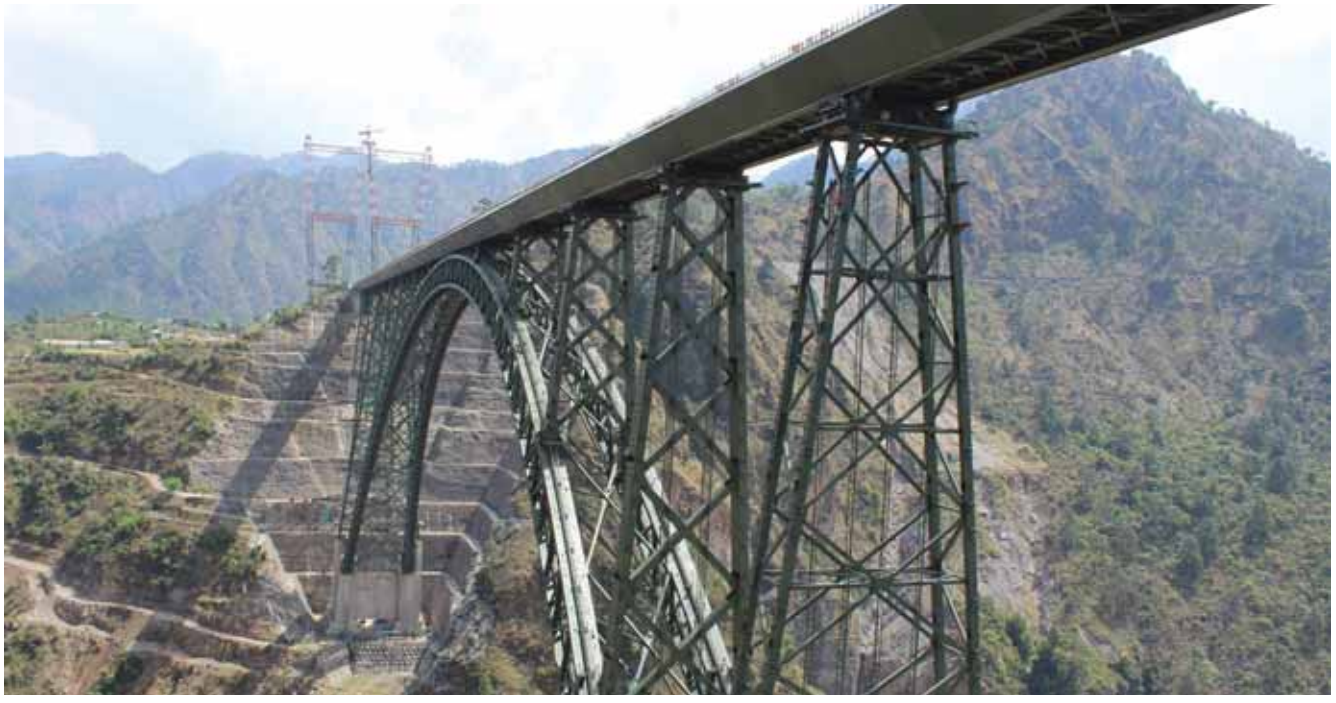
कटरा-बनिहाल सेक्शन पर 7 रेलवे स्टेशनों का निर्माण किया जा रहा है। इनमें से 4 रियासी जिले में-रियासी, सलाल-ए, डग्गा और बसिंदाधर तथा 3 रामबन जिले में-संगलदन, सुम्बर और अरपिंचला हैं। इनमें से कुछ रेलवे स्टेशन आंशिक रूप से सुरंगों अथवा पुलों पर अथवा दोनों पर स्थित हैं। अरपिंचला रेलवे स्टेशन लगभग तैयार हो चुका है, जबकि अन्य स्टेशनों का कार्य तीव्र गति से चल रहा है। गिट्टी रहित रेलपथ बिछाया जा रहा है जबकि पोर्टलों का निर्माण, सुरंगों का वेंटिलेशन और सिगनल एवं दूरसंचार के कार्य भी साथ-साथ चल रहे हैं।

चिनाब पुल

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में चिनाब नदी पर एक मेहराबदार पुल। यह दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज है।

महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ

- पुल के निर्माण से पहले साइट तक पहुंचने के लिए 26 किमी की पहुंच वाली सड़कों और 400 मीटर लंबी सुरंग का निर्माण किया गया।
- स्टील आर्च, ट्रेस्टल और पियर्स के निर्माण के लिए 31 अगस्त 2013 को केबल क्रेन का परिनिर्माण किया गया।
- भारतीय रेल में पहली बार 2.74 डिग्री सर्कुलर और 268 मीटर लंबाई के ट्रांजिशन कर्व में इंक्रीमेंटल लॉन्चिंग सफलतापूर्वक की गई (नवंबर 2017)।
- 467 मीटर लंबे आर्क स्पैन को जोड़ना सबसे महत्त्वपूर्ण गतिविधि थी। सटीकता को बनाए रखा जाना था, ताकि मेहराब के दोनों छोर बिना किसी अतिरिक्त तनाव के मेहराब के अंतिम खंड से बिना किसी त्रुटि के मिल सकें। आर्क समापन समारोह अप्रैल 2021 को आयोजित किया गया।
- दूसरी प्रमुख उपलब्धि डेक का 'गोल्डन जॉइंट' था। 785 मीटर लंबे डेक सुपरस्ट्रक्चर को कौरी और बक्कल, दोनों सिरों से लॉन्च किया गया था और अंत में आर्क के ऊपर जोड़ा गया। 'गोल्डन जॉइंट' समारोह 13 अगस्त 2022 को आयोजित किया गया।
- चिनाब ब्रिज पर ट्रैक लिंकिंग गतिविधि को पूरा कर लिया गया है। इसके लिए LWR द्वारा पुल पर 2,487 स्लीपर बिछाए गए।

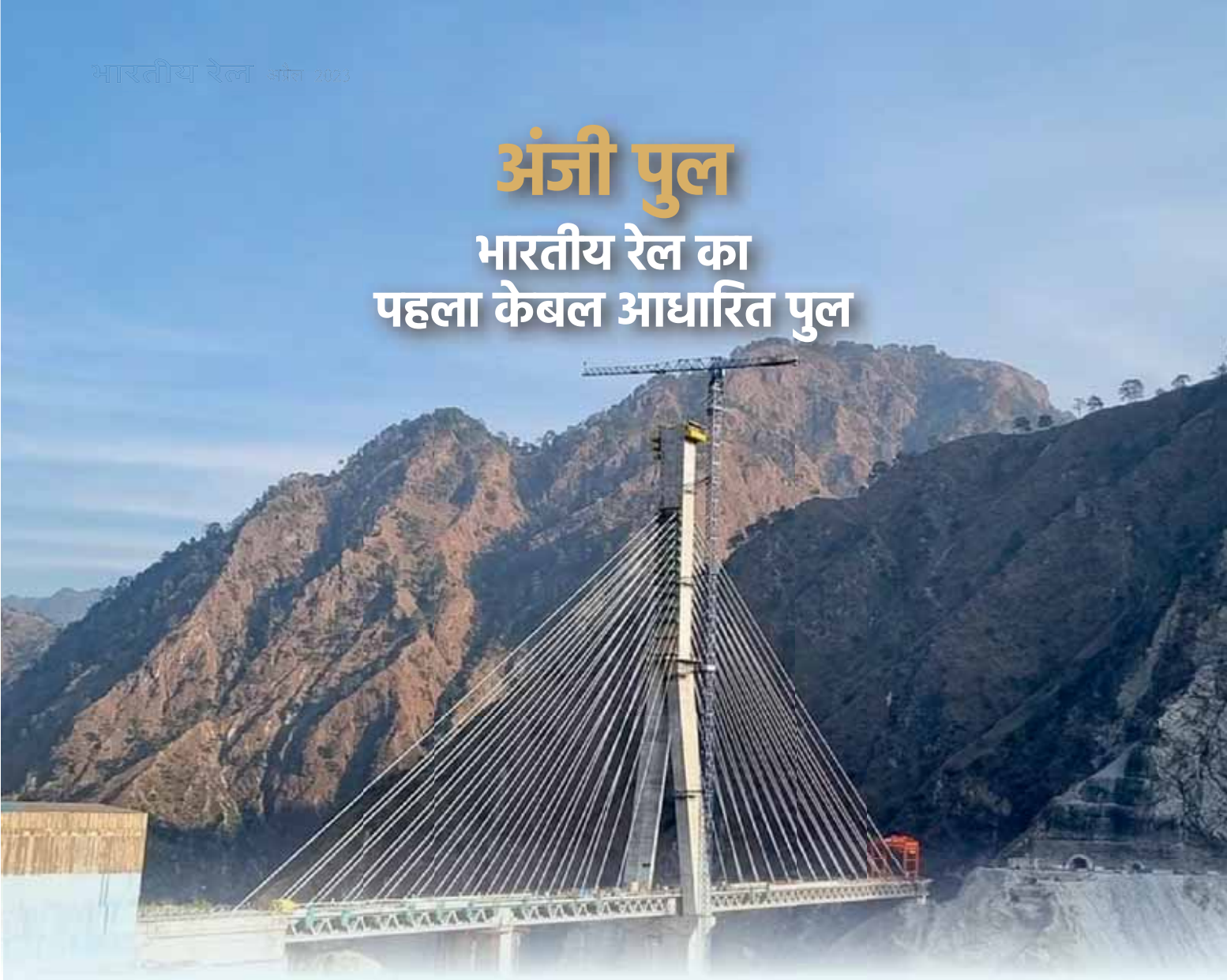


सामाजिक-आर्थिक विकास

- इस परियोजना के लिए दुर्गम क्षेत्रों तक लिंक उपलब्ध कराने के लिए 205 किमी पहुंच मार्गों का निर्माण किया गया है।
- इनसे 73 गांव (लगभग 1.5 लाख लोग) लाभान्वित हुए हैं।
- कटरा-बनिहाल सेक्शन पर 500 लाख से अधिक मानव दिवसों का रोजगार सृजित हुआ है।
- 65% रोजगार स्थानीय लोगों को दिया गया है।
- भूमि देने वाले 799 पात्र लोगों को रेलवे में नियमित नौकरियां दी गईं।
- आर्टिजन को कौशल विकास प्रशिक्षण दिया गया है। इसके अधिकतर लाभार्थी अब रोजगार पा चुके हैं।

अंजी पुल

भारतीय रेल का पहला केबल आधारित पुल



अंजी पुल का निर्माण भारतीय रेल की सबसे चुनौतीपूर्ण उधमपुर–श्रीनगर–बारामूला रेल लिंक (USBRL) परियोजना के तहत केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर के रियासी जिले में किया जा रहा है। यह पुल जम्मू से सड़क मार्ग से लगभग 80 किमी की दूरी पर स्थित है।

अंजी खड्ड पर बना अंजी पुल जम्मू एवं कश्मीर में कटरा और रियासी को जोड़ने वाला देश का पहला केबल आधारित रेल पुल है। यह पुल उधमपुर–श्रीनगर–बारामूला रेल लिंक (USBRL) राष्ट्रीय परियोजना का एक भाग है।

यह पुल हिमालय की पहाड़ियों में स्थित है, जो दुर्गम पहाड़ियों और प्राकृतिक जटिलताओं व भूकम्प संभावित क्षेत्र में स्थित है। इस जगह की विस्तृत और विशिष्ट जांच आईआईटी रुड़की और आईआईटी दिल्ली द्वारा की गई है। जगह की कमी के कारण कटरा छोर पर एक विशेष संकरी नींव द्वारा मुख्य स्पैन की एक नींव को सहारा देने वाले पहाड़ की ढलानों पर बनाया गया है। पुल निर्माण के बड़े हिस्से के अंतर्गत 40 मीटर गहरी हाइब्रिड नींव, केंद्रीय तटबंध और सहायक पुल के साथ मुख्य पाइलॉन का कार्य श्रीनगर छोर से किया गया है।

इस पुल की कुल लंबाई 725.5 मीटर निर्माण में आसानी और विशिष्ट साइट स्थितियों को ध्यान में रखते हुए तय की गई है, इसलिए इस पुल को 4 भागों में विभाजित किया गया है:

- रियासी की तरफ 120 मीटर लंबा एप्रोच पुल (जिसे 'सहायक पुल' कहा जाता है)
- कटरा छोर पर 38 मीटर लंबा एप्रोच ब्रिज (CA2)।
- गहरी घाटी को पार करता हुआ मुख्य पुल (473.25 मीटर केबल आधारित हिस्सा)।
- केंद्रीय तटबंध (94.25 मीटर), मुख्य पुल और एप्रोच (सहायक) पुल के बीच स्थित है।

पुल

- अंजी खड्ड पर मुख्य पुल 473.25 मीटर की कुल लंबाई वाला एक केबल आधारित ब्रिज है, जिसका मुख्य स्पैन 290 मीटर का है।
- उधमपुर–श्रीनगर–बारामूला रेल लिंक परियोजना के कटरा–बनिहाल सेक्शन पर अंजी पुल सुरंग टी–2 और टी–3 को जोड़ता है।
- अंजी पुल में नींव के शीर्ष से 193 मीटर ऊंचा एक मुख्य पायलन है, जो नदी तल से 331 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।
- पुल की कुल लंबाई 725.5 मीटर है, जिसमें 473.25 मीटर की लंबाई वाला मुख्य पुल, 120 मीटर लंबाई का सहायक पुल, कटरा छोर पर 38 मीटर का एप्रोच पुल और 94.25 मीटर लंबाई का केंद्रीय तटबंध शामिल है।
- यह सेंट्रल पायलन की धुरी पर संतुलित एक असिमिट्रिकल केबल आधारित पुल है। पुल के डेक की कुल चौड़ाई 15 मीटर है।
- अंजी पुल 82 मीटर से 295 मीटर तक की लंबाई वाले 96 केबलों पर आधारित है। मुख्य पायलन के निर्माण में 20 मीटर हाइब्रिड वैल फाउंडेशन की परिधि के चारों ओर 40 मीटर गहराई के माइक्रोपाइल्स का उपयोग किया गया है।
- पुल में एक इकहरी रेलवे लाइन और 3.75 मीटर चौड़ी सर्विस रोड होगी। डेक के दोनों ओर 15 मीटर की कुल चौड़ाई वाले 1.5 मीटर चौड़े फुटपाथ हैं।
- अंजी पुल को तेज हवाओं के भारी तूफानों को झेलने के लिहाज से डिजाइन किया गया है। इसकी डिजाइन विंड स्पीड 213 किमी प्रति घण्टा आंकी गई है।

दक्षता बढ़ाने, श्रमिकों को उच्च सुरक्षा प्रदान करने और निर्माण समय में लगभग 30 प्रतिशत की बचत करने के लिए DOKA जंप फॉर्म शटरिंग और पंप कंक्रीटिंग सिस्टम जैसी विभिन्न अनूठी तकनीकों और उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है। 193 मीटर तक की ऊंचाई पर निर्माण गतिविधियों को बढ़ाने के लिए 205 मीटर तक की विस्तार योग्य ऊंचाई के साथ 40 टन क्षमता की अत्याधुनिक टॉवर क्रेन (स्पेन से आयातित) का उपयोग किया जा रहा है। अंजी पुल पर विभिन्न स्थानों पर स्थापित कई सेंसरों वाली एकीकृत निगरानी प्रणाली होगी।



डिजाइन के मापदंड

- इस प्रतिष्ठित पुल के विस्तृत डिजाइन और निर्माण पर्यवेक्षण (DDC) का कार्य इटालियन कंपनी ITALFERR (इतालवी राज्य रेलवे समूह 'फेरोवी डेलो स्टेटो इटालियन' से संबंधित एक कंपनी) को सौंपा गया है और प्रूफ चेकिंग का काम कंपनी सीओडब्ल्यूआई, यूके को सौंपा गया है। जहां भी जरूरी था, वहां डिजाइन को यूरोकोड्स द्वारा एकीकृत भारतीय कोडों पर आधारित रखा गया है ।
- इस लाइन का डिजाइन 100 किमी प्रति घंटा की क्षमता के अनुरूप तैयार किया गया है, जो ट्रेन-संरचना संपर्क के लिए कोई बाधा उत्पन्न नहीं करती है।
- इस क्षेत्र की भूकंप की संभावनाओं का आकलन करने के लिए भूकंप इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की द्वारा साइट विशिष्ट भूकंप मापदंडों का अध्ययन किया गया।
- पुल के महत्त्व के कारण, सेवा के दौरान पुल के संरचनात्मक स्वास्थ्य की निगरानी के लिए बड़ी संख्या में सेंसर लगाए जाएंगे।

विंड टनल टेस्ट :

- लंबे स्पैन और गहरी घाटी के कारण वायुगतिकीय क्रियाओं (स्थैतिक वायुगतिकीय गुणांक) का मूल्यांकन करने के लिए और एरो इलास्टिक फिनॉमिना (गैलपिंग, स्पंदन और भंवर बहाव) संबंधी जांच करने के लिए विंड टनल परीक्षण किए गए थे।

संरचनात्मक अतिरेक

निम्नलिखित प्रावधान पुल की 'मजबूती' सुनिश्चित करते हैं :

- लगातार दो स्टे की अनुपस्थिति : पुल एक सीमित गति (30 किमी/घण्टा) पर कम की गई रेल यातायात सीमाओं के साथ ट्रेनों के आवागमन के लिए सेवा में रहता है।
- लगातार तीन स्टे की अनुपस्थिति: स्थायी भार के तहत पुल को कोई क्षति नहीं।
- डेक पर 40 किलोग्राम (टीएनटी समतुल्य) का विस्फोट: स्थायी भार के तहत पुल को कोई क्षति नहीं और सीमित लागत के साथ त्वरित मरम्मत संभव।

पुल की वर्तमान स्थिति

- सहायक पुल का हिस्सा पूरा हो गया है।
- केंद्रीय तटबंध (पहला चरण) पूरा हो गया है।
- सभी सब-स्ट्रक्चर पूरे हो गए हैं।
- सुपर स्ट्रक्चर की लॉन्चिंग का कार्य प्रगति पर है। 24x4 = 96 स्टे केबलों में से 21x4 = 84 स्टे केबलों को लगाने के साथ 441.25 मीटर में से 388.75 मीटर की कुल लॉन्चिंग का कार्य पूर्ण हो गया है।



आपको यह **अंक कैसा लगा**
हमें जरूर बताएं

ई-मेल : editorbhartiyarailrb@gmail.com

पत्र लिखें ▶ **संपादक,** भारतीय रेल,
कमरा नं. 411, रेल भवन, नई दिल्ली-110 001

लोकसभा अध्यक्ष द्वारा कोटा-असारवा ट्रेन का शुभारंभ

दिनांक 3 मार्च, 2023 को लोकसभा अध्यक्ष एवं सांसद कोटा-बूँदी श्री ओम बिरला द्वारा सांसद-चितौड़गढ़ श्री सी. पी. जोशी की गरिमामयी उपस्थिति में कोटा-असारवा-कोटा के मध्य ट्रेन सं 19821/19822 को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया। इस ट्रेन को कोटा से सप्ताह में दो दिन, प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार तथा असारवा से प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को चलाया जा रहा है। यह ट्रेन कोटा-असारवा, कोटा के मध्य बूँदी, मांडलगढ़, पारसोली, बस्सी बेरीसाल, चंदेरिया, कपासन, फतेहनगर, मावली, राणप्रतापनगर, उदयपुर सिटी, जावर, जयसमन्द रोड, डूंगरपुर, लसाडिया, रायगढ़ रोड, हिम्मतनगर, नान्दोल देहेगाम एवं सर्दाग्राम स्टेशनों पर रुकेगी। इस नई ट्रेन के संचालन से क्षेत्र की जनता एवं विद्यार्थियों को डायरेक्ट कनेक्टिविटी मिलेगी तथा इस क्षेत्र का आर्थिक एवं सामाजिक विकास होगा।



कोटा-असारवा-कोटा ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना करते हुए लोकसभा अध्यक्ष एवं सांसद कोटा-बूंदी श्री ओम बिड़ला

ऊर्जा संरक्षण हेतु सवारी डिब्बा कारखाना को विद्युत मंत्रालय के सर्वोच्च पुरस्कार से किया गया सम्मानित



ऊर्जा की बचत और हरित ऊर्जा प्रणालियों की श्रेणी में उत्तम निष्पादक का पुरस्कार प्राप्त करते हुए सवारी डिब्बा कारखाना चेन्नै के अधिकारी

भारतीय रेल की उत्पादन इकाइयों में सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै को 2016-2019 की PAT (परफॉर्म, अचीव एंड ट्रेड) योजना के अंतर्गत उत्तम निष्पादक के रूप में घोषित किया गया तथा ऊर्जा की बचत और हरित ऊर्जा प्रणालियों की श्रेणी में पुरस्कृत किया गया। 1/03/2023 को संपन्न समारोह में श्री राजकुमार सिंह, केंद्रीय बिजली, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री से यह पुरस्कार सवारी डिब्बा कारखाना के प्रधान मुख्य बिजली इंजीनियर श्री देबी प्रसाद दास ने प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023, ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई), बिजली मंत्रालय द्वारा पीएटी योजना के कार्यान्वयन का 10वां वर्ष है। सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै ने ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) द्वारा निर्धारित लक्ष्य में विशिष्ट ऊर्जा खपत की श्रेणी में कुल 41% की बचत की है। सडिका ने यह बचत स्वच्छ ईंधन तथा ऊर्जा संरक्षण के अन्य कई प्रकारों के उपायों को अपनाकर हासिल की है। सवारी डिब्बा कारखाना अपने लिए आवश्यक सारी बिजली ऊर्जा की पूर्ति तिरुनेलवेली जिला के तोट्टपल्ली गाँव में स्थापित अपनी 10.5 मेगावॉट क्षमतावली पवनचक्की तथा सडिका परिसर में स्थित कारखानों और भवनों की छत पर स्थापित 3.5 मेगावॉट सोलर पीवी (फोटोवोल्टिक) इंस्टॉलेशनों से कर लेता है। श्री बी.जी. माल्या, महाप्रबंधक/सडिका ने इस प्रतिष्ठित पुरस्कार की प्राप्ति के लिए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी।

केंद्रीय मंत्री द्वारा बसई स्टेशन पर किया गया कोरबा बिलासपुर-अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस के ठहराव का शुभारंभ



अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस के बसई स्टेशन पर ठहराव का शुभारंभ गृह, जेल एवं संसदीय कार्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र द्वारा मंडल रेल प्रबंधक श्री आशुतोष की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर संपन्न हुआ। शुभारंभ समारोह के मुख्य अतिथि गृह, जेल एवं संसदीय कार्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र, क्षेत्र के विकास में निरंतर योगदान देते चले आ रहे हैं। बसई स्टेशन को ट्रेन सं. 18237/38 कोरबा/बिलासपुर अमृतसर छतीसगढ़ एक्सप्रेस के रूप में एक नई एक्सप्रेस रेल सेवा प्राप्त हो रही है, जोकि मंत्री जी के अथक प्रयासों से संभव हो सका है।

झाँसी मंडल, भारतीय रेल के महत्त्वपपूर्ण अंग है जो देश के उत्तरी भाग को दक्षिणी भाग एवं पूर्वी भाग को पश्चिमी भाग से जोड़कर रेलों के आवागमन में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। दिनांक 13 फरवरी, 2023 से ट्रेन सं. 18237/38 कोरबा/बिलासपुर

केन्द्रीय मंत्री द्वारा महामना एक्सप्रेस के ईशानगर में ठहराव का शुभारंभ

दिनांक 5 मार्च 2023 को केन्द्रीय सामाजिक और अधिकारिता मंत्री, श्री वीरेन्द्र कुमार द्वारा ट्रेन संख्या 22164 खजुराहो-भोपाल महामना एक्सप्रेस का ईशानगर पर ठहराव के पश्चात हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को गंतव्य की ओर रवाना किया गया। उन्होंने अपने संबोधन कहा कि ट्रेन का ठहराव होने से ईशानगर के वासियों को प्रदेश के राजधानी भोपाल से सीधा जुड़ाव हो गया है। इसके पश्चात् मंत्री द्वारा दिनांक 5 मार्च 2023 को ही ट्रेन संख्या 12190/89 निजामुद्दीन जबलपुर महाकौशल एक्सप्रेस का निवाड़ी स्टेशन पर ठहराव तथा ट्रेन संख्या 11107/08 ग्वालियर वाराणसी बुंदेलखंड एक्सप्रेस का ठहरका स्टेशन पर ठहराव का शुभारंभ के भी किया गया। तदोपरांत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर गंतव्य की ओर रवाना किया गया। श्री कुमार ने कहा उपरोक्त ट्रेनों के ठहराव से यहां की जनता वाराणसी, प्रयागराज जैसे धार्मिक स्थलों के साथ देश की राजधानी से सीधे जुड़ गई है।



केंद्रीय मंत्री ने किया निवाड़ी स्टेशन पर लोकमान्य तिलक टर्मिनस प्रयागराज तुलसी एक्सप्रेस के ठहराव का शुभारंभ



दिनांक 15 फरवरी, 2023 को केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवम् अधिकारिता मंत्री, डॉ. वीरेंद्र कुमार द्वारा मंडल रेल प्रबंधक श्री आशुतोष की उपस्थिति में ट्रेन संख्या 22129/30 लोकमान्य तिलक टर्मिनस प्रयागराज तुलसी एक्सप्रेस के निवाड़ी स्टेशन पर ठहराव का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। शुभारंभ समारोह के मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री ने कहा कि इस एक्सप्रेस रेल सेवा से इस क्षेत्र की जनता सीधे देश की आर्थिक राजधानी मुंबई एवं तीर्थराज प्रयागराज से जुड़ सकेगी।

केन्द्रीय राज्य मंत्री ने पूर्वोत्तर के लिए भारत गौरव ट्रेन को झंडी दिखाकर किया रवाना

विदेश और संस्कृति राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने दिनाक 21 मार्च, 2023 नई दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से भारत गौरव ट्रेन 'नॉर्थ ईस्ट डिस्कवरी: बियॉन्ड गुवाहाटी' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस ट्रेन को पूर्वोत्तर भारत की सीमा में आने वाले राज्यों का भ्रमण करने के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है।

इस अवसर पर श्रीमती लेखी ने कहा कि यह ट्रेन अपना विशेष महत्त्व रखती है क्योंकि इसे चैत्र नवरात्रि/गुडी पड़वा जैसे महत्त्वपूर्ण अवसर की पूर्व संध्या पर रवाना किया जा रहा है। श्रीमती लेखी ने माननीय प्रधानमंत्री को रेलवे में सुधार के लिए उनकी दूरदृष्टि व पहल के लिए धन्यवाद दिया। विशेष पर्यटक ट्रेन की यात्रा नई दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से आरंभ हुई और यह अगले 15 दिन में असम के गुवाहाटी, शिवसागर, जोरहाट और काजीरंगा, त्रिपुरा में उनाकोटी, अगरतला व उदयपुर, नागालैंड में दीमापुर एवं कोहिमा और मेघालय के शिलांग तथा चेरापूंजी की यात्रा करेगी। इस दौरे को पूरा करने के बाद यात्रियों को चेरापूंजी से वापस गुवाहाटी स्टेशन लेकर आया जाएगा ताकि वे दिल्ली की वापसी हेतु की रेल द्वारा सफर करने के लिए ट्रेन में सवार हो सकें।



सफदरजंग रेलवे स्टेशन से 'नॉर्थ-ईस्ट डिस्कवरी' भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए विदेश एवं संस्कृति राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी तथा वरिष्ठ अधिकारीगण

केन्द्रीय राज्य मंत्री द्वारा पुखरायां स्टेशन पर चेन्नई-लखनऊ एक्सप्रेस के ठहराव का शुभारंभ



दिनांक 15 मार्च, 2023 को केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री, श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा द्वारा कैबिनेट मंत्री एमएसएमई उत्तर प्रदेश सरकार श्री राकेश सचान की उपस्थिति में ट्रेन संख्या 16093/94 चेन्नई-लखनऊ एक्सप्रेस के पुखरायां स्टेशन पर ठहराव का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया। शुभारंभ समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री, श्री वर्मा ने ट्रेन संख्या 16093/94 चेन्नई-लखनऊ एक्सप्रेस के साथ-साथ पुखरायां स्टेशन पर ट्रेन संख्या 12103/04 पुणे-लखनऊ एक्सप्रेस एवं ट्रेन संख्या 15065/66 पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस के ठहराव का भी शुभारंभ किया।

रेल राज्य मंत्री ने किया आगरा छावनी रेलवे स्टेशन का दौरा

दिनांक 19 फरवरी, 2023 को रेल राज्य मंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे द्वारा अपने उत्तर मध्य रेलवे के दौरे के तहत सर्वप्रथम वरिष्ठ रेल अधिकारियों के साथ आगरा छावनी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सर्कुलेटिंग एरिया, प्लेटफॉर्म, फुट ओवर ब्रिज, सामान्य यात्री हॉल, खानपान स्टॉल, वी आई पी लाउंज एवं अन्य उपलब्ध यात्री सुविधाओं को देखा। उन्होंने मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में रेलवे के उच्च अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने उत्तर मध्य रेलवे के पुनर्विकास हेतु चिन्हित तीन स्टेशनों ग्वालियर, कानपुर तथा प्रयागराज के संबंधित कार्यों और स्थितियों की जानकारी प्राप्त की। इसी क्रम में बैठक के दौरान आगरा छावनी और मथुरा स्टेशन पर यात्री सुविधाओं तथा आगरा छावनी, मथुरा जं. और आगरा किला स्टेशन के पुनर्विकास के बारे मे विस्तृत चर्चा हुई।



आगरा छावनी रेलवे स्टेशन के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में भाग लेते हुए रेल राज्य मंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे

उन्होंने आगरा स्टेशन के पुनर्विकास को तेजी से करने को कहा। इसी क्रम में रेल राज्य मंत्री ने क्षेत्रीय रेलवे के अमृत भारत योजना के तहत विकसित किए जाने वाले अन्य स्टेशनों के विषय में बात की और कहा कि सभी सॉफ्ट अपग्रेड संबंधित कार्यों को प्राथमिकता पर किया जाए। उन्होंने सभी संबंधित स्टेशनों के विषय में विस्तार से जानकारी प्राप्त की और कार्यों गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताई। श्री दानवे ने मथुरा-वृंदावन ब्रॉडगेज आमान परिवर्तन कार्य को भी प्राथमिकता पर पूरा करने की आवश्यकता जताई। तथा सभी जारी रेल परियोजनाओं को समय पर पूरा किए जाने पर बल दिया। इस बैठक में उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री सतीश कुमार व मंडल रेल प्रबंधक श्री आनन्द स्वरूप व अन्य शाखा अधिकारी मौजूद थे।

रेल राज्य मंत्री द्वारा जामनगर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण



जामनगर रेलवे स्टेशन पर भ्रमण के दौरान 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' स्टॉल का निरीक्षण करतीं हुई केन्द्रीय रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश

श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश, केन्द्रीय रेल एवं वस्त्र राज्य मंत्री ने 6 मार्च, 2023 को जामनगर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जामनगर की महापौर श्रीमती बीना बेन कोठारी अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारी भी उपस्थित थे। इस दौरान श्रीमती दर्शना जरदोश ने जामनगर स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं का जायजा लिया और स्टेशन पर स्थित 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' स्टॉल व अन्य केटरिंग स्टॉल का निरीक्षण किया। उन्होंने राजकोट मंडल रेल प्रबंधक श्री अनिल कुमार जैन व भावनगर मंडल रेल प्रबंधक श्री मनोज गोयल के साथ दोंनो मंडलों से सम्बंधित रेल परियोजनाओं की समीक्षा की। साथ ही उन्होंने जामनगर स्टेशन रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के बारे में रेल अधिकारियों के साथ विस्तारपूर्वक चर्चा की।

भारतीय रेल
पत्रिका अब
राष्ट्रीय रेल संग्रहालय
चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में भी उपलब्ध है

रेल राज्य मंत्री ने किया जयपुर रेलवे स्टेशन का दौरा



जयपुर स्टेशन के पुनर्विकास संबंधी मॉडल का अवलोकन करतीं हुई केन्द्रीय रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश

उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर रेलवे स्टेशन का 17 मार्च 2023 को श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश, केन्द्रीय रेल एवं वस्त्र राज्य मंत्री ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान राज्यमंत्री द्वारा जयपुर रेलवे स्टेशन के कॉर्नकोर्स हॉल में स्थापित जयपुर स्टेशन के पुनर्विकास संबंधित मॉडल का अवलोकन किया। साथ ही जयपुर स्टेशन रि-डेवलपमेंट के पश्चात् स्टेशन पर प्रदान की जाने वाली यात्री सुविधाओं, पार्किंग की व्यवस्था, स्टेशन पर पिक एंड ड्रॉप मार्ग, कॉर्नकोर्स एरिया, स्टेशन बिल्डिंग की डिजाइन एवं अधिकतम स्पेस यूटिलाइजेशन की जानकारी प्राप्त की तथा यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए दिशा-निर्देश प्रदान किये। रेल राज्य मंत्री द्वारा जयपुर रेलवे स्टेशन पर स्थित खान-पान स्टॉल पर क्यूआर कोड स्कैनर से डिजिटल पेमेंट कर चाय पीकर गुणवत्ता की जांच की। साथ ही रेलवे स्टेशन पर स्थित एक स्टेशन एक उत्पाद का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जयपुर मंडल रेल प्रबंधक श्री नरेंद्र तथा मंडल के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे की सांसदों के साथ परिचर्चा

महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे श्री अशोक कुमार मिश्र एवं सांसदों के साथ बैठक का आयोजन मंडल कार्यालय रतलाम के समिति कक्ष में 17 फरवरी, 2023 को सांसद रतलाम-झाबुआ श्री गुमान सिंह डामोर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। सांसदों एवं उनके प्रतिनिधियों द्वारा रतलाम मंडल द्वारा संरक्षा, सुरक्षा, यात्री सुविधा, अधोसंरचनात्मक विकास से संबंधित क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों को की सराहना की तथा कहा कि इस वर्ष बजट में रतलाम मंडल को ₹2,200 करोड़ से अधिक की राशि आवंटित की गई है जो अभी तक रिकॉर्ड है। सांसदों द्वारा रतलाम मंडल के विभिन्न मुद्दों को उठाया गया। महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे श्री मिश्र ने इन मुद्दों को सुनकर सभी सदस्यों को आश्वस्त किया कि आपके सुझावों पर उचित निर्णय लेकर यथाशीघ्र सूचित किया जाएगा। इस बैठक में सांसद मंदसौर श्री सुधीर गुप्ता, सांसद रतलाम गुमान सिंह डामोर, सांसद इंदौर श्री शंकर लालवानी, सांसद पंचमहल श्री रतन सिंह राठौर के अतिरिक्त विधायक रतलाम ग्रामीण श्री दिलीप कुमार मकवाना सांसद श्री सुमेर सिंह सोलंकी के प्रतिनिधि के



रुप में शामिल हुए। बैठक में सांसद खंडवा श्री ज्ञानेश्वर पाटील, सांसद धार श्री छतरसिंह दरबार, एवं सांसद चित्तौड़गढ़ श्री सीपी जोशी के प्रतिनिधि इस बैठक में शामिल हुए।

अहमदाबाद एवं वडोदरा मंडलों के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत सांसदों के साथ बैठक

अहमदाबाद एवं वडोदरा मंडलों के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत सांसदों के साथ 6 जनवरी, 2023 को महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे श्री अशोक कुमार मिश्र ने बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में सांसदों में श्री हसमुख पटेल, श्रीमती शारदा पटेल, श्री परबत पटेल, श्री विनोद चावडा, श्री दिनेशचंद्र अनावाड़िया, श्री जुगलसिंह लोखंडवाला, श्रीमती गीता राठवा, श्री नारण राठवा, मंडल रेल प्रबंधक अहमदाबाद श्री तरुण जैन एवं मंडल रेल प्रबंधक वडोदरा श्री अमित गुप्ता व प्रधान मुख्य अधिकारीगण पश्चिम रेलवे एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। इस बैठक में महाप्रबंधक श्री मिश्र ने कहा कि यात्रियों के हित में सुविधाएं बढ़ाने की योजनाएँ तैयार करने में सभी जन प्रतिनिधियों के महत्त्वपूर्ण फीडबैक का प्रमुख योगदान रहता है। महाप्रबंधक श्री मिश्र ने सांसदों से उनके अमूल्य निर्देश एवं सुझाव आमंत्रित कर उन पर अतिशीघ्र कार्यवाही करने का विश्वास दिलाया।

सांसद द्वारा पश्चिम मध्य रेल के टिकरिया स्टेशन पर नए पैदल पुल का लोकार्पण

दिनांक 22 फरवरी, 2023 को जबलपुर मंडल के टिकरिया स्टेशन में यात्रियों की सुविधा के लिए सांसद बाँदा श्री आर. के. सिंह पटेल द्वारा नवनिर्मित पैदल पुल का लोकार्पण कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मानिकपुर विधायक श्री अविनाश चंद्र द्विवेदी के प्रतिनिधि श्री रवि त्रिपाठी, श्री दिनेश सिंह, टिकरिया के ग्राम प्रधान श्री चंदन त्रिपाठी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति समारोह में उपस्थित रहे।



सांसद ने मझगवां, मैहर, अमदरा एवं उंचेहरा स्टेशनों पर ठहराव हेतु दिखाई हरी झंडी



दिनांक 06 मार्च, 2023 को सांसद सतना श्री गणेश सिंह द्वारा ट्रेन संख्या 11071 लोकमान्य तिलक टर्मिनस से बनारस कामायनी एक्सप्रेस का मझगवां स्टेशन और ट्रेन संख्या 12167 लोकमान्य तिलक टर्मिनस से बनारस एक्सप्रेस का मैहर स्टेशन, ट्रेन संख्या 12186 रीवा–रानी कमलापति रीवांचल एक्सप्रेस का अमदरा स्टेशन एवं ट्रेन संख्या 15159 छपरा–दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस का उंचेहरा स्टेशन पर प्रायोगिक ठहराव को हरी झंडी दिखाकर गंतव्य के लिए रवाना कर ठहराव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मझगवां, मैहर, अमदरा एवं उंचेहरा स्टेशनों पर आयोजित अलग–अलग शुभारंभ समारोह आयोजित किए गए। सांसद सतना, श्री गणेश सिंह जी ने विधायक मैहर श्री नारायण त्रिपाठी जी की गरिमामयी उपस्थिति में अमदरा एवं मैहर से ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सांसद ने की कोलारस एवं बदरवास स्टेशन पर हरी झंडी दिखाकर ठहराव की शुरुआत

यात्री सुविधाओं में बढ़ोत्तरी करते हुए रेल मंत्रालय द्वारा ट्रेन संख्या 12198/12197 ग्वालियर–भोपाल–ग्वालियर इंटरसिटी एक्सप्रेस का पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल के अंतर्गत आने वाले कोलारस एवं बदरवास स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर दोनों दिशाओं में 6 मार्च 2023 से अगले छह माह के लिए प्रायोगिक ठहराव प्रदान किया गया है। सांसद गुना डॉ. कृष्ण पाल सिंह यादव दिनांक 6 मार्च, 2023 को ट्रेन संख्या 12198 ग्वालियर–भोपाल इंटरसिटी एक्सप्रेस के कोलारस एवं बदरवास स्टेशन पहुंचने पर स्वागत किया एवं हरी झंडी दिखाकर गंतव्य के लिए रवाना कर ट्रेन के ठहराव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक कोलारस श्री बीरेन्द्र रघुवंशी एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।



सांसद द्वारा संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव का शुभारंभ



रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा भोपाल मंडल के संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर ट्रेन संख्या 12969/12970 कोयम्बटूर-जयपुर-कोयम्बटूर एक्सप्रेस, 19303/19304 इंदौर-भोपाल-इंदौर एक्सप्रेस, 19339/19340 दाहोद-भोपाल-दाहोद एक्सप्रेस, 19343/19344 इंदौर-भण्डारकुण्ड/छिंदवाड़ा-इंदौर पँचवेली एक्सप्रेस तथा 22631/ 22632 मदुरै-बीकानेर-मदुरै अनुव्रत एक्सप्रेस के प्रायोगिक तौर पर छह माह के लिए ठहराव प्रदान किए गए हैं। सांसद भोपाल, साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर द्वारा दिनांक 11 मार्च, 2023 को ट्रेन संख्या 19340 भोपाल-दाहोद एक्सप्रेस के संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर पहुंचने पर स्वागत किया एवं ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर गंतव्य के लिए रवाना कर ट्रेनों के ठहराव का शुभारंभ किया गया।

कोटा मंडल परिक्षेत्र के सासंदों के साथ महाप्रबंधक की बैठक

कोटा रेल मंडल परिक्षेत्र के सांसदों के साथ पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक श्री सुधीर कुमार गुप्ता की एक महत्त्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उपस्थित सांसदों ने विगत वर्षों में यात्री सुविधाओं के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। बैठक में मंडल रेल प्रबंधक श्री मनीष तिवारी द्वारा मंडल पर चल रहे विकास कार्यों की जानकारी प्रदान की गई। बैठक में सांसद, झालावाड़ बारां श्री दुष्यंत सिंह, सांसद, भीलवाड़ा श्री सुभाष चंद्र बहेड़िया, सांसद, टोंक श्री सुखबीर सिंह जौनापुरिया, सांसद, मंदसौर श्री सुधीर गुप्ता एवं सांसद भरतपुर श्रीमती रंजीता कोली के प्रतिनिधि श्री युवराज सिंह, सांसद मथुरा श्रीमती हेमा मालिनी के प्रतिनिधि संजय गोविल, सांसद उज्जैन श्री अनिल फिरोजिया के प्रतिनिधि श्री महेंद्र गादिया, सांसद चितौड़गढ़, श्री सी. पी. जोशी के प्रतिनिधि श्री विकास शर्मा एवं सांसद, लोकसभा स्पीकर श्री ओम बिरला की तरफ से विधायक कोटा (दक्षिण) श्री संदीप शर्मा द्वारा रेल से संबंधित क्षेत्रीय मुद्दों से अवगत कराया गया। बैठक का संचालन उप महाप्रबंधक (सामान्य) श्री अनुराग पाण्डेय द्वारा किया गया। बैठक में मुख्यालय एवं मंडल के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।



रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने की पूर्व रेलवे और दक्षिण पूर्व रेलवे के प्रदर्शन की समीक्षा



समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों के साथ सवांद करते हुए रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अनिल कुमार लाहोटी

श्री अनिल कुमार लाहोटी, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड ने दिनांक 24 फरवरी, 2023 को कोलकाता में आयोजित एक बैठक में पूर्व रेलवे और दक्षिण पूर्व रेलवे के प्रदर्शन की समीक्षा की। बैठक में श्री अरुन अरोरा, महाप्रबंधक, पूर्व रेलवे और मेट्रो रेलवे, कोलकाता, सुश्री अर्चना जोशी, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे ने संबंधित क्षेत्रीय रेलवे के वर्तमान वित्तीय वर्ष के प्रदर्शन को दर्शाते हुए रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी को अपनी प्रस्तुति दी। श्री लाहोटी ने इंस्टीट्यूशन ऑफ परमानेंट वे इंजीनियर्स (इंडिया) के तत्वावधान में कोलकाता में आयोजित एक तकनीकी सेमिनार का भी उद्घाटन किया।

मिशन शत-प्रतिशत विद्युतीकरण

की दिशा में अग्रसर

भारतीय रेल



भारतीय रेल दुनिया की सबसे बड़ी हरित रेलवे बनने के लिए मिशन मोड में काम कर रही है। यह 2030 से पहले नेट शून्य कार्बन उत्सर्जक बनने की ओर अग्रसर है। अभी हाल ही में उत्तर प्रदेश में रेलवे का विद्युतीकरण पूरा होने के बाद भारतीय रेल ने एक और महत्त्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है। भारतीय रेल ने उत्तराखंड में भी विद्युतीकरण कार्य पूरा कर लिया है।

उत्तराखंड का मौजूदा ब्रॉड गेज नेटवर्क 347 रूट किमी है, जिसका शत-प्रतिशत विद्युतीकरण हो गया है। इसके परिणामस्वरूप ढुलाई की लागत लगभग 2.5 गुणा कम हो गई है। इसके अलावा ढुलाई क्षमता में बढ़ोत्तरी, बढ़ी हुई अनुभागीय क्षमता, विद्युत लोको के परिचालन और रखरखाव लागत में कमी, आयातित कच्चे तेल पर कम निर्भरता से ऊर्जा कुशल और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन साधन के कारण विदेशी मुद्रा की बचत हुई है।

उत्तराखंड राज्य का क्षेत्र उत्तर और उत्तर पूर्व रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। उत्तराखंड के कुछ प्रमुख रेलवे स्टेशन-देहरादून, हरिद्वार, रुड़की, ऋषिकेश, काठगोदाम, टनकपुर हैं। इनमें से कुछ का धार्मिक महत्त्व है तो कुछ पर्यटकों के आकर्षण के स्थल हैं। बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री, हेमकुंड साहिब, मसूरी, नैनीताल, जिम कॉर्बेट और हरिद्वार ऐसे ही कुछ नाम हैं। काठगोदाम स्टेशन लगभग 7 लाख यात्रियों के वार्षिक आगमन के कारण एक महत्त्वपूर्ण स्टेशन है, जो उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में प्रवेश के लिए एक समापन स्टेशन के रूप



में एक कार्य करता है। इस स्टेशन पर पहली ट्रेन 24 अप्रैल, 1884 को पहुंची थी। उत्तराखंड राज्य की कुछ प्रतिष्ठित ट्रेनें इस प्रकार हैं: नंदा देवी, हरिद्वार एक्सप्रेस, मसूरी एक्सप्रेस, उत्कल एक्सप्रेस, कुमाऊं एक्सप्रेस, दून एक्सप्रेस और शताब्दी एक्सप्रेस। ये रेलगाड़ियां राज्य के विभिन्न हिस्सों और भारत के अन्य प्रमुख शहरों से सुविधाजनक कनेक्टिविटी उपलब्ध कराती हैं, जिससे राज्य के पर्यटन व्यवसाय को बहुत मदद मिलती है।

इसके अलावा ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक एक नई लाइन का कार्य निर्माणाधीन है, जो भारतीय रेल की एक और ऐतिहासिक उपलब्धि होगी। इससे चार धाम तीर्थ यात्रा मार्ग भारतीय रेल की सर्किट में आ जाएगा। रेलवे की शत-प्रतिशत विद्युतीकृत नेटवर्क की नीति के अनुरूप इस रेल मार्ग को विद्युतीकरण के साथ मंजूरी दी गई है।

अब मेघालय में भी चलेंगी इलेक्ट्रिक रेलगाड़ियाँ

भारतीय रेल वर्ष 2030 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जक बनने के लिए पूरी शक्ति के साथ प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने पूर्ण विद्युतीकरण का लक्ष्य हासिल करने के प्रयास में 15 मार्च, 2023 को दुधनोई-मेंदीपाथर (22.823 किमी ट्रैक) सिंगल लाइन सेक्शन और अभयपुरी-पंचरत्न (34.59 किमी ट्रैक) डबल लाइन खंड को क्रियान्वित करके एक और महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इन खंडों में विद्युतीकरण पूरा करने का कार्य रेलवे विद्युतीकरण के लिए केंद्रीय संगठन (कोर) ने किया है।

मेंदीपाथर पूर्वोत्तर भारत के राज्य मेघालय का एकमात्र ऐसा रेलवे स्टेशन है, जो भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन किए जाने के बाद वर्ष 2014 से परिचालन में है। विद्युत कर्षण के प्रारंभ होने के बाद इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव द्वारा खींची जाने वाली रेलगाड़ियां अब मेघालय के मेंदीपाथर से सीधे संचालित हो सकेंगी। इस महत्त्वपूर्ण सफलता से रेलगाड़ियों की औसत गति में भी वृद्धि होगी। अब अधिक यात्री और माल ढुलाई वाली ट्रेनें इन खंडों के विद्युतीकरण होने के बाद अपने खंड संबंधी पूर्ण निर्धारित गति से संचालित हो सकेंगी। इससे खंड के रेल संचालन में समय की पाबंदी भी बढ़ेगी। दूसरे राज्यों से इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव द्वारा खींची जाने वाली पार्सल और माल ढुलाई वाली रेलगाड़ियां सीधे मेघालय पहुंच सकेंगी। विद्युतीकरण पूर्ण होने से पूर्वोत्तर भारत में रेलगाड़ियों के संचालन में काफी सुधार होगा। जीवाश्म ईंधन से चलने वाले इंजन से विद्युत चालित इंजन की ओर जाने से प्रदूषण में कमी के अलावा इस क्षेत्र में रेलवे प्रणाली की दक्षता में भी सुधार होगा। इससे निर्बाध यातायात की सुविधा होगी और कीमती विदेशी मुद्रा की बचत के अलावा पूर्वोत्तर राज्यों से आने-जाने वाली रेलगाड़ियों के समय की भी बचत होगी।

100 प्रतिशत विद्युतीकृत हुआ छत्तीसगढ़ का ब्रॉड गेज नेटवर्क



2030 तक शून्य कार्बन उत्सर्जक का लक्ष्य हासिल करने के क्रम में, भारतीय रेल ने छत्तीसगढ़ में ब्रॉड गेज के मौजूदा नेटवर्क का 100 प्रतिशत विद्युतीकरण कर दिया है। 1,170 किमी रूट के विद्युतीकरण के परिणाम स्वरूप लाइन हॉल लागत घटने (लगभग 2.5 गुनी कम), भारी हॉलेज क्षमता, सेक्शनल क्षमता बढ़ने, इलेक्ट्रिक लोको की परिचालन और रख-रखाव लागत घटने, ऊर्जा दक्षता और आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता घटने से पर्यावरण अनुकूल परिवहन माध्यम बनने से विदेशी मुद्रा की बचत हो रही है। इसके अलावा, रेलवे की 100 प्रतिशत विद्युतीकृत नेटवर्क की नीति के क्रम में अब विद्युतीकरण के साथ ही नए ब्रॉड गेज नेटवर्क को मंजूरी दी जाएगी। छत्तीसगढ़ राज्य का क्षेत्र साउथ ईस्ट सेंट्रल और ईस्ट कोस्ट रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग और कोरबा आदि छत्तीसगढ़ के कुछ प्रमुख रेलवे स्टेशन हैं। बिलासपुर छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन है और मुंबई-हावड़ा मुख्य लाइन पर स्थित है। यह एक महत्त्वपूर्ण जंक्शन है और मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे प्रमुख शहरों को जोड़ता है। छत्तीसगढ़ राज्य में देश में सबसे अधिक माल ढुलाई होती है और यहां से रेलवे को अधिक राजस्व प्राप्त होता है। रेल नेटवर्क छत्तीसगढ़ से देश के अन्य हिस्सों में खनिजों, कृषि उत्पादों और अन्य सामानों के परिवहन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। छत्तीसगढ़ राज्य की कुछ प्रतिष्ठित ट्रेनें हैं: दुर्ग-जगदलपुर एक्सप्रेस, छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस, समता एक्सप्रेस, कलिंग उत्कल एक्सप्रेस। ये ट्रेनें राज्य के विभिन्न हिस्सों और भारत के अन्य प्रमुख शहरों के लिए सुविधाजनक संपर्क प्रदान करती हैं।

ओडिशा में ब्रॉडगेज नेटर्वक का हुआ 100 प्रतिशत विद्युतीकरण

वर्ष 2030 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जक अर्जित करने का लक्ष्य निर्धारित करने की तर्ज पर भारतीय रेल ने ओडिशा के विद्यमान बड़ी लाइन नेटवर्क के 100 प्रतिशत विद्युतीकरण को पूरा कर लिया है। ओडिशा का विद्यमान बड़ी लाइन नेटवर्क 2,822 रूट किमी है जो अब 100 प्रतिशत विद्युतीकृत है और इसकी वजह से लाइन खींचने की (हाउल) लागत में (लगभग 2.5 गुना कमी) गिरावट आएगी, हाउलेज क्षमता भारी होगी, सेक्शनल क्षमता में बढ़ोतरी होगी, इलेक्ट्रिक लोको के प्रचालन और रखरखाव की लागत कम हो जाएगी, आयातित कच्चे तेल पर कम निर्भरता के साथ परिवहन के ऊर्जा सक्षम और पर्यावरण अनुकूल साधन का निर्माण होगा और विदेशी मुद्रा की बचत होगी। इसके अतिरिक्त रेलवे की 100 प्रतिशत



विद्युतीकृत नेटवर्क की नीति की तर्ज पर विद्युतीकरण के साथ साथ बड़ी लाइन के नए नेटवर्क को भी मंजूरी दी जाएगी।

ओडिशा राज्य का भूभाग पूर्वी तट, दक्षिणी पूर्वी एवं दक्षिणी पूर्वी मध्य रेलवे के अधिकार क्षेत्र में पडता है। ओडिशा के कुछ मुख्य रेलवे स्टेशन हैं : भुवनेश्वर, कटक, पुरी, संबलपुर, भद्रक, राउरकेला तथा झारसुगुडा। रेल नेटवर्क ओडिशा से देश के दूसरे हिस्सों में खनिज अवयवों, कृषि उत्पादों एवं अन्य वस्तुओं के परिवहन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

ओडिशा में पहली रेलवे लाइन 1897 में कटक-खुरदा रोड-पुरी के बीच बनाई गई थी। ओडिशा राज्य की कुछ प्रतिष्ठित रेलगाड़ियां हैं : हावड़ा-पुरी एक्सप्रेस, कोणार्क एक्सप्रेस, कोरोमंडल एक्सप्रेस, हीराकुंड एक्सप्रेस, विशाखा एक्सप्रेस और भुवनेश्वर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस। ये रेलगाड़ियां राज्य के विभिन्न हिस्सों और भारत के अन्य प्रमुख शहरों के लिए सुविधाजनक कनेक्टविटी प्रदान करती हैं।

भारतीय रेल ने विद्युत क्षेत्र द्वारा रेक की अनुमानित मांग पूरी करने हेतु कोयला परिवहन को दी प्राथमिकता



भारतीय रेल द्वारा कोयले की ढुलाई चालू वित्त वर्ष (फरवरी तक) के दौरान टन भार और एनटीकेएम के संदर्भ में 11.92 प्रतिशत और 24.51 प्रतिशत बढ़ी है। चालू वित्त वर्ष (अप्रैल-फरवरी) में विभिन्न स्रोतों से विद्युत क्षेत्र के लिए रेकों का लदान पिछले वर्ष के 344 रेक प्रतिदिन की तुलना में 408 रेक प्रतिदिन है, यानी 64 रेक प्रतिदिन की वृद्धि। फरवरी 2022 में 399 रेक प्रतिदिन की तुलना में फरवरी 2023 के महीने में विद्युत गृहों के लिए प्रतिदिन 426.3 रेक लदान किया गया यानी 27.3 रेक की वृद्धि हुई है। आगामी वित्त वर्ष में विद्युत क्षेत्र द्वारा रेकों की अनुमानित मांग को पूरा करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:-

- कोयला ले जाने वाली वैगनों का अपेक्षाकृत समावेश-अप्रैल 2022 से जनवरी 2023 के दौरान 7,692 बीओएक्सएनएचएल और 1,052 बीओबीआरएन वैगनों को शामिल किया गया है। लगभग 32,534 बीओएक्सएनएचएल और 2,450 बीओबीआरएन वैगनों के मांगपत्र लंबित हैं।
- चालू वित्त वर्ष के दौरान फरवरी 2023 के अंत तक भारतीय रेल के बेड़े में 1,018 माल ढुलाई करने वाले इंजन शामिल किए गए हैं। इंजनों की संख्या में यह बढ़ोतरी जारी रहने की उम्मीद है।
- 2022-23 के दौरान 4,500 किमी लंबी नई रेल पटरियों, जिनमें से अधिकांश कोयला की ढुलाई वाले रेलमार्गों पर स्थित हैं, पर आवागमन शुरू होने की उम्मीद है। इससे कोयला ले जाने वाले रेक के मामले में आमूलचूल बदलाव और बेहतर होगा।
- अगले कुछ वर्षों में बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए लगभग 100 से अधिक परियोजनाओं में ₹1,00,000 करोड़ के नियोजित निवेश के साथ ऊर्जा गलियारे की व्यापक योजना बनाई गई है।

भारतीय रेल ने फरवरी 2023 में 124.03 एमटी माल ढोकर कायम किया सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड



भारतीय रेल ने फरवरी 2023 में 124.03 एमटी माल ढोकर फरवरी माह में अब तक का सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड कायम किया है। इस वर्ष फरवरी में 4.26 एमटी अधिक माल ढोया गया, जो फरवरी 2022 में हुई सर्वाधिक माल ढुलाई की तुलना में 3.55 प्रतिशत अधिक है।

इसी तरह भारतीय रेल ने लगातार 30 महीने में अब तक की सर्वश्रेष्ठ मासिक माल ढुलाई की है। भारतीय रेल ने कोयले में 3.18 मिलियन टन, उर्वरकों में 0.94 मिलियन टन, अन्य वस्तुओं के बकाये में 0.66 मिलियन टन, पीओएल में 0.28 मिलियन टन और कंटेनर में 0.27 मिलियन टन की क्रमिक वृद्धि वाली माल ढुलाई दर्ज की है।

वित्त वर्ष 2022-23 में मोटर वाहन लोडिंग में वृद्धि माल ढुलाई व्यवसाय का एक और उल्लेखनीय पक्ष रहा है और वित्त वर्ष 2022-23 में फरवरी तक 5,015 रेक लोड किए गए हैं, जबकि पिछले साल की इसी अवधि के दौरान 2,966 रेक लोड किए गए थे यानी इसमें 69 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। अप्रैल 2022 से फरवरी 2023 तक संचयी माल लदान 1,367.49 मीट्रिक टन रहा है, जबकि 2021-22 1,278.84 एमटी माल ढुलाई हुई। इस तरह पिछले वर्ष की तुलना में 6.93 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए क्रमिक रूप से 88.65 एमटी माल ढुलाई में वृद्धि हुई।

फरवरी 2023 में में माल भाड़ा एनटीकेएम (निवल टन किमी) बढ़कर ₹73 अरब हो गया है, जो फरवरी 2022 के ₹70 अरब की तुलना में 4.28 प्रतिशत अधिक है। अप्रैल 2022 से फरवरी 2023 के दौरान संचयी मालभाड़ा एनटीकेएम पिछले वर्ष के ₹74 अरब की तुलना में इस बार 10.81 प्रतिशत की वृद्धि के साथ ₹82 अरब रहा।

विद्युत और कोयला मंत्रालयों के सतत प्रयासों के माध्यम से भारतीय रेल ने बिजली घरों को कोयले की आपूर्ति बढ़ाने के लिए फरवरी माह में माल ढुलाई निष्पादन की प्रमुख विशेषताओं में से एक रहे हैं। बिजली में कोयले (घरेलू और आयातित, दोनों) की लोडिंग जनवरी में 3.39 मिलियन टन बढ़ी, जिसमें 45.63 मीट्रिक टन कोयले को बिजली घरों में स्थानांतरित किया गया, जबकि पिछले साल यह 42.24 मिलियन टन था, यानी 8.02% की वृद्धि हुई। संचयी रूप से, वर्ष के पहले ग्यारह महीनों में, भारतीय रेल ने पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में बिजली घरों को 79.69 मिलियन टन से अधिक अतिरिक्त कोयला लोड किया है, जिसमें 15.44% से अधिक की वृद्धि हुई है।

जिन्स वार वृद्धि के आंकड़े बताते हैं कि भारतीय रेल ने निम्नलिखित विकास दरों के साथ लगभग सभी जिंसों की ढुलाई में वृद्धि दर्ज की है:

वस्तु/मद	अंतर (एमटी में)	अंतर (प्रतिशत में)
कोयला	3.18	5.70%
उर्वरक	0.94	25%
अन्य माल का बकाया	0.66	6.51%
पीओएल	0.28	7.77%
कंटेनर	0.27	4.32%

भारतीय रेल करेगी अगले 20 वर्षों के लिए 80,000 पहिए प्रति वर्ष विनिर्माण क्षमता वाले फोर्ज्ड व्हील संयंत्र की स्थापना



रोलिंग स्टॉक के लिए फोर्ज्ड पहियों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए भारतीय रेल ने देश में अगले 20 वर्षों के लिए प्रति वर्ष 80,000 पहियों की सुनिश्चित आपूर्ति वाले एक विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने हेतु एक निविदा जारी की है ताकि पहियों की आवश्यकता को घरेलू स्रोतों से पूरा किया जा सके। यह आयात की जगह 'मेक इन इंडिया' पहल की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

बोली प्रक्रिया बहुत पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी थी। निविदा 24 जनवरी, 2023 को खोली गई थी। निम्नलिखित फर्मों नामत: मैसर्स स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), मैसर्स भारत फोर्ज, पुणे और मैसर्स रामकृष्ण फोर्जिंग्स, कोलकाता से तीन बोलियां प्राप्त हुई हैं। मूल्य बोली 14 मार्च, 2023 को खोली गई। मैसर्स रामकृष्ण फोर्जिंग्स लिमिटेड, कोलकाता एल-1 रही। मैसर्स भारत फोर्ज, पुणे एल-2 और सेल एल-3 पर रही। सफल बोलीदाता कार्य आदेश दिए जाने की तारीख से 36 महीने के भीतर विनिर्माण सुविधा स्थापित करेगा और विभिन्न प्रकार के पहियों की आपूर्ति 80,000 प्रति वर्ष की दर से करेगा। सीखने की अवस्था और पहियों के उत्पादन लागत को ध्यान में रखते हुए लागू मूल्य 3 साल तक हर साल 2% कम हो जाएगा और चौथे वर्ष के बाद, लागू मूल्य उद्धृत मूल्य का 94% होगा जो 20 वर्ष की शेष अवधि के लिए मान्य है। तिमाही आधार पर मूल्य के लिए पूर्व-निर्धारित मूल्य परिवर्तन खंड लागू होता है।

क्र.सं.	कंपनी	रु. प्रति टन
1	मैसर्स रामकृष्ण फोर्जिंग्स लिमिटेड, कोलकाता	1,88,100
2	मैसर्स भारत फोर्ज, पुणे	2,75,000
3	मैसर्स स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड	2,89,500

इस समय सेल ₹1,87,000 प्रति टन की औसत दर से आपूर्ति कर रही है। सेल की मौजूदा घरेलू क्षमता 40,000 पहियों की है और आरआईएनएल की क्षमता 80,000 पहियों की है (संयंत्र से नियमित वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होना बाकी है)। इस तरह कुल उत्पादन क्षमता 1.20 लाख पहियों की है।

भारतीय रेल 1960 के दशक से ब्रिटेन, चेक गणराज्य, ब्राजील, रोमानिया, जापान, चीन, यूक्रेन और रूस से लोकोमोटिव और कोचिंग स्टॉक (एलएचबी) के लिए आवश्यक विभिन्न प्रकार के फोर्ज्ड पहियों का आयात कर रहा है। इस वर्ष (2022-23) में, लगभग 520 करोड़ मूल्य के 80,000 पहिए चीन और रूस से आयात किए गए, शेष 40,000 सेल से प्राप्त किए गए। मौजूदा समय में रूस-यूक्रेन संकट के चलते पहियों के आयात की सारी जरूरत चीन से पूरी की जा रही है। अधिक से अधिक हाई स्पीड ट्रेनों को शामिल करने के कारण 2026 तक पहियों की आवश्यकता 2 लाख तक बढ़ने का अनुमान है।

उपलब्धियाँ


मोटरवाहन
लदान
शीघ्र, किफायती तथा सुरक्षित प्रेषण
1 अप्रैल 2022 से 31 जनवरी 2023
2,675 रेक
4,554 रेक
वित्तीय वर्ष 2021-22
वित्तीय वर्ष 2022-23


प्रवर्धित
कोयला लदान
स्वदेशी कोयला लदान
आयातित कोयला लदान
505.96
546.28 मिलियन टन
82.88
112.39 मिलियन टन


यात्रियों की संख्या
में बढ़ोत्तरी
5858.39 मिलियन
91.23% बढ़ोत्तरी
3063.52 मिलियन
वित्तीय वर्ष 2021-22
वित्तीय वर्ष 2022-23


यात्री अनुभाग में
रेलवे की राजस्व आय
₹57262.61 करोड़
₹33944.39 करोड़
68.70%
1 अप्रैल 2022 से 28 फरवरी 2023


MISSION 100% ELECTRIFICATION
पर्यावरण संवर्धन की
ओर तेजी से बढ़ते हुए कदम
वर्तमान ब्रॉड गेज रेल नेटवर्क
मध्य रेलवे का 100%
विद्युतीकरण


MISSION 100%
पर्यावरण संवर्धन की
ओर तेजी से बढ़ते हुए कदम
वर्तमान ब्रॉड गेज रेलवे नेटवर्क
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का 100%
विद्युतीकरण









रेल पर्यटन व साहित्य को एक साथ संजोए

रेल मंत्रालय द्वारा विगत 60 वर्षों से भी अधिक समय से प्रकाशित मासिक पत्रिकाओं

की सदस्यता अब
ऑनलाइन
भी उपलब्ध



भारतीय रेल
(हिन्दी)

विज़िट करें

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home



Indian Railways
(English)

वरें एवं शर्तें लागू

आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के बीच बढ़ी कनेक्टिविटी
धर्मवरम-गूटी दोहरीकरण और विद्युतीकरण परियोजना (90 किमी)



परियोजना लागत: **₹998.380 करोड़**
स्थिति: **पूरी तरह से तैयार**

यह महत्त्वपूर्ण परियोजना बेंगलुरू और उसके आगे ट्रेनों की तेज और सुगम आवाजाही को सक्षम बनाएगी।

अहमदाबाद-महेसाणा (64.27 किमी) गेज परिवर्तन परियोजना



परियोजना लागत: **₹620 करोड़**
स्थिति: **100% पूर्ण और कार्यात्मक**

यह परियोजना ट्रेन परिचालन को सुव्यवस्थित करेगी, अहमदाबाद और महेसाणा के बीच यात्रा के समय को कम करेगी और प्रमुख अहमदाबाद–दिल्ली मार्ग पर माल ढुलाई क्षमता बढ़ाएगी।





बुलेट ट्रेन परियोजना की प्रगति

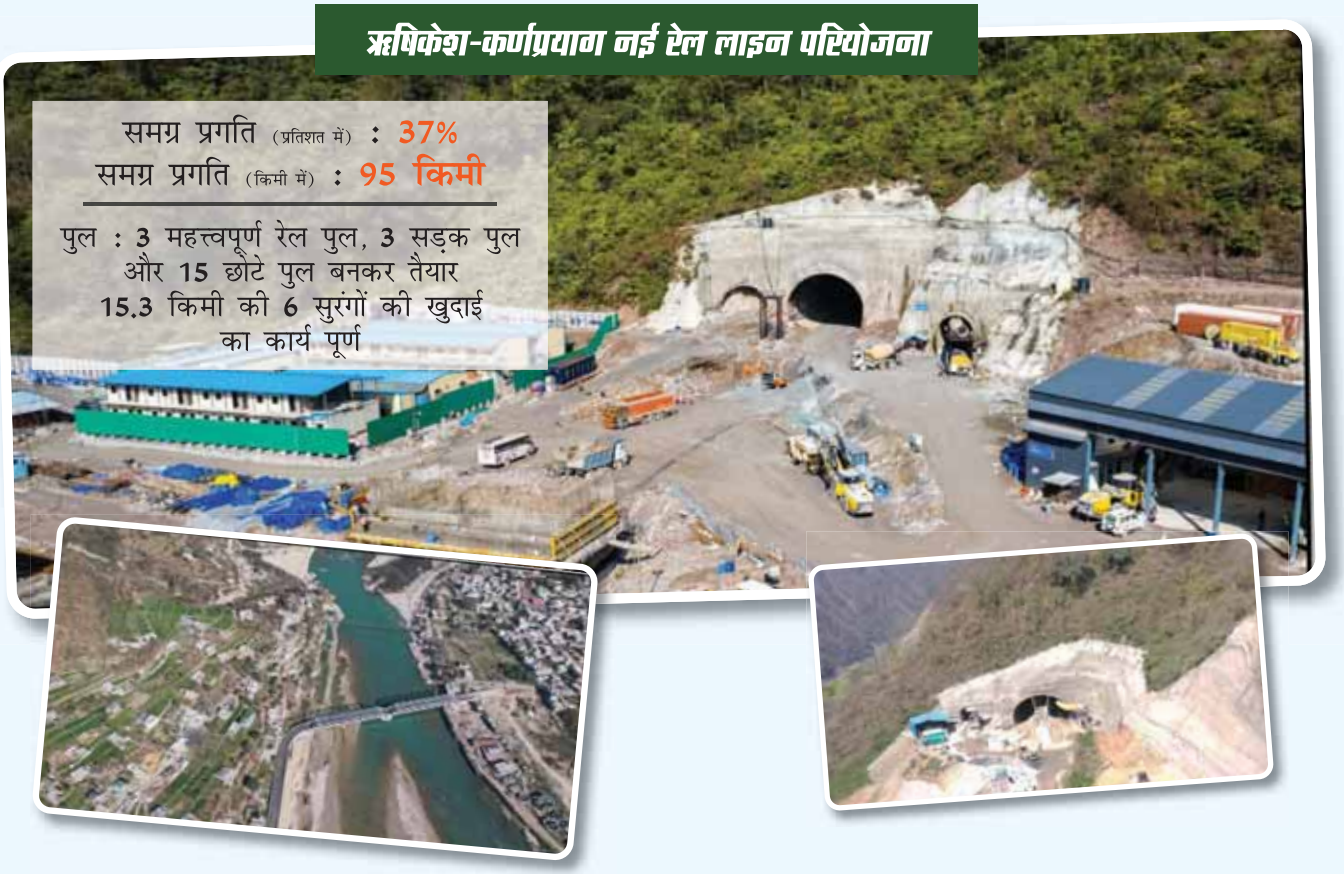


गुजरात
समग्र कार्य : **32.93%**
सिविल वर्क्स : **54.74%**

महाराष्ट्र
समग्र कार्य : **13.72%**

पाइलिंग कार्य : **257.06 किमी**
पीयर कार्य : **155.48 किमी**
37.64 किमी गर्डर बिछा दिए गए हैं
8003 वृक्ष लगाए गए हैं
83,600 पौधे रोपे गए हैं

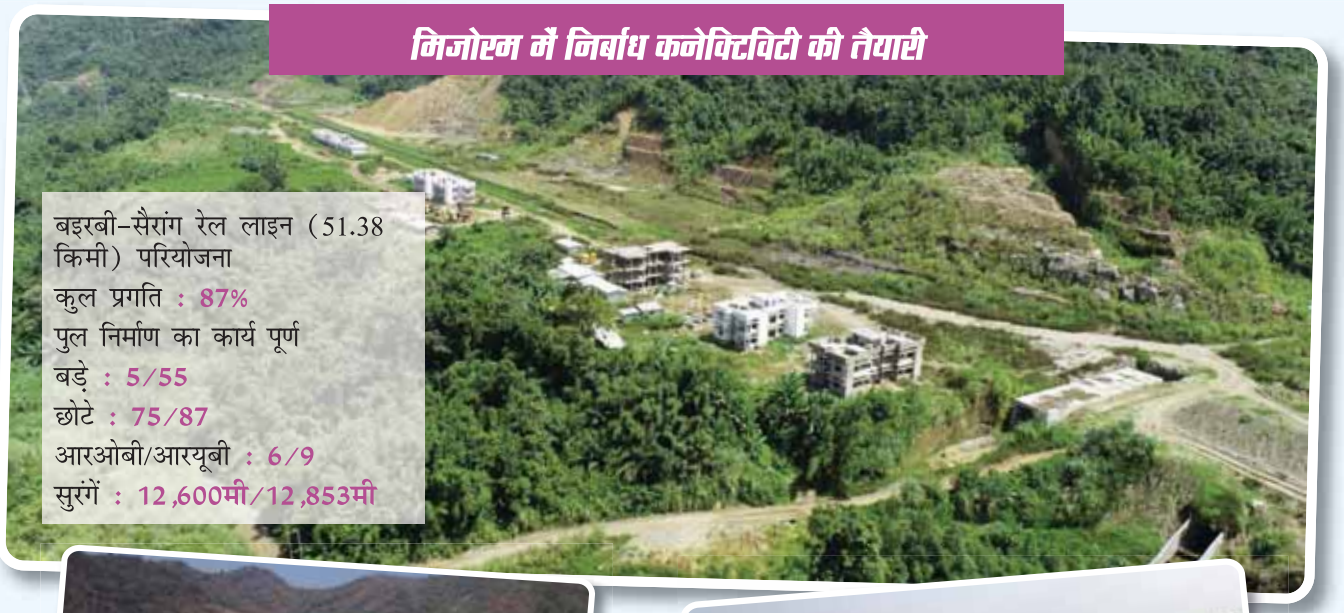
ऋषिकेश-कर्णप्रयाग नई रेल लाइन परियोजना



समग्र प्रगति (प्रतिशत में) : **37%**
समग्र प्रगति (किमी में) : **95 किमी**

पुल : 3 महत्त्वपूर्ण रेल पुल, 3 सड़क पुल और 15 छोटे पुल बनकर तैयार
15.3 किमी की 6 सुरंगों की खुदाई का कार्य पूर्ण

मिजोरम में निर्बाध कनेक्टिविटी की तैयारी



बइरबी–सैरांग रेल लाइन (51.38 किमी) परियोजना
कुल प्रगति : 87%
पुल निर्माण का कार्य पूर्ण
बड़े : 5/55
छोटे : 75/87
आरओबी/आरयूबी : 6/9
सुरंगें : 12,600मी/12,853मी





मनमाड-मुदखेड़-धोन विद्युतीकरण परियोजना (783 रूट किमी)



निजामाबाद–कामरेड्डी से जानकमपेट–बेसर खंड का सफलतापूर्वक विद्युतीकरण हो चुका है। परियोजना के 391 रूट किमी का कार्य पूरा हो गया है। इस परियोजना से तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र को लाभ होगा।





नवनिर्मित रेल सह सड़क पुल



गंगा नदी पर नवनिर्मित रेल-सह सड़क पुल उत्तर प्रदेश के गाजीपुर और तारीघाट शहरों को जोड़ता है।

लंबाई : **1.02 किमी**

2 रेल ट्रैक और **2 रोड लेन**

परियोजना लागत : **₹600 करोड़**

पुराने कोच से नए डाइनिंग तक का सफर



भारतीय रेल के मौजूदा खान-पान स्थलों का विस्तार करते हुए सिलीगुड़ी जंक्शन पर लजीज और स्वादिष्ट भोजन के साथ नए रेल कोच रेस्तरां का शुभारंभ किया गया है।





भारतीय
पत्रिका की ऑनलाइन सदस्यता

STEP 1

ऑनलाइन सदस्यता हेतु **www.irctc.co.in** पर जाएं।

इस पेज के **विज्ञापन** (Promotions) पर जाएं।

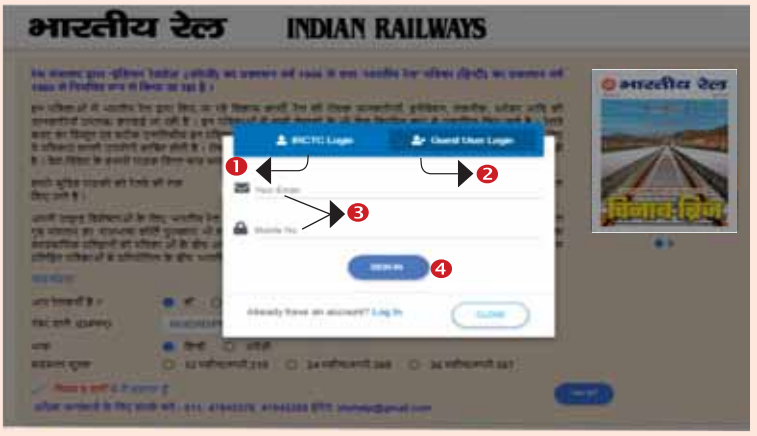
आप सीधे
www.irctctourism.com/ IRBRmag/#/home/hn
पर भी जा सकते हैं।



❸ **'भारतीय रेल पत्रिका'** पर क्लिक करें।

STEP 3

❶ इस बॉक्स में यदि आप के पास आईआरसीटीसी का लॉग-इन, पासवर्ड है तो उसका उपयोग करें।

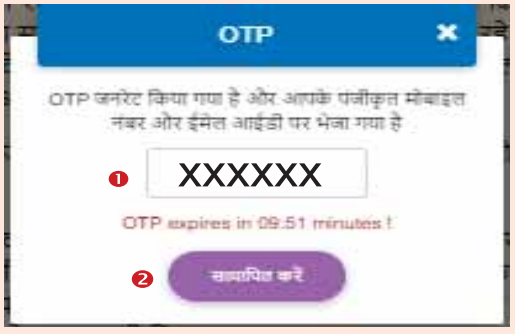


❷ लॉग-इन आईडी नहीं है तो गेस्ट लॉग-इन पर क्लिक करें।

❸ उसमें अपना ई-मेल तथा मोबाइल नंबर दर्ज करें।

❹ सबमिट बटन दबाएँ।

STEP 5



❶ आपके पंजीकृत मोबाइल एवं ई-मेल पर आए ओटीपी को बॉक्स में दर्ज करें एवं

❷ सत्यापित करें

STEP 6



❶ पेमेंट मोड (कार्ड, नेट बैंकिंग, यूपीआई, वॉलेट, इंटरनेशनल कार्ड तथा आईपे) एवं

❷ पेमेंट गेट-वे का ऑप्शन पसंद करें

❸ मेक पेमेंट का बटन दबाएं

रेल
प्राप्त करने की सरल प्रक्रिया

STEP 2

❶ यदि आप रेलकर्मी हैं तो 'हां' पर या रेलकर्मी नहीं हैं तो 'नहीं' पर क्लिक करें।

❷ यदी 'हां' तो बॉक्स में अपना आरयूआईडी/ आईडी/पीपीओ नंबर तथा एक आधिकारिक आईडी की स्कैन कॉपी अपलोड करें।

❸ 'भारतीय रेल' पत्रिका के लिए 'हिंदी' को और 'इंडियन रेलवेज' पत्रिका के लिए 'अंग्रेजी' में क्लिक करें।

❹ एक, दो या तीन यानि जितने साल की सदस्यता चाहते हैं, उस बिन्दु पर क्लिक करें।



❺ नियम व शर्तों पर क्लिक करें तथा उसे ध्यान से पढ़ लें। यदि सहमत हों तो बॉक्स में टिक मार्क करें।

सबमिट (जमा) का बटन दबाएं।

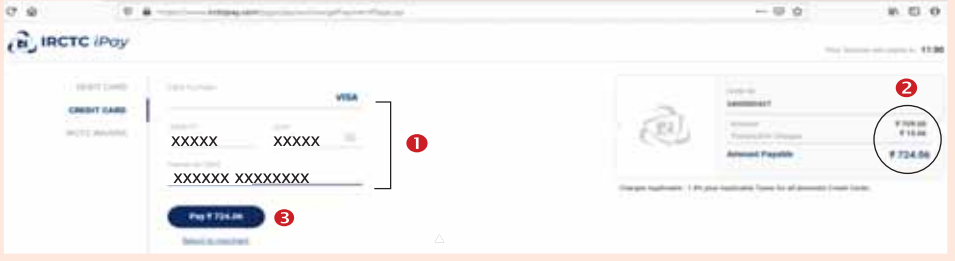
STEP 4

❶ अपना पूरा पता पिन कोड के साथ दर्ज करें



❷ सबमिट बटन दबाएँ।

STEP 7



❶ पेमेंट मोड की डीटेल भरें ❷ पेमेंट एमाउंट की जानकारी देखें।

❸ संतुष्ट होने पर ही 'पे' बटन को दबाएं।

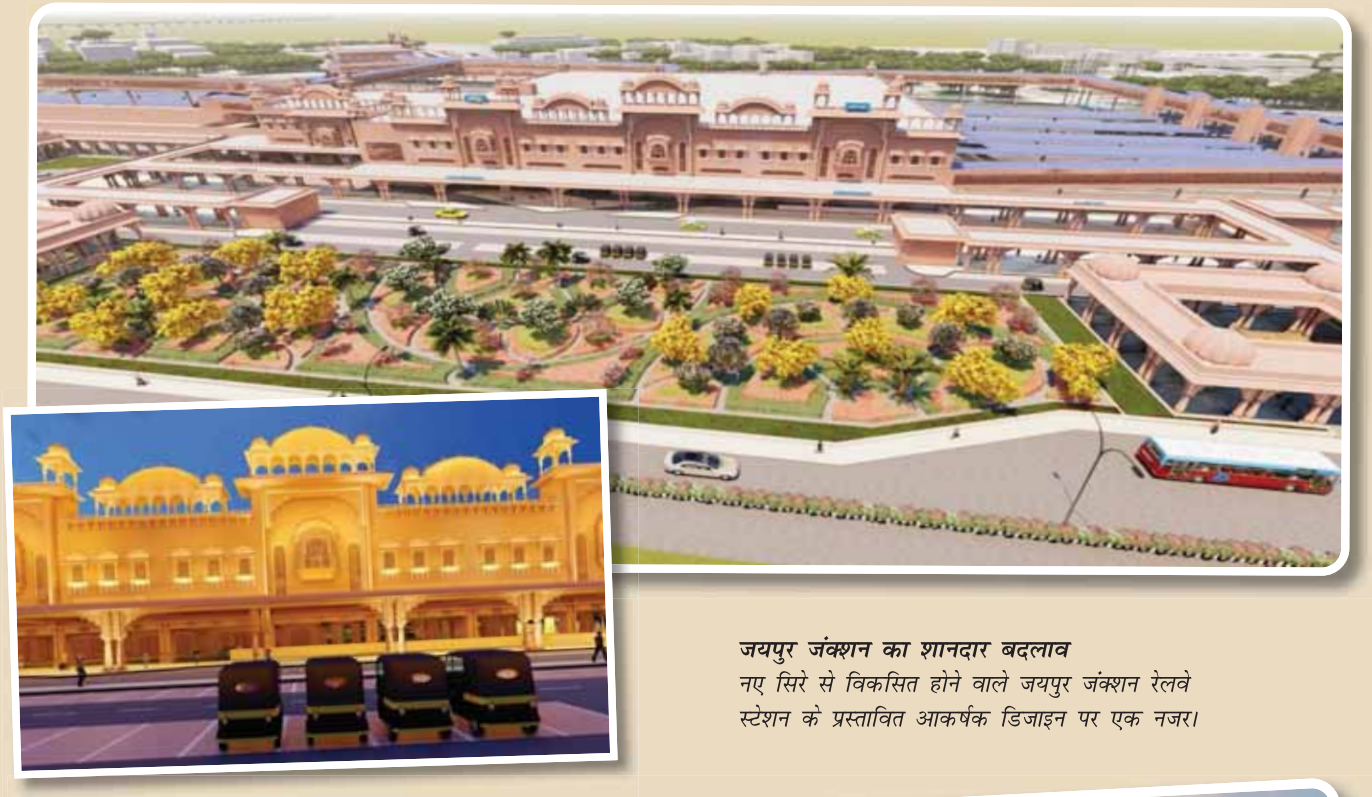
➲ बैंक ओटीपी की प्रक्रिया पूर्ण होने पर पेमेंट सक्सेस फुल का मैसेज स्क्रीन पर दिखाई देगा।

कृपया ध्यान दें

- पेमेंट के समय नियमानुसार ट्रांजेक्शन शुल्क लगते हैं, कृपया पेमेंट करते समय देख लें।
- पेमेंट की प्रक्रिया पूर्ण होने पर आपको सदस्यता संबंधित जानकारी का एस.एम.एस. तथा मेल प्राप्त होगा।
- पेमेंट प्राप्त होते ही निर्धारित माह से आपको पत्रिका प्राप्त होनी शुरू हो जाएगी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - 011- 47845378, 47845380 ईमेल: irbrhelp@gmail.com

पुनर्विकसित होने वाले रेलवे स्टेशनों के प्रस्तावित डिजाइन



जयपुर जंक्शन का शानदार बदलाव

नए सिरे से विकसित होने वाले जयपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन के प्रस्तावित आकर्षक डिजाइन पर एक नजर।



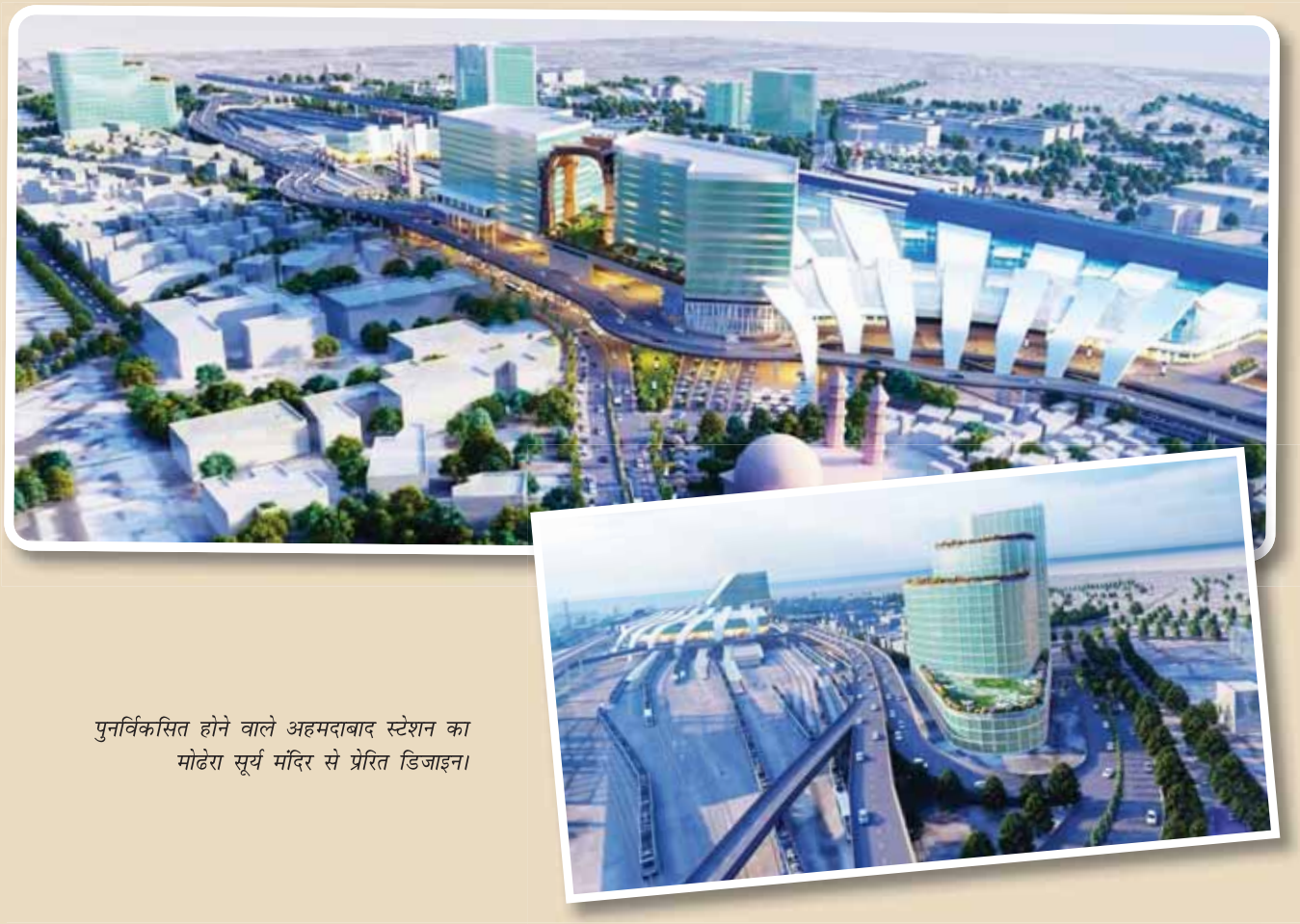
पुनर्विकसित होने वाले तिरुवनंतपुरम रेलवे स्टेशन का प्रस्तावित डिजाइन



पुनर्विकसित किए जाने वाले जम्मू तवी रेलवे स्टेशन का प्रस्तावित डिजाइन।



कन्याकुमारी रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए प्रस्तावित डिजाइन



पुनर्विकसित होने वाले अहमदाबाद स्टेशन का मोढेरा सूर्य मंदिर से प्रेरित डिजाइन।



पुनर्विकसित किए जाने वाले बेंगलुरु छावनी रेलवे स्टेशन के प्रस्तावित डिजाइन की एक झलक।



पुनर्विकसित होसपेटे रेलवे स्टेशन जो यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं प्रदान करेगा। इसे हम्पी स्मारकों के अनुरूप डिजाइन किया गया है



तमिलनाडु के ऐतिहासिक वेल्लोर किले और श्रीपुरम स्वर्ण मंदिर स्थापत्य जैसे प्रमुख स्थलों के निकट चेन्नई-बेंगलुरु कॉरिडोर पर स्थित काटपाडी जंक्शन का पुनर्विकास।
पूर्ण कार्य : मृदा जांच, स्थलाकृतिक और यातायात सर्वेक्षण
लागत : ₹329 करोड़

भारतीय रेल में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस



वंदे भारत ट्रेन के निर्माण कार्य मे शामिल आईसीएफ महिला कर्मियों का उत्साहवर्धन करते रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

नए भारत की नारी शक्ति



नारी शक्ति द्वारा संचालित-वंदे भारत
वंदे भारत एक्सप्रेस की पहली महिला लोको पायलट श्रीमती सुरेखा यादव।





संपूर्ण महिला संचालित गाँधीनगर जयपुर रेलवे स्टेशन की टीम के साथ रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश

'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' पर बेंगलुरु-मैसूर राज्य रानी एक्सप्रेस को पूरी तरह से महिला चालक दल द्वारा संचालित किया गया





'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' पर पूर्वोत्तर सीमा रेल के कटिहार मंडल द्वारा कटिहार से तेजनारायणपुर तक पूर्ण रूप से महिलाओं द्वारा संचालित डेमू स्पेशल ट्रेन चलाई गई

मुख्य टिकट निरीक्षक श्रीमती रोसालिन अरोकिया मैरी अपने कर्तव्यों के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता दिखाते हुए अनियमित/बिना टिकट वाले यात्रियों से ₹1.03 करोड़ का जुर्माना वसूलने वाली भारतीय रेल के टिकट चेकिंग स्टाफ की पहली महिला बनीं।



अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रेलवे बोर्ड में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन



अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश को स्मृति चिन्ह भेंट करती हुई महिलाकर्मी। इस दौरान सुश्री अंजलि गोयल, सदस्य वित्त और सुश्री जया वर्मा सिन्हा, सदस्य (ओएंडबीडी) भी उपस्थित रहीं



रेल भवन में महिला कवि सम्मेलन का आयोजन

नारी मान है, नारी सम्मान है,
नारी शक्ति है, नारी अभिमान है।
'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' के उपलक्ष्य में रेल भवन में कविता पाठ, गज़ल एवं शे'र-ओ-शायरी से संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें महिला कर्मचारियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

रेलवे बोर्ड में किया गया 'वॉकथॉन' का आयोजन

'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' के उत्सव के एक भाग के रूप में रेलवे बोर्ड और रेलवे खेलकूद संवर्धन बोर्ड ने महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने और इसका उत्सव मनाने के लिए दिनांक 6 मार्च, 2023 को नई दिल्ली में रेल भवन से बोट क्लब और वापसी का 'वॉकथॉन' का आयोजन किया, जिसमें प्रतिष्ठित खिलाड़ियों, अग्रिम पंक्ति की महिला कर्मचारियों, आरपीएफ कर्मियों और रेलवे बोर्ड की अधिकारियों सहित भारतीय रेल की 150 महिला कर्मचारियों ने भाग लिया।



सुश्री अंजलि गोयल, सदस्य वित्त और सुश्री जया वर्मा सिन्हा, सदस्य संचालन और व्यवसाय विकास, रेलवे बोर्ड भी वॉकथॉन के दौरान उपस्थित थीं।

उत्कृष्ट महिला रेल कर्मियों को किया गया सम्मानित



आरडब्ल्यूडब्ल्यूसीओ हर साल ग्रुप-सी और ग्रुप-डी की चुनी हुई महिला कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित करता है। इसका उद्देश्य उन महिलाओं का मनोबल बढ़ाना है, जो अपने कर्तव्यों के निर्वहन में अनुकरणीय समर्पण, सत्यनिष्ठा और साहस का परिचय देती हैं और अन्य सामाजिक क्षेत्रों, जैसे अस्पताल, स्कूल, खेल, रक्तदान, परिवार कल्याण कार्यक्रम, स्काउट और गाइड आदि में कार्य कर रही हैं। इस वर्ष 34 उत्कृष्ट महिला रेल कर्मचारियों को 17 मार्च, 2023 को राष्ट्रीय रेल संग्रहालय सभागार, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में आयोजित एक विशेष समारोह में सम्मानित किया गया है। मीनू लाहोटी, अध्यक्षा/आरडब्ल्यूडब्ल्यूसीओ ने मुख्य अतिथि के रूप में महिला पुरस्कार विजेताओं को योग्यता प्रमाण-पत्र और नकद पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर मध्य रेलवे के कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

पश्चिम मध्य रेलवे में वॉकथॉन का आयोजन

'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' के उपलक्ष्य में पश्चिम मध्य रेल के तीनों मण्डलों जबलपुर, भोपाल एवं कोटा पर महिला सशक्तीकरण की दिशा में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी कड़ी में 7 मार्च, 2023 को पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय पर पश्चिम मध्य रेल खेलकूद संघ के तत्वावधान में वॉकथॉन का आयोजन किया गया। पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक श्री सुधीर कुमार गुप्ता एवं अपर महाप्रबंधक श्री शोभन चौधुरी द्वारा हरी झंडी दिखाकर वॉकथॉन का शुभारंभ किया गया। यह वॉकथॉन महाप्रबंधक कार्यालय से प्रारंभ होकर रेलवे स्टेडियम में संपन्न हुई। इसमें जबलपुर मंडल एवं मुख्यालय के सभी महिला एवं पुरुष कर्मचारियों ने भाग लिया। एक अन्य कार्यक्रम में



पश्चिम मध्य रेल महिला कल्याण संगठन द्वारा तीनों मण्डलों-जबलपुर, भोपाल एवं कोटा पर सराहनीय कार्य करने वाली 15 महिला रेल कर्मियों को सम्मानित किया।

पूर्वोत्तर रेलवे में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित



पूर्वोत्तर रेलवे में 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' के उपलक्ष्य में पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय महिला सशक्तीकरण समिति द्वारा गोरखपुर स्थित रेलवे प्रेक्षागृह में 3 मार्च, 2023 को एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रधान वित्त सलाहकार श्रीमती प्रीति झा ने किया। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. आशा चमानिया, उप मुख्य वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी श्रीमती अर्चना सिंह, अपर मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. तनु वर्मा, विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर गणित विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय श्रीमती उमा श्रीवास्तव व विशिष्ट वक्ता पुलिस निरीक्षक, श्रीमती मंजरी पाण्डेय, अनुसूचित जाति एवं जनजाति एसोसिएशन के महामंत्री श्री चन्द्रशेखर, रेलवे की महिला अधिकारी, महिला सशक्तीकरण समिति की सदस्याएँ एवं महिला रेलकर्मी उपस्थित थीं। पूर्वोत्तर रेलवे की प्रथम महिला कर्मचारी 94 वर्षीय श्रीमती एन.पी. दास तथा पूर्वोत्तर रेलवे में समूह-घ से समूह-ग में पदोन्नत हुई महिला रेलकर्मियों तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली कलाकारों को भी सम्मानित किया गया।

दक्षिण मध्य रेलवे में संगोष्ठी और वॉकथॉन का आयोजन

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 3 मार्च, 2023 को रेल निलयम, सिकंदराबाद में 'महिला स्वास्थ्य और सेहत' पर सेमिनार का आयोजन किया गया। रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड, सिकंदराबाद में 7 मार्च, 2023 को 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' पर 'साम्यता को अपनाएँ' की अवधारणा पर जागरुकता लाने के लिए वॉकथॉन का आयोजन किया गया। श्री अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दमरे मुख्य अतिथि थे और उन्होंने रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रतिभागियों की उपस्थिति में वॉकथॉन को झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली का उद्देश्य रेलवे द्वारा संचालित कार्यस्थलों और शैक्षणिक संस्थानों आदि में



लैंगिक समानता और महिलाओं के अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए एससीआर की प्रतिबद्धता की पुष्टि करना था। श्री पी उदय कुमार रेड्डी, एजीएम/एससीआर, श्रीमती पी. श्रीलता, उपाध्यक्ष, एससीआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ और श्री राजीव किशोर, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, दमरे इस अवसर पर उपस्थित रहे।

दक्षिण पूर्व रेलवे : महिला कर्मियों हेतु 'निर्भया' सॉफ्टवेयर लांच



दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा मुख्यालय, गार्डनरीच में 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। सुश्री अर्चना जोशी, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थीं। इस अवसर पर श्री अतुल्य सिन्हा, अपर महाप्रबंधक, विभागों के प्रधान प्रमुख और विभिन्न विभागों की महिला कर्मचारी उपस्थित थीं। डॉ. महुआ वर्मा, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, दक्षिण पूर्व रेलवे ने समारोह में विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। समारोह में दक्षिण पूर्व रेलवे की 53 महिला कर्मचारियों को उनकी संबंधित नौकरियों में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। महाप्रबंधक, सुश्री जोशी ने दक्षिण पूर्व रेलवे की महिला कर्मचारियों को 'निर्भया' यौन उत्पीड़न शिकायत प्रबंधन प्रणाली सॉफ्टवेयर समर्पित किया। कोई भी महिला कर्मचारी 'निर्भया' के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करा सकेगी, जो दक्षिण पूर्व रेलवे की वेबसाइट से जुड़ी है। कर्मचारी की गोपनीयता की रक्षा करते हुए शिकायत सीधे संबंधित इकाई की आंतरिक शिकायत समिति के अध्यक्ष के पास पहुंचेगी। महाप्रबंधक, सुश्री अर्चना जोशी ने पूरे दक्षिण पूर्व रेलवे में सेवारत 8,500 महिला कर्मचारियों के प्रदर्शन की सराहना की।

उत्तर पश्चिम रेलवे में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन

'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर इस वर्ष लैंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी विषयवस्तु (थीम) पर उत्तर पश्चिम रेलवे में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 9 मार्च को समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती भावना शर्मा, प्रमुख वित्त सलाहकार ने कहा कि आज समाज के हर क्षेत्र में महिलाएं अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। इस अवसर पर श्री प्रदीप कुमार सिंह, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी व महिलाकर्मी उपस्थित रहे। समापन के अवसर पर कार्यस्थल पर महिला उत्पीड़न की रोकथाम के लिए अपडेट ब्रोशर का विमोचन भी किया गया। उत्तर पश्चिम रेलवे में महिला सशक्तीकरण की दिशा की गई पहल के तहत गाँधीनगर स्टेशन को भारतीय रेल के मेन लाइन स्थित प्रथम सम्पूर्ण रूप से महिला रेलकर्मियों द्वारा संचालित स्टेशन बनाया गया है।



उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा महिला कर्मी सम्मानित



'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' के उपलक्ष्य में दिनांक 7 मार्च, 2023 को उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन, प्रयागराज की ओर से मुख्यालय एवं रेलगाँव कॉलोनी, सूबेदारगंज में प्राइवेट एजेंसी के माध्यम से हॉर्टिकल्चर एवं सफाई कार्य में योगदान कर रही महिलाओं को संगठन की अध्यक्षा डॉक्टर श्रीमती रूबी रानी सिंह द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संगठन की उपाध्यक्षा श्रीमती ज्योत्सना गुप्ता, सचिव श्रीमती नूपुर अग्रवाल, श्रीमती शांता बेउरा, श्रीमती डॉ. ए श्रीवल्ली, श्रीमती ममता वर्मा, श्रीमती निरूपमा श्रीवास्तव, श्रीमती रेणु पोनिया, श्रीमती नीलम कुमार, श्रीमती शैल पाण्डेय, श्रीमती श्रुति सचान एवं श्रीमती रीना पाण्डेय उपस्थित रहीं। तथा महिला सशक्तीकरण, स्वास्थ्य एवं कल्याण विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया था।

रेलटेल में स्वास्थ्य व पोषण पर संवादात्मक सत्र आयोजित

इस समारोह के एक हिस्से के रूप में, सर गंगाराम अस्पताल के डॉ. सुमित गुप्ता, सहयोगी सलाहकार, त्वचा विज्ञान और सुश्री मुक्ता वशिष्ठ, परामर्शदाता आहार विशेषज्ञ द्वारा रेलटेल की महिला कर्मचारियों हेतु 'स्वस्थ जीवन के लिए त्वचा की देखभाल और पोषण' पर एक परस्पर संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री संजय कुमार, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक ने कहा, ''यह दिन विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए समर्पित है। समाज और राष्ट्र के निर्माण में



महिलाओं के योगदान को पहचानना आवश्यक है। रेलटेल में महिलाएं कंपनी की सभी गतिविधियों में सबसे आगे रही हैं और वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने में उत्कृष्ट रही हैं। मैं भविष्य में भी उनकी सफलता की कामना करता हूं।''

चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना में विशेष समारोह का आयोजन



दिनांक 9 मार्च, 2023 में चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना (चिरेका) स्थित बधवार हॉल/तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र में 8 मार्च, 2023 को 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' का पालन किया गया। मुख्य अतिथि श्री सतीश कुमार कश्यप, महाप्रबंधक, चिरेका ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्री आर.के. बरनवाल, सीईई टीएम सह प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी, प्रमुख विभाग अध्यक्ष सहित वरिष्ठ अधिकारी, अधिकारी, महिला कर्मचारी, पर्यवेक्षक और कर्मचारी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इसके पश्चात् श्री कश्यप ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले महिला कर्मचारियों को सम्मानित किया और कार्यस्थलों में उनके समर्पित योगदान की प्रशंसा की।

पश्चिम रेलवे में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित



'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' समारोह का समापन 9 मार्च, 2023 को पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा और कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती क्षमा मिश्र द्वारा 24 उत्कृष्ट महिला कर्मचारियों को उनके योगदान हेतु पुरस्कृत करने के साथ हुआ। इसके बाद पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र द्वारा एक पुस्तिका 'स्वयंसिद्ध' का विमोचन किया गया, जिसमें महिलाओं और बालिकाओं के उत्थान हेतु स्टाफ बेनिफिट फंड के तहत विभिन्न अनुदानों, महिला कर्मचारियों के लिए कल्याणकारी उपायों, महिलाओं के लिए संवैधानिक, कानूनी अधिकार आदि का वर्णन किया गया है। 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' के लिए पश्चिम रेलवे के सभी मंडलों में भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के लिए महिला सशक्तीकरण पर वर्कशॉप, नुक्कड़ नाटक, स्लोगन प्रतियोगिताएं, अधिकारों के बारे में विचार-मंथन आदि आयोजित की गईं।

आरडीएसओ में विशेष समारोह का आयोजन

आरडीएसओ में दिनांक 6 मार्च, 2023 को 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हस्तशिल्प प्रदर्शनी, तनाव प्रबंधन पर व्याख्यान, वाद-विवाद और अंताक्षरी सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए और इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री संजीव भुटानी, महानिदेशक, आरडीएसओ ने आरडीएसओ की 23 महिला कर्मचारियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया, जिनमें 13 महिला कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। श्रीमती निशा भुटानी, अध्यक्षा, रेलवे महिला कल्याण संगठन,



आरडीएसओ ने भी सभा को संबोधित किया और विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं द्वारा की गई उपलब्धियों का उल्लेख किया। इस कार्यक्रम में श्री जे.पी. पाण्डेय, महानिदेशक (विशेष) वेंडर विकास, श्री शरद कुमार जैन, अपर महानिदेशक, आरडीएसओ, श्रीमती विनीता जैन, पीसीपीओ, एवं आरडीएसओ की सभी महिला कर्मचारी उपस्थित थीं।

रेल पहिया कारखाना में कार्यक्रमों का आयोजन



8 मार्च, 2023 को आरडब्ल्यूएफ संस्थान में 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' मनाया गया। आरडब्ल्यूएफ महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती उमा अग्रवाल समारोह की मुख्य अतिथि थीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महिलाओं को प्राथमिकता देना एक विकल्प नहीं बल्कि एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाप्रबंधक श्री ए. के. अग्रवाल ने की। उन्होंने सुनिश्चित किया कि आरडब्ल्यूएफ में महिला कर्मचारियों के अधिकार पूरी तरह सुरक्षित हैं। अतिथि वक्ता डॉ. कृतिका सेकर, रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट, एचसीजी कैंसर अस्पताल, ने महिलाओं से संबंधित सभी प्रकार के कैंसर पर एक प्रस्तुति दी।

रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला में विशेष कार्यक्रम आयोजित

'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर एक विशेष कार्यक्रम आरसीएफ महिला कल्याण संगठन द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती सुरभि अग्रवाल, अध्यक्षा महिला कल्याण संगठन ने की। इस कार्यक्रम में श्रीमती विनीता जैन, उप अध्यक्षा, महिला कल्याण संगठन सहित सभी सदस्यगण तथा महिला कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में आरसीएफ की प्रिंसिपल चीफ मेडिकल अफसर डॉ. लता रामलिंगम ने महिलाओं के लिए अध्यात्म और अच्छी सेहत और तंदुरुस्ती के महत्त्व पर अपने विचार प्रस्तुत



किये। इसके अलावा आरसीएफ में कार्यरत सभी 403 महिला कर्मचारियों को रेल सेवा में उनके योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त फरवरी 2024 तक सेवानिवृत्त होने वाली आरसीएफ की 12 महिला कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। आरसीएफ के कार्मिक विभाग द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' पर वॉकथॉन महाराजा रंजीत सिंह स्टेडियम से करवाई गई।

बनारस रेल इंजन कारखाना में विविध कार्यक्रमों का आयोजन



बनारस रेल इंजन कारखाना द्वारा दिनांक 17 मार्च 2023 को स्थानीय प्रेक्षागृह में 'महिला दिवस' के उपलक्ष्य में नारी सशक्तीकरण पर आधारित संगोष्ठी, प्रेरणादायक, शिक्षाप्रद एवं मनोरंजन पर आधारित विभिन्न कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। बनारस रेल इंजन कारखाना परिसर स्थित विद्यालयों के बालिकाओं एवं महिला कर्मचारियों द्वारा लिखित काव्य, लेख आदि का संग्रह 'निहारिका' पत्रिका का विमोचन के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्रीमती रेनू शर्मा, मुख्य अतिथि प्रमुख कार्यकारी निदेशक, मानव संसाधन, रेलवे बोर्ड श्रीमती वी. जी. भूमा ने विशिष्ट अतिथि एवं सुश्री जागृति राही तथा बी.एच.यू. विधि संकाय की प्रोफेसर डॉ. विभा त्रिपाठी ने विशेष वक्ता के रूप में अपना व्याख्यान दिया।

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना में विभिन्न कार्यक्रम संपन्न

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में 'विश्व महिला दिवस' 2023 के उपलक्ष्य में 1-8 मार्च तक महिलाओं के सशक्तीकरण पर आधारित कार्यक्रम का आयोजन किया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ हिन्दी चलचित्र अर्थ पर चर्चा के साथ किया गया। आरेडिका के महाप्रबंधक श्री एस. एस. कलसी ने 'विश्व महिला दिवस' के शुभारंभ पर सभी रेलवे महिला कर्मचारियों को शुभकामनाएँ दीं। इस कार्यक्रम में महिला स्वास्थ्य और भलाई पर जानकारी श्रीमती भूमिका सिंह, डाइटीशियन द्वारा दी गई। इसी कड़ी में दिनांक 3 मार्च, 2023 को प्रजापिता



ब्रह्माकुमारी संस्था की सुधा बहन ने मेडिटेशन सेमीनार के माध्यम से आरेडिका की प्रतिभागी महिलाओं को ध्यान योग के संबंध में जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर आरेडिका महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती हरमिंदर कलसी कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

नई पहल

गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर ट्रांसजेंडर्स के सशक्तीकरण हेतु ट्रांस टी स्टॉल का शुभारंभ

पूर्वोत्तर सीमा रेल के महाप्रबंधक श्री अंशुल गुप्ता ने असम के ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड के सहायक उपाध्यक्ष स्वाति बिधान बरुआ की उपस्थिति में 10 मार्च, 2023 को गुवाहाटी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर श्री अंशुल गुप्ता, महाप्रबंधक/पू. सी. रेल ने 'ट्रांस टी स्टॉल' का उद्घाटन किया ।



ट्रांसजेंडरों को सशक्त बनाने के लिए यह स्टॉल खोला गया, जिसे पूरी तरह से ट्रांसजेंडर समुदाय द्वारा संचालित किया जाएगा। पू. सी रेल द्वारा भारतीय रेल में इस प्रकार का पहला प्रयास है। यह 'ऑल असम ट्रांसजेंडर एसोसिएशन' के सक्रिय सहयोग से किया गया है। यह न सिर्फ भारतीय रेल में बल्कि देश के किसी भी सरकारी संस्थान में किया गया अब तक का प्रथम प्रयास है। पूर्वोत्तर सीमा रेल द्वारा इस क्षेत्र के अन्य रेलवे स्टेशनों पर इस प्रकार के ट्रांस टी स्टॉल खोलने की योजना है।

आगरा मंडल के तीसरे सबसे बड़े यार्ड वाले 'बाद' स्टेशन पर नई इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग स्थापित



उत्तर मध्य रेलवे ने महाप्रबंधक श्री सतीश कुमार के नेतृत्व में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए आगरा मंडल के तीसरे बड़े यार्ड 'बाद' में यात्री यार्ड रीमॉडेलिंग और फराह-बाद तीहरीकरण लाइन कार्य के संबंध में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग का काम दिनांक 8 मार्च 2023 को सम्पन्न हुआ। ज्ञात हो कि बाद यार्ड आगरा मंडल का तीसरा सबसे बड़ा यार्ड है। ज़लेवद मेक की इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग को आगरा मंडल के आगरा कैंट-मथुरा सेक्शन के बाद स्टेशन पर कमीशन किया गया है। इस प्रकार ट्रेन संचालन को अधिक सुचारु बनाने के लिए नई इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के माध्यम से 359 रूट मिल जाएंगे। नई इंटरलॉकिंग सेक्शन में सुरक्षित और सहज ट्रेन संचालन सुनिश्चित करने में मदद करेगा। इस जटिल और महत्त्वपूर्ण कार्य में 47 प्वांइट मशीनें (36 नए और 11 मौजूदा), 28 सिग्नल और 41 शट सिग्नल शामिल थे। डीसी ट्रैक सर्किट और MSDAC के साथ में पूरे यार्ड में अतिरिक्त ट्रैक सर्किटिंग भी प्रदान की गई है। सिग्नलिंग उपकरणों के लिए विश्वसनीय बिजली की आपूर्ति के लिए 4 नग एकीकृत बिजली आपूर्ति प्रणाली प्रदान की गई है। संरक्षा संबंधी तैयारियों को बेहतर करने और बेहतर मॉनिटरिंग के लिए 4 इफेक्ट्रोनिक्स डेटा लॉगर (बाद सेंट्रल, एक केबिन, बी केबिन, सी केबिन) भी प्रदान किया गया है। इन डॉटा लॉगर को नियंत्रण कार्यालय से ऑनलाइन निगरानी की जाएगी। 03 ग्लोबल मेक नई बिजली संचालित लिफ्टिंग बैरियर लेवल क्रॉसिंग नंबर-522 पर, 523,524 भी मौजूदा ओवरएड बैरियर के स्थान पर प्रदान किया गया है।

कोलकाता मेट्रो का सौर ऊर्जा के अधिकाधिक उपयोग पर जोर



वैकल्पिक स्रोतों से बिजली उत्पन्न कर कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की दिशा में मेट्रो रेलवे निरंतर प्रयासरत है। हाल के दिनों में इस पहल को गति मिली है। इस संदर्भ में यहां यह उल्लेखनीय है कि मेट्रो रेलवे के विभिन्न स्थानों पर लगे रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र इस पहल के प्रमाण हैं। ईस्ट-वेस्ट मेट्रो (ग्रीन लाइन) कोलकाता की एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण परिवहन प्रणाली है। वर्तमान में सॉल्ट लेक सेक्टर-V और सियालदह के बीच 8.885 किमी के विस्तार पर मेट्रो सेवाएं उपलब्ध हैं। इस कॉरिडोर का समग्र संचालन और रखरखाव क्रियाकलाप सेंट्रल पार्क डिपो, सॉल्ट लेक से नियंत्रित होते हैं। सेंट्रल पार्क डिपो वर्कशॉप के 16,000 वर्ग मीटर क्षेत्र और ईटीयू के 3,173 वर्ग मीटर क्षेत्र में पहले ही रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। ये संयंत्र प्रति वर्ष 1.24 मेगावॉट बिजली उत्पन्न करते हैं, जिससे इस मद में ₹48 लाख (लगभग) की बचत होती है। इसके अतिरिक्त ईस्ट-वेस्ट मेट्रो के दो स्टेशनों अर्थात् सॉल्ट लेक सेक्टर-V और सेंट्रल पार्क की छतों पर भी 0.28 MWp रूफटॉप सोलर पॉवर प्लांट लगाए गए हैं। ये पर्यावरण अनुकूल सौर ऊर्जा संयंत्र 3,566.34 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले हुए हैं। इसके परिणाम स्वरूप मेट्रो रेलवे प्रति वर्ष ₹14.50 लाख (लगभग) की बचत करने में सक्षम हुआ है।

सार्वजनिक निजी भागीदारी मोड के माध्यम से क्रियान्वित की गई यह परियोजना सभी सुरक्षा और संरक्षा मानकों से युक्त है। मेट्रो रेलवे द्वारा रूफटॉप क्षेत्र उपलब्ध कराया गया है जबकि सौर ऊर्जा डेवलपर ने पूरी डिजाइनिंग, खरीद, संस्थापन, परीक्षण और कमीशनिंग का काम किया है। सौर ऊर्जा डेवलपर इन संयंत्रों का संचालन और रखरखाव करता है। मेट्रो रेलवे की इस सौर ऊर्जा उत्पादन प्रणाली की निगरानी क्लाउड आधारित निगरानी प्रणाली द्वारा की जा रही है। बाहरी कंप्यूटर और स्मार्ट डिवाइस अंतर्निहित (बिल्ट-इन) मीटर और डेटा लॉगर की मदद से ऊर्जा संयंत्र के प्रदर्शन का विश्लेषण करते हैं।

चिरेका वेस्ट ब्लॉक को मिला ग्रीन एग्ज़िस्टिंग बिल्डिंग्स गोल्ड रेटिंग

भारतीय रेल की महत्त्वपूर्ण उत्पादन इकाई चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना (चिरेका) प्रशासनिक भवन वेस्ट ब्लॉक/चित्तरंजन को इनके गुणवत्ता पूर्ण उत्पादन, स्वच्छता पालन और पर्यावरण संरक्षण के दिशा में उत्कृष्ट योगदान के लिए आईजीबीसी एवं सीआईआई (भारतीय उद्योग परिसंघ) द्वारा प्रतिष्ठित 'आईजीबीसी (इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल) ग्रीन एक्सिस्टिंग बिल्डिंग्स गोल्ड रेटिंग' प्राप्त हुई है, जो चिरेका परिवार के लिए गौरव की बात है। इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) ने हरित अवधारणाओं और तकनीकों को प्रोत्साहित करने के लिए आईजीबीसी की ग्रीन मौजूदा बिल्डिंग्स (ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस) रेटिंग सिस्टम लॉन्च किया है। उपभोक्ता अपशिष्ट, जल दक्षता, जीवाश्म ईंधन के उपयोग में कमी,ऊर्जा दक्षता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को हरित अवधारणाएं और तकनीकों के सहयोग से विकसित कर इनका संरक्षण किया जाता है। उक्त प्रणाली के अनुसार चिरेका प्रशासनिक भवन वेस्ट ब्लॉक, चित्तरंजन का मूल्यांकन किया गया और आईजीबीसी के ग्रीन मौजूदा भवनों द्वारा परिभाषित साइट और सुविधा प्रबंधन, जल दक्षता, ऊर्जा दक्षता, स्वास्थ्य और सुविधा तथा बनावट में नवीनता आदि



विभिन्न पर्यावरणीय श्रेणियों के अनुरूप पुनः प्रमाणन आवश्यक रेटिंग के साथ किया गया। श्री एस.के. कश्यप, महाप्रबंधक, चिरेका ने इस उपलब्धि के लिए पूरे चिरेका परिवार को बधाई दी।

पश्चिम मध्य रेल में अंतर रेल नाटक प्रतियोगिता आयोजित

पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर में रेल सौरभ के सभागार में दिनांक 2 से 4 मार्च, 2023 तक तीन दिवसीय अंतर रेल नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस प्रतियोगिता में पहला नाटक बनारस रेल इंजन कारखाना, वाराणसी द्वारा 'सूतपुत्र' प्रस्तुत किया गया। मॉडर्न कोच फैक्ट्री, रायबरेली द्वारा राजा हरिश्चन्द्र की जीवनी पर आधारित नाटक 'सत्य की परीक्षा' तथा उत्तर पूर्व रेलवे, गोरखपुर द्वारा 'सीजोफ्रेनिया' भूलने की बीमारी से पीड़ित व्यक्ति की परिचर्या का चित्रण प्रस्तुत किया गया। अन्य नाटकों में मध्य रेल, मुंबई द्वारा 'गेंदा', पूर्व तट रेलवे भुवनेश्वर द्वारा 'नागमण्डल', पूर्व रेल द्वारा 'शास्ति', आईसीएफ चौन्नई द्वारा 'छमायाम', उत्तर रेलवे द्वारा 'आजाद लह', उत्तर मध्य रेलवे द्वारा 'बेबसी' एवं एनएफआर द्वारा 'बोनसाई' शीर्षित नाटकों की प्रस्तुति दी गई। उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर द्वारा 'इंस्पेक्टर मातादीन चांद पर', पटियाला लोकोमोटिव वर्कशॉप द्वारा 'पूस की रात', रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला द्वारा 'इंतजार' प्रस्तुत किया गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर द्वारा 'एक नाटक ऐसा भी', पश्चिम रेलवे, चर्चगेट मुंबई द्वारा 'मुक्तिधाम', रेल व्हील फैक्ट्री द्वारा 'नाटकड़ा बड़कू', दक्षिण रेलवे द्वारा 'थुड़ी', दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा 'इन्हेलर', दक्षिण पश्चिम रेलवे द्वारा 'विवेक की मधुर वाणी' एवं पश्चिम मध्य रेल द्वारा 'सखी सुहाग राम मोहे दीन्हा' नाटकों की शानदार प्रस्तुतियां दी गईं।

समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह

महाप्रबंधक पश्चिम मध्य रेल के संरक्षण एवं प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी एवं पमरे सांस्कृतिक अकादमी अध्यक्ष के मार्गदर्शन में कार्मिक विभाग के तत्वावधान में इस तीन दिवसीय अंतर रेल नाटक प्रतियोगिता का दिनांक 4 मार्च, 2023 को समापन हुआ।

इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार ईस्टर्न रेलवे के नाटक 'शास्ति', द्वितीय पुरस्कार पश्चिम मध्य रेलवे के नाटक 'सखी सुहाग राम मोहे दीन्हा' एवं तृतीय पुरस्कार बनारस लोकोमोटिव वर्क्स के नाटक 'सूतपुत्र' को दिया गया। सर्वोच्च निर्देशन का पुरस्कार पश्चिम मध्य रेलवे के निर्देशक श्री संजय गर्ग एवं बेस्ट अभिनेता का पुरस्कार भी पश्चिम मध्य रेलवे के श्री रिजवान अली को दिया गया।

यह समापन समारोह मुख्य अतिथि पमरे महाप्रबंधक श्री सुधीर कुमार गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि पमरे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती संध्या गुप्ता के आतिथ्य में उल्लासपूर्वक संपन्न हुआ।





अंतर रेलवे संगीत प्रतियोगिता में बरेका के रवि को तृतीय स्थान

उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा स्पंदन अधिकारी क्लब, सूबेदारगंज में 17 से 18 मार्च, 2023 को अंतर रेलवे सांस्कृतिक प्रतियोगिता (संगीत)-2022 'सुर-संगम' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में चार विधाओं की स्पर्धाएं आयोजित की गईं, जिसमें शास्त्रीय गायन, सुगम गायन, शास्त्रीय वाद्य वादन और सुगम वाद्य वादन रहा। एकल प्रस्तुति की इन स्पर्धाओं में सुगम वाद्य वादन के अंतर्गत बनारस रेल इंजन कारखाना, वाराणसी के बांसुरी वादक श्री रवि कुमार प्रजापति ने राग मिश्र पहाड़ी प्रस्तुत कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इनके साथ तबले पर श्री आनंद कुमार मिश्रा और की-बोर्ड पर श्री संतोष मौर्या ने संगत की। 18 मार्च को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री सतीश कुमार ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।



रेल सौधा में 'लिटिल ऑक्स' शिशु-गृह का नवीनीकरण

श्री संजीव किशोर, महाप्रबंधक, दपरे ने हुब्बल्लि के रेल सौधा में नवीनीकृत शिशु-गृह का उद्घाटन किया। दक्षिण पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन (दपरेमकसं) के तत्वावधान में दो कमरों का एक शिशु-गृह केंद्र विकसित किया गया है। इसमें आठ माह से सात वर्ष तक के बच्चों की देखभाल करने की सुविधा है। शिशु-गृह में एक महिला विश्राम-गृह, एक शौचालय, स्तनपान के लिए एक अलग कमरा और सैनिटरी पैड के लिए एक वेंडिंग मशीन शामिल है। इसके अतिरिक्त शिशुओं के लिए स्वच्छ पेयजल, गर्म पानी, खिलौने, पालना, सुव्यवस्थित बिस्तर, स्मार्ट टीवी और प्रत्येक दीवार पर शिक्षाप्रद रंगीन ग्रॉफिक्स बनाए गए हैं। शिशु-गृह में तीन बेबीसिटर्स शामिल हैं। इस सुविधा से रेलवे विभाग में कार्य करने वाली महिलाओं को लाभ हुआ है। वर्तमान में इस पहल से 15 बच्चों को लाभ हो रहा है। शिशु-गृह के उद्घाटन अवसर पर डॉ. वंदना श्रीवास्तव, अध्यक्ष, दक्षिण



पश्चिम रेलवे, महिला कल्याण संगठन तथा श्री आलोक कुमार, प्रधान मुख्य कार्मिक तथा सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित थे।

केंद्रीय चिकित्सालय प्रयागराज में कार्ल स्टोर्ज़ जर्मनी हाई डेफिनिशन लैप्रोस्कोपी सेट का उद्घाटन



दिनांक 4 जनवरी, 2023 को केंद्रीय चिकित्सालय प्रयागराज में प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक श्री डॉ. जे. पी. रावत द्वारा विश्वस्तरीय कार्ल स्टोर्ज़ जर्मनी हाई डेफिनिशन लैप्रोस्कोपी सेट का उद्घाटन डॉ. संजीव कुमार हांडू चिकित्सा निदेशक केंद्रीय चिकित्सालय प्रयागराज, डॉ. राकेश निगम मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रयागराज की उपस्थिति में किया गया। यह उत्तर मध्य रेलवे और प्रयागराज शहर में अपने तरह की अग्रणी मशीन है जो शहर के कुछ अस्पतालों में ही उपलब्ध है। इस लैप्रोस्कोपी सेट द्वारा जटिल ऑपरेशनों का संचालन अति सुगमतापूर्वक किया जा सकता है, जिससे मरीज को बहुत कम समय के लिए अस्पताल में भर्ती होना पड़ेगा। इस मशीन द्वारा दूरबीन विधि से होने वाली सभी प्रकार की सर्जरी से उत्तर मध्य रेलवे के मरीजों को फायदा होगा और इसके लिए कहीं बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

इस अवसर पर ऑनरेरी विजिटिंग स्पेशलिस्ट एंव मेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष डॉ. शबी अहमद मौजूद थे जिन्होने सफलता पूर्वक लैप्रोस्कोपिक सेट का परीक्षण किया। इस मौके पर डॉ. संजय कुमार (वरिष्ठ सर्जन) वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी प्रयागराज, डॉ. आलोक कुमार यादव (ओ टी इंचार्ज), डॉ. उसैद, नर्सिंग अधिक्षक श्रीमती मंजू देवी सोनकर आदि मौजूद थे।

केंद्रीय चिकित्सालय उत्तर मध्य रेलवे में वरिष्ठ नागरिक प्रतीक्षा कक्ष और लिफ्ट का शुभारंभ

प्रयागराज स्थित केन्द्रीय चिकित्सालय में महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री सतीश कुमार और अध्यक्षा, उत्तर मध्य रेलवे कल्याण संगठन श्रीमती रूबी रानी सिंह द्वारा बर्हिरोग विभाग में एक वरिष्ठ नागरिक प्रतीक्षा कक्ष का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर अंत: रोग विभाग में एक लिफ्ट का भी शुभारंभ किया गया।

इस दौरान अध्यक्षा, उत्तर मध्य रेलवे कल्याण संगठन श्रीमती रूबी रानी सिंह एवं संगठन की अन्य सदस्याओं द्वारा चिकित्सालय में भर्ती मरीजों को फल एवं उपहार वितरित किए गए। इस मौके पर प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. जगदेव रावत, चिकित्सा निदेशक डॉ. एस के. हांडू व सभी विभागाध्यक्ष व मंडल रेल प्रबंधक आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।



उत्तर पश्चिम रेलवे में चिकित्सा शिविर का आयोजन



उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय तथा जोधपुर मंडल में दिनांक 24 फरवरी, 2023 को मेगा चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 2,304 रेल अधिकारियों/कर्मचारियों ने स्वास्थ्य जाँच करवाई। मुख्यालय में कार्यरत रेलकर्मियों के लिए केन्द्रीय चिकित्सालय उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर के तत्वावधान में आयोजित मेगा चिकित्सा जाँच शिविर का उद्घाटन श्री गौतम अरोड़ा, अपर महाप्रबन्धक-उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा डॉ. पी. के. सामंतराय, प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक/उत्तर पश्चिम रेलवे, डॉ. लक्ष्मी मीणा, मुख्य स्वास्थ्य निदेशक एवं डॉ. पी. सी. मीना, चिकित्सा निदेशक/केन्द्रीय चिकित्सालय की उपस्थिति में किया। शिविर में मुख्यालय में कार्यरत 207 अधिकारियों एवं 552 कर्मचारियों ने स्वास्थ्य जाँच करवाई। जोधपुर मंडल पर भी 28 अधिकारियों एवं 1,517 कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के दौरान हृदय रोग, स्त्री रोग, कैंसर रोग, क्षय रोग, स्नायु रोग, नाक-कान गला रोग, डायटीशियन, न्यूरोलॉजिस्ट, फिजियोथेरेपिस्ट, उदर रोग विशेषज्ञ एवं चर्म रोग विशेषज्ञों द्वारा अपनी सेवाएं प्रदान की गईं। शिविर के दौरान रक्त जांच, बीएमडी, ईसीजी तथा कैंसर स्क्रीनिंग की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं।

रेलवे के डब्ल्यूएसईसी हाई स्कूल में वार्षिक खेल उत्सव धूमधाम से संपन्न

पश्चिम मध्य रेलवे, महिला कल्याण संगठन द्वारा संचालित डब्ल्यूएसईसी हाई स्कूल एवं आशादीप स्कूल के तत्वावधान में 18 दिसम्बर को वार्षिक खेल दिवस मनाया गया। स्थानीय रेलवे स्टेडियम में आयोजित इस वार्षिक खेल उत्सव की शुरुआत मुख्य अतिथि पमरे महाप्रबंधक श्री सुधीर कुमार गुप्ता एवं पमरे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती संध्या गुप्ता द्वारा मशाल प्रज्ज्वलित करके की गई। बच्चों ने मार्च पास्ट, पीटी, म्यूजिकल योगा, एरोबिक्स, रिले रेस, ताइक्वांडो खेलों की एक से बढ़कर एक शानदार प्रस्तुतियाँ दीं तथा कार्यक्रम के दौरान 'स्वच्छता एवं पर्यावरण बचाओ' का सन्देश दिया।



पश्चिम मध्य रेल, केंद्रीय चिकित्सालय जबलपुर में विश्व कैंसर दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन



पश्चिम मध्य रेल के केन्द्रीय चिकित्सालय जबलपुर में दिनांक 6 फरवरी, 2023 को चिकित्सा निदेशक के मार्गदर्शन में 'विश्व कैंसर दिवस' मनाया गया। इस कार्यक्रम में चिकित्सा निदेशक केन्द्रीय चिकित्सालय जबलपुर डॉ. बी.सी.एस. रॉव, अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जबलपुर मंडल डॉ. निर्मला गुप्ता, वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. जितेन्द्र परियानी ने प्रमुख वक्ताओं के रूप में कैंसर रोग के कारण, लक्षण, निदान एवं बचाव से संबंधित जानकारी को विस्तारपूर्वक बताया। अन्य वक्ताओं के रूप में सहायक नर्सिंग अधिकारी श्रीमति रंजना गुप्ता, सहायक फार्मेसी अधिकारी श्री विनय अग्रवाल, मुख्य फार्मासिस्ट श्री जयराम सिंह के द्वारा कैंसर के बचाव से संबंधित स्वस्थ जीवन शैली अपनाने, नियमित रूप से योग एवं प्राणायाम करने, मदिरा सेवन से बचने तथा धूम्रपान निषेध अपनाने संबंधी महत्त्वपूर्ण जानकारी दी गई।

पश्चिम रेलवे आपदा प्रबंधन योजना 2023 का छठा अंक प्रकाशित



दिनांक 21 फरवरी, 2023 को पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र ने चर्चगेट स्थित पश्चिम रेलवे के मुख्यालय में आपदा प्रबंधन योजना 2023 के छठे अंक संस्करण का विमोचन किया। आपदा प्रबंधन योजना, प्राकृतिक आपदाओं की चेतावनी के आधार पर तथा आपदा के बाद की घटनाओं पर की जाने वाली कार्रवाई और प्रभावित लोगों को त्वरित और प्रभावी राहत प्रदान करने के लिए आवश्यक कदम निर्धारित करता है। रेलवे बोर्ड के नवीनतम दिशा-निर्देशों के अनुसार आपदा प्रबंधन योजना के छठे अंक में शामिल नए अध्याय/विषय हैं- माननीय प्रधानमंत्री का 10 सूत्रीय एजेंडा, आग की रोकथाम के लिए एसओपी, कोविड दिशा-निर्देश और वल्नरेबिलिटी एटलस। आपदा प्रबंधन योजना विभिन्न प्रकार की आपदाओं के दौरान सामना की जाने वाली चुनौतियों का समय पर प्रभावी ढंग से और कुशलता से जवाब देने के लिए संबंधित केंद्रीय और राज्य एजेंसियों की मदद के साथ-साथ तैयारियों में विभिन्न विभाग के अधिकारियों का मार्गदर्शन करने में मददगार होगा।

आईआईटी बीएचयू द्वारा आयोजित टक्नेक्स 23 में बरेका द्वारा प्रदर्शित किया गया आकर्षक लोको मॉडल



काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी में दिनांक 17 से 19 मार्च तक आयोजित वार्षिक तकनीकी उत्सव 'टेक्नेक्स' 23 में बनारस रेल इंजन कारखाना का आकर्षक स्टॉल लगाया गया है। प्रदर्शनी में बरेका के लोको उत्पादों, विभिन्न लोकों एवं रेल परियोजनाओं एवं क्रियाकलापों के अतिरिक्त बरेका से विभिन्न देशों माले, सेनेगल, अंगोला, म्यांमार, तंजानियां, वियतनाम, बांग्लादेश, श्रीलंका, मलेशिया, मोजाम्बिक, सुडान को निर्यातित रेल इंजन के लोको मॉडलों को भी प्रदर्शित किया गया। साथ ही मालवाहक WAG9 रनिंग लोको मॉडल को भी प्रदर्शित किया गया। बरेका मंडप लोगों के आकर्षण का केन्द्र रहा। खासकर आई.आई.टी. के छात्र-छात्राओं द्वारा बरेका उत्पादों, लोकों परियोजनाओं के विषय में तकनीकी जानकारी प्राप्त करने हेतु काफी उत्सुकता दिखाई। प्रदर्शनी में प्रदर्शित बरेका उत्पादों जैसे रेल इंजनों, निर्यातित रेल इंजनों, रेल इंजन से संबंधित कलपुर्जों के विषय में आगंतुकों को बरेका इंजीनियरों द्वारा विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

मेट्रो रेलवे ने ट्रेन परिचालन में सुधार हेतु सफलतापूर्वक शुरु की दमदम पैनल की इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग



दिनांक 15 जनवरी, 2023 को मेट्रो रेलवे ने दमदम पैनल में इलेक्ट्रॉनिक-इंटरलॉकिंग का काम सफलतापूर्वक पूरा किया। इस कार्य में दमदम पैनल पर मौजूदा इलेक्ट्रिकल इंटरलॉकिंग प्रणाली को इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) प्रणाली में संशोधित करना शामिल था, जो कारशेड और अगले स्टेशनों के सभी मार्गों, प्वाइंटों, सिग्नलों और ट्रैक सेक्शन से जुड़ा हुआ है। इस तरह मेट्रो रेलवे के ट्रेन परिचालन के कार्य निष्पादन संबंधी मापदंडों में भी वृद्धि होगी। यह ब्लू लाइन पर वाणिज्यिक सेवाओं में बाधा डाले बिना किया गया है। मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधक श्री अरुन अरोरा ने इस कार्य के सफलतापूर्वक संपन्न होने पर टीम को बधाई दी।

गुड्स निरीक्षण हेतु तृतीय पक्ष एजेंसियों की नियुक्ति

रेल मंत्रालय ने आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म की अवधारणा बनाई है ताकि परिसम्पत्तियों के बेहतर RAMS (Reliability/विश्वसनीयता, Availability/उपलब्धता, Maintainability/रख-रखाव एवं Safety/संरक्षा) के साथ अधिक कुशल और विश्वसनीय सेवाओं के संचालन को सक्षम बनाने के लिए गुड्स, स्पेयर, इनपुट सामग्री और विनिर्माण की गुणवत्ता में सुधार के लिए दक्षता लाई जा सके और सर्वोत्तम उपलब्ध विशेषज्ञता का लाभ उठाया जा सके।



दिनांक 21 फरवरी, 2023 को पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र की उपस्थिति में एजेंसियों द्वारा एंगेजमेंट के करार पर हस्ताक्षर किए गए। भारतीय रेल पर निरीक्षण के लिए भारत की चार सर्वश्रेष्ठ टीपीआई एजेंसियों अर्थात् इंटरटेक, राइट्स, ब्यूरो वेरिटास और टीयूवी इंडिया के एंगेजमेंट को अंतिम रूप देकर इस अवधारणा को क्रियान्वयन चरण में लाया गया। इन टीपीआई एजेंसियों को भारतीय रेल के डिजिटल सिस्टम में एकीकृत किया जाएगा, जिससे आपूर्ति श्रृंखला का पूर्ण रूप से एंड-टू-एंड डिजिटलीकरण होगा। एजेंसियों द्वारा निरीक्षण कार्य का असाइनमेंट वेंडर या रेलवे प्रोक्योरमेंट एनटाइटी को बिना किसी डिस्क्रेशन के एल्गोरिथम आधारित डिजिटल प्रक्रिया द्वारा किया जाएगा। डिजिटल एकीकरण उत्पाद, स्पेयर स्पेसिफिकेशन, विक्रेता अनुमोदन/प्रदर्शन और सुधार अवसरों के संबंध में सूचित निर्णय लेने के लिए डेटा एनालिटिक्स के अनुप्रयोग की भी अनुमति देगा। डिजिटल माइलस्टोन भारतीय रेल के लिए व्यावसायिक वातावरण में आदर्श बदलाव लाएगा, विक्रेताओं के साथ व्यापार करने में आसानी को बढ़ाएगा और यह 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान की दृष्टि के अनुरूप है। इस एंगेजमेंट से रेलवे प्रणाली में सर्वोत्तम क्षमता लाने और गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद है, इसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय ट्रांसपोर्टर को ₹400 करोड़ प्रति वर्ष की महत्त्वपूर्ण आवर्ती बचत भी होगी। उत्पाद और पुर्जों के निरीक्षण के अलावा करार में प्रक्रिया निरीक्षण, प्रक्रिया लेखापरीक्षा, गुणवत्ता आश्वासन योजना का सत्यापन और गुणवत्ता लेखापरीक्षा शामिल है।

पश्चिम रेलवे की सभी ट्रेनों में हैंड हेल्ड टर्मिनल का क्रियान्वयन



माननीय प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया के विजन को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेल विभिन्न तकनीकी प्रगति के साथ आगे बढ़ रही है। पश्चिम रेलवे से चलने वाली सभी 298 मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में हैंड हेल्ड टर्मिनल (HHT) प्रदान किए गए हैं। मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में कार्यरत कुल 1385 टिकट जाँच कर्मचारियों को हैंड हेल्ड टर्मिनल उपलब्ध कराए गए हैं। पश्चिम रेलवे से गुजरने वाली अन्य रेलवे की ट्रेनों में भी टिकट जाँच पश्चिम रेलवे के यात्रा टिकट परीक्षकों द्वारा एचएचटी से की जाती है। एचएचटी के फायदे इन एचएचटी से टिकट जांच कर्मचारियों को आरएसी और प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों को खाली बर्थ आवंटित करने में मदद मिलती है और सर्वर को सीट/बर्थ की ऑक्यूपेंसी के बारे में अद्यतन जानकारी भेजने के लिए भी इसका उपयोग किया जा सकता है। एचएचटी द्वारा जीपीआरएस के माध्यम से पीआरएस को रियल-टाइम की जानकारी भेजी जाती है और बाद के स्टेशनों पर प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों को खाली बर्थ आवंटित की जा सकती है। इससे भारतीय रेल को अपनी क्षमता का बेहतर उपयोग करने में मदद मिलती है यदि किसी यात्री से ट्रेन छूट जाती है या कोई यात्री चार्ट तैयार होने से पहले अपना टिकट रद्द कर देता है। इससे सीट आवंटन प्रणाली में बेहतर पारदर्शिता भी सुनिश्चित होती है और इसने जटिल मैनुअल प्रक्रिया को भी दूर किया है। एचएचटी के क्रियान्वयन के साथ चार्ट को प्रिंट करने की प्रणाली अब अप्रचलित हो गई है, जिससे अब पेपरलेस काम हो रहा है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम रेलवे ने पहली बार वर्ष 2018 में अगस्त क्रांति राजधानी एक्सप्रेस में टैबलेट के रूप में एचएचटी उपकरणों की शुरुआत की थी।

कार्यस्थल पर मोटिवेशन एवं तनाव प्रबंधन विषय पर आरडीएसओ में कार्यशाला का आयोजन



आरडीएसओ के यातायात एवं मनोतकनीकी निदेशालय द्वारा दिनांक 3 मार्च, 2023 को आरडीएसओ में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 'कार्यस्थल पर मोटिवेशन एवं तनाव प्रबंधन' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन श्री संजीव भुटानी महानिदेशक, आरडीएसओ द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सुप्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक प्रोफेसर डॉ. रीता अग्रवाल ने वृहद रूप से तनाव प्रबंधन पर उपयोगी व्याख्यान दिया। प्रोफेसर अग्रवाल ने तनाव को नियंत्रित करने के लिए ट्रांजैक्शनल एनालिसिस की तकनीक अपनाते हुए तनाव को नियंत्रित करने तथा उत्पादकता को बढ़ाने का सुझाव दिया। साथ ही प्रोफेसर अग्रवाल ने बेनसन की तकनीक के आधार पर अपने लाइव सेशन में अधिकारियों तथा कर्मचारियों को तनाव मुक्त रहने का प्रशिक्षण भी दिया। कार्यकारी निदेशक यातायात एवं मनोतकनीकी डॉ.वीणा कुमारी वर्मा ने बताया कि मनोतकनीकी निदेशालय उच्च गति के ट्रेन चालकों के लिए काउंसलिंग की प्रक्रिया शुरू कर चुका है और जल्द ही इसके अंतर्गत ऑनलाइन एप्लीकेशन का विकास किया जा रहा है।

रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला में फ्लॉवर फेस्टिवल का आयोजन

हर वर्ष बसंत ऋतु की आमद पर रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला का समस्त परिसर हरियाली तथा रंग-बिरंगे फूलों से भर जाता है। इसी सिलसिले में वर्ष 2022 से आरसीएफ में 'फ्लॉवर फेस्टिवल' आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष 2023 में भी यह आयोजन 27 फरवरी से 5 मार्च तक रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला में किया गया। इस आयोजन में सबसे पहले गार्डन/लॉन प्रतियोगिता में शामिल क्वार्टरों के बगीचों की खूबसूरती तथा बेहतर रख-रखाव का निरीक्षण आरसीएफ महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती सुरभि अग्रवाल तथा उनकी टीम द्वारा किया गया। इस कम्पीटीशन में विभिन्न प्रकार का कुल 41 क्वॉर्टरो का निरीक्षण किया गया, जिनमें 6 क्वार्टरों को पहला, 6 क्वार्टरों को दूसरा और 5 क्वार्टरों को तीसरा पुरस्कार दिया गया। इसके पश्चात् 4 मार्च को आरसीएफ के झील परिसर पर आयोजित फ्लॉवर कम्पटीशन में मिक्स्ड मौसमी फूल, फ्लॉवर अरेंजमेंट, कट फ्लॉवर, बोन्साई, बारहमासी और सजावटी पौधों के इलावा घरेलू गार्डन



में उगाई गई फल-सब्जियों का कम्पीटीशन करवाया गया। इसके इलावा घरों में उगाए गए फलों-सब्जियों से बनाये गए अचार, मुरब्बा, जैम/स्क्वाश की प्रतियोगिता भी करवाई गई। फ्लॉवर कम्पटीशन में प्रदर्शित फूलों, फलों तथा इससे बनाए गए घरेलु उत्पादों का निरीक्षण भी आरसीएफ महिला कल्याण संगठन की टीम द्वारा किया गया। फ्लॉवर कम्पीटीशन में 12 वर्गों के लिए कुल 269 एंट्रियां प्राप्त हुई और 74 पुरस्कार दिए गए। इस मौके पर प्रतियोगिताओं के विजेताओं को महाप्रबंधक श्री अशेष अग्रवाल द्वारा सम्मानित भी किया गया था। 5 मार्च को प्रतिभागियों द्वारा प्रदर्शित किए गए सभी फूलों फलों, सब्जियों तथा विभिन्न उत्पादों को आरसीएफ के झील परिसर पर सभी आगंतुकों के देखने के लिए खोल दिया गया।

मेट्रो रेलकर्मी श्री सायंतन दास बने भारत के 81वें ग्रैंडमास्टर

मेट्रो रेलकर्मी श्री सायंतन दास भारत के 81वें ग्रैंडमास्टर बन गए हैं। श्री दास ने फ्रांस में कान्स ओपन-2023 का खिताब जीतकर पश्चिम बंगाल के 11वें ग्रैंडमास्टर बनने का गौरव हासिल किया। इस टूर्नामेंट की जीत से उन्होंने 2500 एलो पॉइंट बैरियर को पार कर लिया जो ग्रैंडमास्टर का खिताब पाने के लिए 3 अन्य मानदंडों के साथ अनिवार्य है। इस टूर्नामेंट से पहले ही उनके पास 4 नॉर्म्स थे। कांस में 20 से 26 फरवरी तक आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में 12 ग्रैंडमास्टर्स ने हिस्सा लिया। रूसी ग्रैंडमास्टर अलेक्जेंडर मोतीलेव 2,624 एलो पॉइंट के साथ इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले शीर्षस्थ श्रेणी (रेटेड) के खिलाड़ी थे। सायंतन ने उन्हें अंतिम दौर में हरा दिया। कान्स में उन्होंने 9 राउंड के अंत में 7.5 अंक बनाए और टूर्नामेंट के एकमात्र चैंपियन बने। इससे पहले सायंतन ने वर्ष 2013 में एक कैलेंडर वर्ष में अंडर-15, अंडर-17 और अंडर-19 नेशनल चैंपियनशिप जीतकर सबको चौंका दिया था। वे 2008 में वियतनाम में अंडर-12 के वर्ल्ड चैंपियन भी रहे थे। कान्स में ट्रॉफी हासिल करने के बाद सायंतन ने मेट्रो अधिकारियों, सहकर्मियों के साथ-साथ अपने माता-पिता और कोचों को उनकी काबलियत पर भरोसा जताने के लिए धन्यवाद दिया। मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधक श्री अरुन अरोरा ने सायंतन को इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाई दी।



जेएसएल-एनएफआर पूर्वोत्तर हाफ मैराथन संपन्न



जेएसएल-एनएफआर पूर्वोत्तर हाफ मैराथन शृंखला का दूसरा संस्करण दिनांक 26 फरवरी, 2023 को प्रतिष्ठित दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (डीएचआर) में सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। दार्जिलिंग के सांसद श्री राजू बिष्ट; पू. सी. रेल के महाप्रबंधक श्री अंशुल गुप्ता और जिंदल स्टेनलेस के निदेशक श्री तरुण खुल्बे की उपस्थिति में मैराथन दौड़ को झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जैमलिंग नोर्गे (महान तेनजिंग नोर्गे के पुत्र); मीरा राय, नेशनल ज्योग्राफिक एडवेंचरर ऑफ द ईयर की विजेता; उदय कुमार, पैराथलीट; जय बालाजी ग्रुप के सीईओ गौरव जाजोदिया और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

पश्चिम रेलवे का विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन

पश्चिम रेलवे के कई खिलाड़ियों ने सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में भारतीय रेल का प्रतिनिधित्व किया और पोडियम फिनिश करके हमें गौरवान्वित किया है। शतरंज खिलाड़ी और पश्चिम रेलवे शतरंज टीम के कोच अमरदीप बाराटाके ने पंजाब के संगरूर में राष्ट्रीय एमेच्योर शतरंज चैंपियनशिप जीती। यह भी उल्लेखनीय है कि उन्हें मई, 2023 में ग्रीस में होने वाली विश्व एमेच्योर शतरंज चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए भी चुना गया है। स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा गाचीबोवली स्टेडियम स्विमिंग पूल, हैदराबाद में आयोजित ऑल इंडिया इंटर क्लब वाटर पोलो चैंपियनशिप, 2023 में पश्चिम रेलवे की वॉटर पोलो टीम ने एक और उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जीत हासिल की। पश्चिम रेलवे की खो-खो टीम ने सेंट्रल रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा सोलापुर में आयोजित अखिल भारतीय रेल खो-खो चैंपियनशिप 2022-23 में रजत पदक जीता। पुरुषों की बास्केटबॉल टीम ने ईस्टर्न रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा कोलकाता में आयोजित अखिल भारतीय रेल बास्केटबॉल (पुरुष) चैंपियनशिप 2022-23 में तीसरा स्थान हासिल किया।



पूर्वोत्तर रेलवे के खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन



पूर्वोत्तर रेलवे के कुश्ती खिलाड़ी आशु ने क्रोएशिया की राजधानी जगरेब में आयोजित फर्स्ट विश्व रैंकिंग सीरीज 2022-23 में 67 किग्रा. भार वर्ग ग्रीको रोमन स्टाइल में कांस्य पदक जीत कर देश को गौरवान्वित किया। इससे पूर्व, आशु ने सीनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप एवं सीनियर विश्व कप जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया तथा सीनियर एशियन चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। नई दिल्ली में आयोजित ऑल इंडिया रेलवे मैराथन चैंपियनशिप में 26 फरवरी, 2023 को पूर्वोत्तर रेलवे के एथलीट रंजीत पटेल ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री चन्द्र वीर रमण ने रंजीत पटेल को बधाई दी। पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) के अध्यक्ष श्री योगेश मोहन, महासचिव श्री पंकज कुमार सिंह एवं सहायक क्रीड़ा अधिकारी श्री चन्द्र विजय सिंह ने भी रंजीत पटेल आशु की इस उपलब्धि पर बधाई दी। रंजीत पटेल का गहन प्रशिक्षण एथलेटिक्स कोच श्री विनोद कुमार सिंह की देख-रेख में चल रहा है। रंजीत पटेल पूर्वोत्तर रेलवे के प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक कार्यालय में लिपिक के पद पर कार्यरत हैं।

बरेका कर्मी ने 66वीं अखिल भारतीय रेल गोल्फ प्रतियोगिता की व्यक्तिगत स्पर्धा में जीता स्वर्ण पदक

बनारस रेल इंजन कारखाना में खेल-कूद संघ के तत्वावधान में 66वीं अखिल भारतीय रेल गोल्फ प्रतियोगिता दिनांक 15 मार्च को सम्पन्न हुई, जिसमें बरेका के खिलाड़ी श्री हेमंत यादव ने व्यक्तिगत स्पर्धा में 137 अंकों के साथ स्वर्ण पदक प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर 139 अंकों के साथ चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स के श्री विनय कुमार यादव ने रजत पदक एवं दक्षिण मध्य रेलवे के श्री सचिन चौहान ने 141 अंकों के साथ कांस्य पदक प्राप्त किया। टीम स्पर्धा में 439 अंकों के साथ दक्षिण मध्य रेलवे प्रथम स्थान पर रही। 441 अंकों के साथ चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स द्वितीय तथा 443 अंकों के साथ रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।



68वीं अखिल भारतीय अंतर रेलवे टेनिस चैंपियनशिप संपन्न



दक्षिण मध्य रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने 17 से 20 मार्च, 2023 तक 68वीं अखिल भारतीय इंटर रेलवे टेनिस चैंपियनशिप का सफलतापूर्वक आयोजन किया और आयोजन का समापन समारोह 21 मार्च, 2023 को आयोजित किया गया। पुरुषों के प्रसिद्ध एकल चैंपियनशिप में द.पू.रे. के श्री रामकुमार ने पू.रे. के श्री अनवर अली को हराया। पुरुषों की वेटरन डबल्स चैंपियनशिप में, दक्षिण मध्य रेलवे के श्री राजेंद्र प्रसाद और श्रीनिवास ने द.म.रे. के ही श्री मुनीर पाशा और श्री इसहाक को हराया। पुरुष एकल चैंपियनशिप में आईसीएफ के श्री नितिन कुमार सिन्हा ने द.म.रे. के श्री सिद्धार्थ को हराया। पुरुष युगल चैंपियनशिप में आईसीएफ के श्री पृथ्वी शेखर और श्री नितिन कुमार सिन्हा ने द.म.रे. के श्री पीसी विग्नेश और श्री सिद्धार्थ को हराया।





तमिलनाडु के नागरकोइल में आयोजित 72वीं सीनियर राष्ट्रीय (पुरुष और महिला) भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2022-23 में विजेता बनने वाली भारतीय रेल भारोत्तोलन महिला टीम और उपविजेता बनने वाली पुरुष टीम।

भारतीय रेल के भारोत्तोलकों के लिए 2023 की विजयी शुरुआत: साल की शानदार शुरुआत के साथ भारतीय रेल की पुरुष और महिला भारोत्तोलक टीमों ने तीनों डिवीजनों में राष्ट्रीय चैंपियनशिप के साथ-साथ नए स्थापित 'प्लेयर ऑफ द ईयर' का खिताब अपने नाम किया। दोनों टीमों ने 14 मेडल जीते।





पुणे में 24 से 28 फरवरी, 2023 तक आयोजित 84वीं सीनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय रेल के खिलाड़ी मिथुन मंजूनाथ ने पुरुष एकल और हेमा नागेंद्र बाबू और कनिका कंवल ने मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक जीता। रेलवे के खिलाड़ियों ने क्रमश: 40 और 24 साल बाद उपलब्धि हासिल की।

भारत एशियाई क्रॉस-कंट्री भारतीय महिला टीम, सुश्री सोनिका, सुश्री छवी यादव और सुश्री पर हावी है। रेलवे परिवार के मुन्नी देव ने नेपाल में आयोजित एशियन क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में चैंपियनशिप का खिताब जीता। सुश्री सोनिका ने व्यक्तिगत वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया।



भारतीय रेल में आईपी आधारित एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली

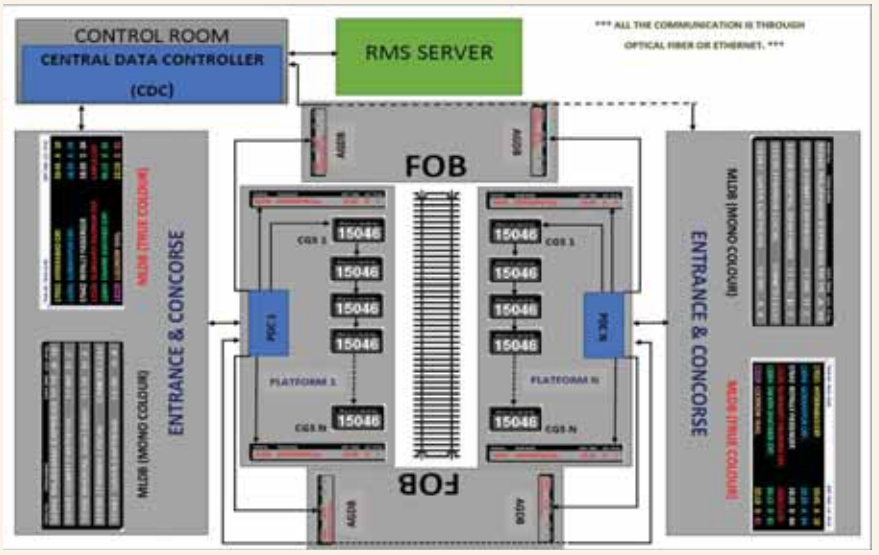
श्री संतोष कुमार अग्रवाल
सहायक डिजाइन इंजीनियर/दूरसंचार
आरडीएसओ/लखनऊ

श्री मनीष कुमार गुप्ता
सीनियर सेक्शन इंजीनियर/दूर संचार
आरडीएसओ/लखनऊ

सार : 'एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली का उद्देश्य यात्रियों को रेलगाड़ी के आगमन/प्रस्थान की जानकारी तथा कोई अन्य वीडियो/चित्र/चेतावनी की जानकारी प्रदान करना है।' इसके अतिरिक्त, भारतीय रेल द्वारा इस प्रणाली का उपयोग व्यावसायिक विज्ञापन एवं वीडियो की जानकारी हेतु एक साथ किया जाता है।

उन्नत प्रणाली में विभिन्न मॉड्यूल के मध्य संचार हेतु मानक आईपी तकनीक का उपयोग किया जाता है। दूरस्थ मॉनिटरिंग प्रणाली (आरएमएस) का उपयोग रेलनेट पर सुरक्षित लॉग-इन का उपयोग करके स्ट्रीम किए जा रहे डॉटा एवं उपस्करों की स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी हेतु किया जाता है। विभिन्न वेंडरों की प्रणालियों की अंतर्प्रचालनीयता हासिल करने के लिए सॉफ्टवेयर को हार्डवेयर से स्वतंत्र बनाया जाता है। तांबे एवं ऑप्टिकल इंटरफेस के लिए इनपुट और आउटपुट कनेक्टर भी परिभाषित किए गए हैं ताकि विभिन्न वेंडरों की युक्तियों का उपयोग प्लग-एन-प्ले डिवाइस के रूप में किया जा सके। विभिन्न वेंडरों के डिस्प्ले बोर्डों पर एक समान रूप बनाए रखने हेतु विभिन्न प्रकार के डिस्प्ले बोर्डों के आयामों को पारिभाषित किया गया है।

इस प्रणाली में नेटवर्क वाले इंडोर और आउटडोर वीडियो डिस्प्ले बोर्ड, ट्रेन इंडीकेशन डिस्प्ले, कोच गाइडेंस डिस्प्ले और पीसी आधारित उद्घोषणा प्रणाली शामिल है। मल्टीकलर डिस्प्ले बोर्ड में ट्रेन नं., ट्रेन का नाम, आगमन या प्रस्थान की स्थिति, समय एवं प्लेटफॉर्म नं. दिखाने के लिए उपयोग किए जाने वाले विभिन्न क्षेत्रों को यात्रियों को आसानी से पढ़ने और अंतर करने हेतु अलग-अलग रंगों में



आईपी आधारित आईपीआईएस का योगनागत डायाग्राम

प्रदर्शित किया जा सकता है। कुछ विशेष दर्जे वाली रेलगाड़ियों को विभिन्न रंगों में प्रदर्शित किया जा सकता है। यात्रियों का ध्यान आकर्षित करने हेतु स्टेटस, जैसे कैंसिल, प्लेटफॉर्म परिवर्तन आदि को विशेष रंगों में प्रदर्षित किया जा सकता है।

परिचय : आईपी आधारित आईपीआईएस एक स्वचालित प्रणाली है जो यात्रियों को रेलगाड़ी की प्रकृति एवं स्थिति के बारे में नवीनतम जानकारी प्रदान करती है।

- यह रेलगाड़ी के आगमन/प्रस्थान, पीसी आधारित उद्घोषणा, टू कलर वाणिज्यिक विज्ञापन एवं विभिन्न वीडियो/चित्र/चेतावनी संबंधी जानकारी प्रदान करती है।
- इसमें एक केंद्रीय डाटा नियंत्रक (सीडीसी) और विभिन्न प्रकार के डिस्प्ले शामिल हैं जो नेटवर्किंग कार्यक्षमता के साथ विभिन्न स्टेशनों पर रखे गए हैं।
- विभिन्न युक्तियों के साथ संचार करने हेतु एक आईपी आधारित सेंट्रल रिंग नेटवर्क बनता है।
- सभी ऑपरेशन स्थानीय ऑपरेटरों द्वारा सॉफ्टवेयर के माध्यम से किए जाते हैं।
- वेब-आधारित रिमोट मॉनिटरिंग सिस्टम (आरएमएस) का उपयोग समान नेटवर्क के भीतर किसी भी स्थान से दूरस्थ रूप से सिस्टम की निगरानी करने हेतु किया जाता है।

अनुप्रयोग

- पीसी आधारित घोषणा और किसी अन्य वीडियो/चित्र/चेतावनी के साथ विभिन्न प्रकार के एलईडी डिस्प्ले बोर्ड पर रेलगाड़ियों के आगमन/प्रस्थान की जानकारी प्रदान करने हेतु रेलवे स्टेशनों पर आईपी आधारित एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली संस्थापित की गई है।
- इस प्रणाली में केंद्रीय डाटा नियंत्रक होता है जो पूरी तरह से सॉफ्टवेयर आधारित

उद्घोषणा प्रणाली एवं विभिन्न प्रकार के एलईडी डिस्प्ले बोर्ड से भरा होता है।

- एक समय में कई रेलगाड़ियों की स्थिति को प्रदर्शित करने हेतु रेलवे स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार/कॉनकोर्स पर मल्टीलाइन डिस्प्ले बोर्ड लगाए गए हैं।
- प्लेटफॉर्म डिस्प्ले बोर्ड प्लेटफॉर्म विशेष की रेलगाड़ी संबंधी जानकारी प्रदर्शित करने हेतु प्लेटफॉर्म पर लगाए गए हैं।
- रेलगाड़ी के कोच संयोजन सहित प्लेटफॉर्म पर आने/जाने वाली रेलगाड़ी के विवरण को दर्शाने हेतु प्लेटफार्म/फुट ओवर ब्रिज के प्रवेश पर कोच संरचना सहित एक नजर में डिस्प्ले बोर्ड प्रदान किए जाते हैं।
- रेलगाड़ी के कोच की स्थिति प्रदर्शित करने हेतु प्लेटफॉर्म पर कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्ड (सीजीडीबी) लगे हैं।

लाभ

- सतत् सजीव उद्घोषणा एवं डिस्प्ले यात्रियों की सुरक्षित एवं स्थायी आवाजाही में सहायता करता है।
- टू कलर एवं टीवी डिस्प्ले हेतु स्थान की बिक्री के लाभ में योगदान करते हैं।
- स्टेशन में प्रवेश करने वाला कोई भी व्यक्ति जानता है कि जानकारी प्रदर्शित करने के लिए रुकना कितना महत्त्वपूर्ण है।
- प्रत्येक परिदृश्य जैसे प्रतीक्षालय, लाउंज, टिकिट काउंटर, पार्किंग या प्लेटफॉर्मे, में आईपीआईएस प्रणाली समग्र ग्राहक निष्ठा को बढ़ाती है और प्रत्येक में भ्रम को कम करती है।
- यात्रियों को आसानी से पढ़ने और अंतर करने के लिए ट्रेन नं., ट्रेन का नाम, आगमन/प्रस्थान की स्थिति, समय और प्लेटफॉर्म संख्या को अलग-अलग रंगों में प्रदर्शित किया जाता है।
- कुछ विशेष दर्जा प्राप्त रेलगाड़ियों को विभिन्न रंगों में प्रदर्शित किया जा सकता है। यात्रियों का ध्यान आकर्षित करने हेतु स्टेटस जैसे कैंसिल, डायवर्ट, प्लेटफॉर्म परिवर्तन आदि को विशेष रंगों में प्रदर्शित किया जा सकता है।
- पूर्ण रंग एवं पूर्ण मैट्रिक्स डिस्प्ले होने के कारण प्रणाली का उपयोग विशेष रूप से डिजाइन किए गए संदेशों को प्रदर्शित करने और लाइव वीडियो सहित अवसरों के आधार पर सामग्री (टेक्स्ट, ग्राफिक्स और वीडियो क्लिपिंग) प्रदर्शित करने के लिए किया जा सकता है।

आईपी आधारित आईपीआईएस की मुख्य विशेषताएं :

- मंडल मुख्यालय/क्षेत्रीय मुख्यालय/या किसी अन्य दूरस्थ स्थानों से दूरस्थ निगरानी प्राप्त करने के लिए रेलनेट/लैन से जूडे एक नेटवर्क पर पूर्ण आईपी आधारित प्रणाली।
- रिमोट मॉनिटरिंग सर्वर (आरएमएस) की शुरुआत-दूरस्थ स्थान से वर्तमान प्रदर्शित डाटा, डाउन टाइम आदि सहित कैश डिस्प्ले डिवाइस पर दूरस्थ रूप से निगरानी, निदान और रिपोर्ट करने हेतु शामिल निगरानी और रिपोर्टिंग हेतु उपयोगी सुविधा। आरएमएस में रेलनेट से जोड़ने का प्रावधान भी पैन इंडिया में सभी आईपी आधारित आईपीआईएस के भविष्य के एकीकरण हेतु शामिल किया गया है।
- प्रोटोकॉल को परिभाषित और आईईईई का उपयोग करके प्रणाली स्तर की वेंडर अंतर्प्रचालनीयता प्राप्त की गई। सभी प्रकार के उपकरणों में मानक ईथरनेट कनेक्टिविटी। अंतर्प्रचालनीयता हासिल करने और वेंडर लॉक-इन को कम करने हेतु हार्ड वेयर से स्वतंत्र सॉफ्टवेयर।
- कॉपर और ऑप्टिकल इंटरफेस हेतु इनपुट और आउटपुट कनेक्टरों को भी परिभाषित किया गया है ताकि विभिन्न वेंडरों के उपकरणों को प्लग-इन-प्ले डिवाइस के रूप में प्रयोग किया जा सके।
- विभिन्न वेंडरों के डिस्प्ले बोर्ड पर एक समान रूप बनाए रखने हेतु विभिन्न प्रकार के डिस्प्ले बोर्डे के आयामों को कड़ाई से परिभाषित किया गया है।
- आईपीआईएस (आरडीएसओ/एसपीएन/टीसी/61) और टू कलर वीडियो-कम-ट्रेन इन्फार्मेशन डिस्प्ले सिस्टम (आरडीएसओ/एसपीएन/टीसी/67) नामक दो मदों का विलय करके सिंगल स्पेसिफिकेशन में स्टेशन की आवश्यकतानुसार टू कलर और मोनो कलर डिस्प्ले बोर्ड।
- समग्र प्रदर्शन आकार में पर्याप्त समझौता किए बिना इनडोर और आउटडोर वीडियो डिस्प्ले इकाइयों की कम पिक्सेल पिच उच्च व्यावसायिक उपयोग हेतु मीडिया की बेहतर दृश्यता को सक्षम बनाती है।
- स्थानीय स्टेशनों से दूरस्थ संचालन को सक्षम बनाने वाले डिस्प्ले बोर्डों का ऑप्टिकल फाइबर केबिल आधारित डाटा संचार। 25 केवी विद्युत कर्शण द्वारा हस्तक्षेप से बचने और उच्च बेंडविड्थ प्राप्त करने हेतु ओएफसी का डॉटा संचार।
- दृश्यता में स्पष्टता सुनिश्चित करने तथा प्रदर्शन बोर्डों की तुलना में इस प्रणाली का लंबे लीवनकाल हेतु टीवी/प्लाज्मा हेतु औद्योगिक ग्रेड के मॉनीटर का उपयोग।
- बेहतर प्रदर्शन, उपलब्धता, लो हीट क्षय तथा लागत और वजन में कमी करने हेतु लीडेड आर+जी+बी एलईडी के स्थान पर थ्री-इन-वन एसएमडी एलईडी का उपयोग।
- सभी प्रदर्शन इकाइयों का निर्माण एक ही प्रदर्शन मॉड्यूल का उपयोग करके किया जाता है। इससे संस्थापन और परिवहन सरल और रखरखाव आसान हो जाता है।
- अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर विंडोज आधारित, अधिक सुरक्षित और उपयोग में आसान है।
- डाटा अखंडता तब भी बनी रहती है जब विभिन्न उपयोगकर्ता दोनों सर्वरों के साथ-साथ आरएमएस में भी सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हैं।
- आरएमएस को वेब-आधारित बनाया गया है ताकि आईपीआईएस को उसी नेटवर्क में दूरस्थ रूप से जुड़े किसी भी सामान्य पीसी से मॉनिटर किया जा सके।
- भविष्य के संदर्भ हेतु विभिन्न अनुकूलित रिपोर्ट तैयार की जा सकती हैं।
- डिस्प्ले बोर्ड की तीव्रता को स्वचालित मोड या मैन्युअल मोड में समायोजित किया जा सकता है।

- सॉफ्टवेयर को इस तरह से डिजाइन किया गया है ताकि यूजर इंटरफेस (यूआई) बहुत आसान रहे।
- किसी भी नई जोड़ी गई ट्रेन के लिए, वाह्य रूप से रिकॉर्ड की गई एनाउंसमेंट फाइलें यूजर इंटरफेस के माध्यम से स्वचालित रूप से जुड़ जाती हैं।
- मुखपृष्ठ को केवल उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने के लिए सभी सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।
- डेटा ट्रांसफर हेतु मानक टीसीपी/आईपी एवं यूडीपी प्रोटोकॉल का उपयोग किया जाता है।
- डेटा ट्रांसफर और एनाउंसमेंट सिंगल क्लिक बटन द्वारा की जाती है।
- एनटीईएस (नेशनल ट्रेन इंक्वायरी सिस्टम) और सीओआईएस (कोचिंग ऑपरेशंस इंफॉर्मेशन सिस्टम) से डेटा अपडेट करने का प्रावधान।
- आसान जोड़, विलोपन और रेलगाड़ी, डिब्बों और अन्य विवरणों में संशोधन।
- मानक पीसी आधारित रेलगाड़ी, डिब्बे, नारा और विशेष घोषणा।
- मैनुअल विशेष संदेश रिकॉर्डिंग और प्लेबैक सुविधा।
- सभी भाषाओं में आंकड़ों की उपलब्धता हेतु यूनिकोड मानदंड।
- क्षेत्रीय प्रदर्शन भाषा और उद्घोषणा भाषा समर्थित हैं।
- समग्र प्रणाली संचार हेल्थ स्थिति संकेत से युक्त।
- एमएलडीबी, आईवीडी और ओवीडी की लाइनों की संख्या आसानी से कॉनफिगर कर सकते हैं।
- ओवीडी (आउटडोर वीडियो डिस्प्ले) और आईवीडी (इंडोर वीडियो डिस्प्ले) पर विशिष्ट रेलगाड़ी की स्थिति की जानकारी को विभिन्न रंगों में अनुकूलित किया जा सकता है।

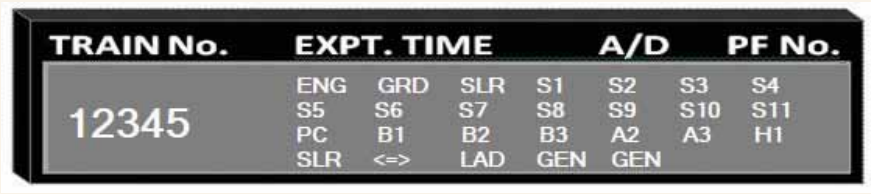


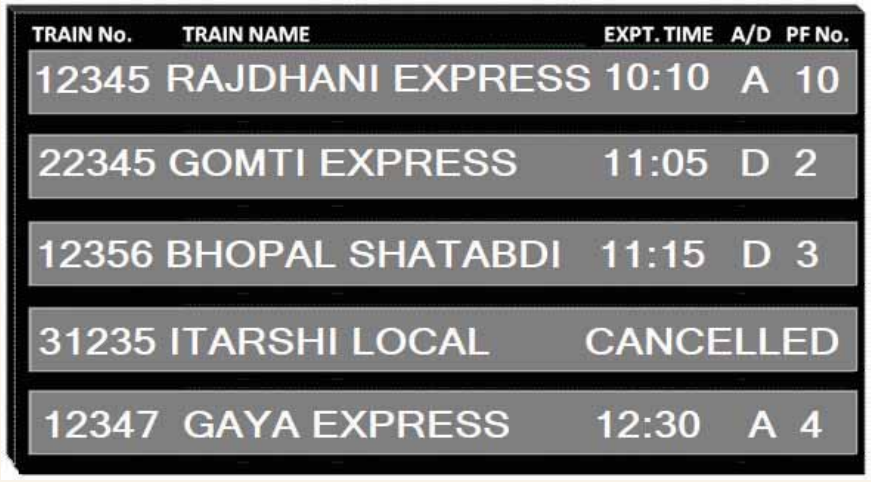


प्रणाली का विवरण :

आईपी आधारित एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली (आईपीआईएस) में केंद्रीय आंकड़ा नियंत्रक (सीडीसी) शामिल है जो घोषणा और प्रदर्शन के लिए सॉफ्टवेयर, रिमोट मॉनिटरिंग सॉफ्टवेयर (आरएमएस), पीडीसी (प्लेटफॉर्म डेटा कंट्रोलर), एलईडी डिस्प्ले (टीवी) और विभिन्न आकार के डिस्प्ले बोर्ड, जैसे सिंगल लाइन, मल्टीलाइन, एट ए ग्लान्स, टू कलर इनडोर और आउटडोर वीडियो डिस्प्ले, कोच गाइडेंस आदि से युक्त है।

केंद्रीय आंकड़ा नियंत्रक (सीडीसी) :





डेटा सिंक्रोनाइज करने हेतु केंद्रीय डेटा स्विच (सीडीएस) के माध्यम से दो सीपीयू (पीसी) से जुड़े मानक कैबिनेट, लाइव घोषणा के लिए कीबोर्ड-वीडियो-माउस (केवीएम) स्विच, स्पीकर और माइक्रोफोन के माध्यम से जुड़े होने के लिए एक 17 (न्यूनतम) कलर मॉनिटर।

- सीडीसी पूर्ण नियंत्रण एवं आंकड़ों की प्रविष्टि प्रदान करता है।
- सीडीसी विफलताओं पर बदलाव हेतु एक अन्य प्रणाली के साथ रिडंडेंट मोड में काम करता है।
- लैन लिंक के माध्यम से दो पीसी के बीच निरंतर डेटा सिनक्रोनाइजेशन।
- पीसी अनाउंसमेंट के लिए वॉयस रिकॉर्डिंग और वॉयस प्लेबैक सुविधा प्रदान की गई है।
- विभिन्न ट्रेन सूचना प्रणालियों, जैसे, एनटीईएस, सीओआईएस आदि से डेटा लेने के लिए हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर से युक्त।

- स्टेशन में लगे प्रत्येक सिस्टम से संचार करता है।
- घोषणा एवं प्रदर्शन रेलगाड़ी सूचना हेतु चयन तंत्र, घोषणा एवं प्रदर्शन हेतु भाषा अर्थात् क्षेत्रीय, हिंदी, अंग्रेजी या तीनों भाषाएं।
- व्यावसायिक विज्ञापन, मनोरंजक कार्यक्रम तथा अन्य सूचनाओं हेतु आईवीडी एवं ओवीडी पर वीडियो एवं चित्र प्रदर्शन।

केंद्रीय आंकड़ा नियंत्रक (सीडीसी)

- 5.2 प्लेटफॉर्म डेटा कंट्रोलर (पीडीसी)
- पीडीसी की डिजाइन न्यूनतम 32-बिट माइक्रोकंट्रोलर पर आधारित है।
- राउटिंग पैकेट्स हेतु लेयर-2 स्विच अनुकूलता सुविधाएं।
- संचार या तो ऑप्टिकल फाइबर या ईथरनेट के माध्यम से होता है।
- पीडीसी डिस्प्ले डिवाइस को डाउनस्ट्रीम करने के लिए सीडीसी से डेटा को रूट करता है।
- यह पैकेटों की इंटिग्रिटी की जांच करता है और दूषित पैकेटों को संचरण से हटा देता है।
- यह प्रत्येक सिस्टम से लिंक की जांच करता है तथा स्थिति को सीडीसी को भेजता है।
- पीडीसी हेल्थ स्टेटस एलईडी पर स्थानीय रूप से प्रदर्शित होता है तथा सीडीसी को भी संचारित करता है।
- दोषपूर्ण पार्ट्स को जानने के लिए ऑपरेटर को सेल्फ-डायग्नोस्टिक रूटीन प्रदान किया जाता है।
- 5.3 मल्टीलाइन डिस्प्ले बोर्ड (मोनो कलर) रेलगाड़ी से संबंधित सूचनाओं, जैसे रेलगाड़ी संख्या, नाम, आगमन/प्रस्थान का समय तथा प्लेटफॉर्म संख्या को मोनो कलर में प्रदर्शित करता है। यह आने और जाने वाली, दोनों रेलगाड़ियों की सूचना क्रेता के निर्णय के अनुसार प्रदर्शित करेगी। मल्टीलाइन डिस्प्ले बोर्ड स्टेशन के मुख्य द्वार/कॉन्कोर्स पर लगाया जाएगा।

एक सामान्य डिस्प्ले (मोनो कलर)

मल्टीलाइन डिस्प्ले बोर्ड (मल्टी कलर) रेलगाड़ी की सूचना मल्टी कलर में व्यावसायिक, मनोरंजक कार्यक्रम एवं अन्य सूचनाएं यात्रियों को प्रदर्शित करता है। मल्टीकलर मल्टीलाइन डिस्प्ले बोर्ड दो प्रकार का होता है: (i) आउटडोर वीडियो डिस्प्ले (ओवीडी) (ii) इनडोर वीडियो डिस्प्ले (आईवीडी)।

- रेलगाड़ियों की सूचना मल्टी कलर में तथा रेलवे के प्रचार वीडियो या व्यावसायिक विज्ञापनों को प्रदर्शित करता है।
- आने वाली/जाने वाली रेलगाड़ियों/आगमन/प्रस्थान/सभी के रूप में वर्गीकृत।
- हाई रिजॉल्यूशन के साथ एक बड़ा सामंजस्यपूर्ण प्रदर्शन बनाने हेतु मॉड्यूलर निर्माण।
- एलईडी मॉड्यूल्स को आपस में परस्पर बदला जा सकता है तथा इन्हें कहीं भी उपयोग किया जा सकता है।
- प्रत्येक मॉड्यूल में एलईडी तथा ड्राइवर्स होते हैं।
- स्क्रॉलिंग, फ्लैशिंग मैसेज लाइन प्रदान किए जाते हैं।
- पानी से बचाव के लिए गैसकेट्स/कनेक्टर्स तथा कैबिनेट में धूल के प्रवेश से बचाव हेतु एयर फिल्टर्स लगाए गए हैं।
- वीडियो/इमेज फॉर्मेट की विस्तृत शृंखला को सपोर्ट करता है।
- विभिन्न स्टेटस के लिए विभिन्न रंग।
- इन्हें कॉनकोर्स/प्रतीक्षा हॉल/प्रवेश द्वार पर खंभों या दीवारों पर लगाया जा सकता है।
- प्रदर्शित सूचना को अंग्रेजी, हिंदी तथा क्षेत्रीय भाषा के साथ-साथ टाइम स्लॉट के आधार पर हो सकता है।

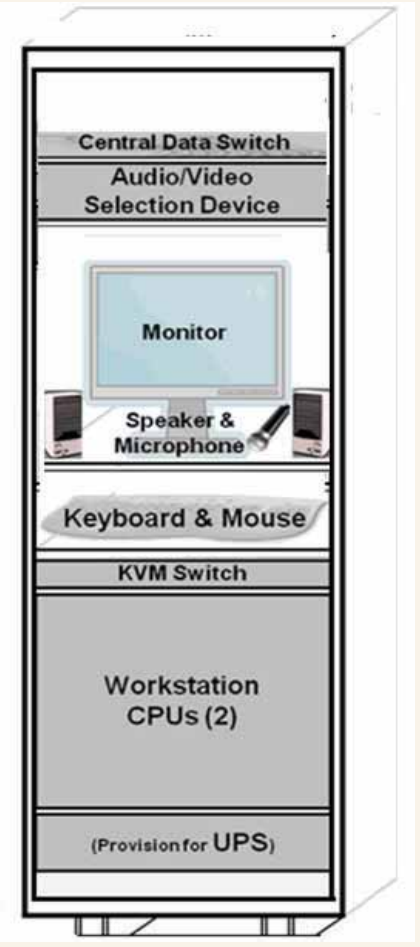
एक सामान्य डिस्प्ले (मल्टी कलर)

प्लेटफॉर्म डिस्प्ले बोर्ड प्लेटफॉर्म से आगमन/प्रस्थान हेतु निर्धारित रेलगाड़ियों अर्थात् मोनो कलर में रेलगाड़ी संख्या, रेलगाड़ी का नाम, आगमन/प्रस्थान की सूचना प्रदर्शित करता है। प्लेटफॉर्म डिस्प्ले बोर्ड को प्लेटफॉर्म/पैदल यात्री पुलों पर उपयुक्त स्थान पर लगाया जाएगा।

एक सामान्य प्लेटफॉर्म डिस्प्ले (सिंगल लाइन डिस्प्ले) एट-ए-ग्लांस डिस्प्ले बोर्ड :

- यह उस प्लेटफॉर्म से रेलगाड़ी के आने/जाने की जानकारी को कोच संरचना के साथ प्रदर्शित करता है।
- प्रत्येक 16x192 की दो लाइन एलईडी मैट्रिक्स पर रेलगाड़ी की जानकारी दी जाती है।
- प्रत्येक 8x192 की दो लाइन एलईडी मैट्रिक्स में कोच संरचना की सूचना प्रदर्शित होती है।
- रेलगाड़ी की सूचना तथा कोच संरचना की सूचना वैकल्पिक रूप से प्रदर्शित होते हैं।
- यह सिंगल या डबल फेस का हो सकता है।
- इसे 1, 2 या सभी प्लेटफॉर्मों हेतु कॉनफिगर किया जा सकता है।
- चित्र 6 एट ए ग्लांस डिस्प्ले।
- यह प्रत्येक 16x192 की दो लाइन एलईडी मैट्रिक्स के रूप में रेलगाड़ी की सूचना प्रदर्शित करती है।

कोच गाइडेंस Fm डिस्पले बोर्ड यात्रियों के मार्गदर्शन हेतु उस प्लेटफॉर्म से आगमन/



प्रस्थान हेतु निर्धारित रेलगाड़ियों के डिब्बों की संख्या की स्थिति को मोनो कलर में प्रदर्शित करता है।

कोच गाइडेंस डिस्प्ले

डिस्प्ले मॉनिटर/एलईडी टीवी मल्टीलाइन डिस्प्ले बोर्ड पर प्रदर्शित होने वाली रेलगाड़ी की जानकारी प्रदर्शित करता है।



डिस्प्ले मॉनिटर पूछताछ कार्यालयों, प्रतीक्षा कक्षों या किसी उपयुक्त इनडोर एप्लिकेशन पर ही प्रदान किया जाएगा।

- टीवी डिस्प्ले केवल इंडोर एप्लिकेशन, जैसे नियंत्रण कक्ष, प्रतीक्षा कक्ष, पूछताछ कार्यालयों आदि के लिए है।



- मॉनिटर डिस्प्ले लैन नेटवर्क पर भी कॉनफिगर किया जाता है।
- यह रेलगाड़ी के आंकड़ों, मीडिया तथा साथ ही कोच डेटा को प्रदर्शित कर सकता है।
- मीडिया को ऑडियो के साथ या बिना ऑडियो के प्ले करने का प्रावधान।
- टीवी डिस्प्ले सूचना को सभी तीन भाषाओं (हिंदी, अंग्रेजी तथा क्षेत्रीय) में प्रदर्शित करता है।

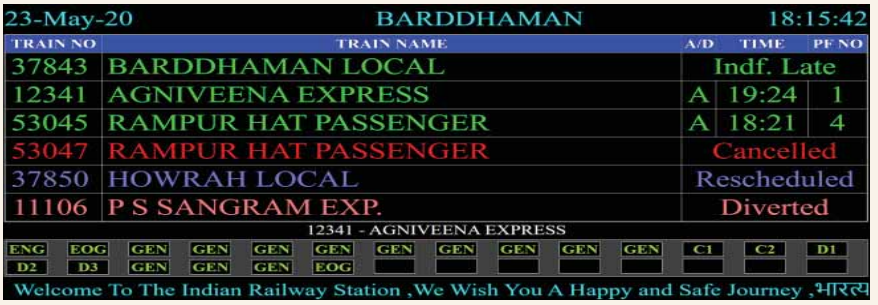
एक सामान्य टीवी मॉनिटर डिस्प्ले

आरएमएस सर्वर सुदूर निगरानी हेतु प्रत्येक स्टेशन पर प्रदान किए जाएंगे। सीडीसी आरएमएस से जुड़ा रहेगा तथा सुदूर निगरानी के लिए आरएमएस को रेलनेट/किसी अन्य उपयुक्त नेटवर्क से जोड़ा जा सकता है। आरएमएस में निम्नलिखित सूचनाओं की निगरानी की जा सकती है-

- रेलगाड़ी निगरानी रेलगाड़ी एवं कोच डेटा से संबंधित सूचनाएँ प्रदान करता है।
- अंत में भेजे गए आंकड़ों के बारे में सूचित करता है।
- सीडीसी की स्थिति के बारे में बताता है।
- कॉनफिगर किए गए एवं जुड़े हुए डिवाइस की संख्या की जानकारी प्रदान करता है।
- एनटीईएस/सीओआईएस की स्थिति।
- नेटवर्क मॉनिटरिंग डिवाइस के बारे में विस्तृत सूचना प्रदान करता है।
- डिवाइस मॉनिटरिंग डिवाइस की लिंक स्थिति की जानकारी प्रदान करता है।
- डिवाइस, नाम, आईपी एड्रेस तथा लिंक स्टेटस प्रदान किया जाता है। लाल का अर्थ है- न जुड़ा हुआ, हरे का अर्थ है- जुड़ा हुआ।

निष्कर्ष

आईपीआईएस स्टेशन क्षेत्र में यात्रियों की सुरक्षित और समय पर आवाजाही के लिए बहुत उपयोगी यात्री सुविधा रही है। आईपी आधारित आईपीआईएस की शुरुआत ने संचार के लिए उपयोग किए जाने वाले मानक प्रोटोकॉल, एकसमान डिस्प्ले बोर्ड, विभिन्न आपूर्ति कर्ताओं की प्रणालियों की अंतर-संचालनीयता, विभिन्न डेटा (इनपुट/आउटपुट) की केंद्रीय रूप से निगरानी, केंद्रीय और साथ ही स्थानीय रूप से तैयार की जाने वाली विभिन्न रिपोर्टों के संबंध में प्रणाली में और सुधार किया है। सिस्टम पैन इंडिया आधार पर भारतीय रेल में सिस्टम के भविष्य के एकीकरण हेतु अवसर प्रदान करता है।





सूचना

'भारतीय रेल' पत्रिका में लेखक के नाम के साथ प्रकाशित हुए लेख (फोटोग्राफ के साथ), लेखक द्वारा उपलब्ध करवाए जाते हैं। भविष्य में लेख तथा फोटोग्राफ्स से संबंधित कॉपी राइट्स के उल्लंघन तथा अन्य किसी भी प्रकार के विवाद के लिए लेखक संपूर्ण रूप से जिम्मेदार होगा। रेल मंत्रालय या संपादकीय टीम किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होगी। लेख में व्यक्त किए गए विचार लेखक के निजी विचार हैं, इनसे संपादक मंडल का सहमत होना जरूरी नहीं है। *-संपादक*

हाइड्रोजन : एक उन्नत ईंधन

शून्य कार्बन उत्सर्जन : भविष्य की ओर बढ़ते कदम

श्री ईशू रत्न श्रीवास्तव
उप सीएमई योजना और एनएचएम

डी-कार्बोनाइजेशन से जुड़ी रणनीतियाँ सबसे हल्के अणु, हाइड्रोजन की ओर केन्द्रित हुई प्रतीत हो रही हैं। अक्षय ऊर्जा संसाधनों से सम्बद्ध अनिश्चितताओं से निपटने लिए हाइड्रोजन आधारित प्रणाली एक महत्त्वपूर्ण भंडारण या ऊर्जा वाहक विकल्प प्रस्तुत करती है। एक ओर जहाँ बैटरी आधारित समाधानों के सम्मुख इष्टतम रासायनिक प्रक्रियाओं को विकसित करने, महत्त्वपूर्ण सामग्रियों और तत्वों की उपलब्धता, निष्कर्षण से जुड़े उत्सर्जन पदचिह्न, रीसाइक्लिंग, चार्जिंग में लगने वाले समय इत्यादि चुनौतियाँ हैं, वहीँ दूसरी ओर हाइड्रोजन आधारित प्रौद्योगिकी अपेक्षाकृत बेहतर तरह से स्थापित रासायनिक प्रक्रियाओं पर आधारित हैं और इन प्रक्रियाओं के परिणाम स्वरूप अहानिकर पानी का उत्सर्जन होता हैं। यदि हम हाइड्रोजन गैस की कुछ विशेषताओं की बात करें तो यह एक रंगहीन, गंधहीन गैस है जो जहरीली तो नहीं है, परन्तु श्वसन में बाधा अवश्य उत्पन्न करती है। यह पेट्रोल या डीजल की तुलना में प्रति किलोग्राम लगभग 2.5 गुना अधिक ऊर्जा वहन करती है, परन्तु चूँकि इसका घनत्व बहुत कम है, अत: इसके लिए तुलनात्मक रूप से काफी बड़े भंडारण की आवश्यकता होती है। यह गैस हवा की तुलना में लगभग 14 गुना हल्की है और तेजी-से ऊपर की ओर बढ़ती है।



हाइड्रोजन : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि-ब्रह्मांड में सभी परमाणुओं का लगभग 90% हाइड्रोजन है। 17वीं शताब्दी में रॉबर्ट बॉयल ने एसिड और आयरन की परस्पर क्रिया के परिणाम के रूप में गैस के बुलबुले की उत्पत्ति के विषय में बताया। हालांकि यह संभव है कि मानव जाति को इसके ज्वलनशील गुणों का एहसास इससे बहुत पहले से ही हो। हेनरी कैवेंडिश ने इसे स्पष्ट रूप से पहचाना और लेवॉइसए द्वारा इसके जल उत्पादक गुणों (हाइड्रो-जेन) के नाम पर इसका नामकरण किया गया। वर्ष 1,800 के आस-पास, इलेक्ट्रोलिसिस अर्थात् पानी में बिजली का प्रवाह करके हाइड्रोजन के उत्पादन का प्रदर्शन किया गया। 20 वीं शताब्दी के मध्य तक तरल हाइड्रोजन ने रॉकेट ईंधन के रूप में अपनी साख स्थापित कर ली थी और फ्यूल सेल आधारित प्रौद्योगिकी को अंतरिक्ष यान में विद्युत प्रणालियों के संचालन हेतु अपनाया जाने लगा। जहाँ तक नागरिक उड्डयन में हाइड्रोजन के उपयोग का प्रश्न है, तो वर्ष 1937 में घटित हिंडनबर्ग आपदा के परिणामस्वरूप में इसकी यह यात्रा अपेक्षाकृत अल्पकालिक ही रही।

हाइड्रोजन योजना के आधार स्तम्भ : डी-कार्बोनाइजेशन के लिए परिकल्पित हाइड्रोजन आधारित योजना मोटे तौर पर इसके निष्कर्षण, ऊर्जा प्रसंस्करण के लिए प्रौद्योगिकी के चयन और लॉजिस्टिक्स के अवयवों पर केंद्रित है।

उत्पादन : हाइड्रोजन अपनी मुक्त अवस्था में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध नहीं है। पारंपरिक रूप से इसे नियंत्रित परिस्थितियों के अन्तर्गत प्राकृतिक गैस की रेफॉर्मिंग प्रक्रिया के माध्यम से उत्पादित किया जाता है। पानी की इलेक्ट्रोलिसिस इसके उत्पादन का एक और महत्त्वपूर्ण तरीका है, हालांकि इसमें अधिक ऊर्जा की खपत होती है, परन्तु इससे प्राप्त हाइड्रोजन अधिक शुद्ध होती है। डी-कार्बोनाइजेशन के उद्देश्य की अनिवार्यता यह मांग करती है कि या तो हाइड्रोजन को पूरी तरह से नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के माध्यम से उत्पादित किया जाये है या फिर प्रक्रिया

जनित कार्बन उत्सर्जन को कैप्चर करके उसे सुरक्षित रूप से संग्रहीत किया जाए। इस प्रक्रिया को लोकप्रिय रूप से सीसीएस कहा जाता है। इन अपनाई गई उत्पादन प्रक्रियाओं के आधार पर उत्पादित हाइड्रोजन को या तो 'हरी या नीली हाइड्रोजन' कहा जाता है। वर्तमान में , विश्व में उत्पादित हाइड्रोजन का एक बड़ा हिस्सा उर्वरक उद्योग के लिए अमोनिया उत्पादन में जाता है। इसका उपयोग सल्फर को हटाने के लिए पेट्रोलियम शोधन की प्रक्रिया में भी किया जाता है। हाइड्रोजन को डिटर्जेंट या साबुन उत्पादन से जुड़े क्लोर-अल्कली उद्योग में एक उप-उत्पाद के रूप में प्राप्त किया जाता है।

ऊर्जा प्रसंस्करण : हाइड्रोजन एक ऊर्जा भंडारण माध्यम के रूप में कार्य कर सकती है, जिसका अर्थ है कि सौर/पवन ऊर्जा जैसे संसाधनों की प्रचुरता के दौरान अथवा कम उपभोक्ता मांग के समय, अतिरिक्त ऊर्जा का उपयोग हाइड्रोजन का उत्पादन करने के लिए किया जा सकता है, जिसका जरूरत पड़ने पर ऊर्जा के लिए दोहन किया जा सकता है। हाइड्रोजन का उपयोग इंजनों में दहन ईंधन के रूप में किया जा सकता है अथवा यह फ्यूल सेल के माध्यम से बिजली का उत्पादन कर सकती है। मोटे तौर पर ऐसा माना जाता है कि परिवहन के क्षेत्र में हाइड्रोजन आधारित प्रौद्योगिकी का उपयोग भारी ढुलाई के अनुप्रयोगों के लिए बैटरी आधारित समाधानों की तुलना में अधिक प्रासंगिक है। साथ ही, दहन इंजनों की तुलना में ईंधन सेल आधारित प्रणालियां उच्च दक्षता पर चलती हैं। हाइड्रोजन आधारित ईंधन सेल अनुप्रयोग का एक उदाहरण जापान का ईंधन सेल आधारित आवासीय ताप समाधान (Enefarm) कार्यक्रम है।

लॉजिस्टिक्स : छोटा और हल्का होने के कारण हाइड्रोजन रिसाव के लिए प्रवण होता है। इसके भंडारण के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए टैंकों की आवश्यकता होती है, जहाँ इसे संपीड़ित अथवा द्रवीकृत अवस्था में रखा जा सके । वितरण के लिए हाइड्रोजन को समायोजित करने के लिए हमारे शहरों में स्थापित सिटी गैस नेटवर्क्स को कुछ बदलावों के साथ उपयोग में लाया जा सकता है।

चुनौतियां : अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों की तरह हाइड्रोजन के साथ भी कुछ चिंताएं जुड़ी हुई हैं। गैस की विस्फोटक प्रकृति ऐसी ही एक बाधा है। इसके अलावा कुछ अध्ध्यनों में यह सम्भावना भी व्यक्त की गई है कि हाइड्रोजन का रिसाव वातावरण में उपस्थित ग्रीनहाउस गैसों की आयु को बढ़ा सकता है जो अन्यथा कुछ समय के बाद स्वत: ही क्षरित हो जाती हैं और इस प्रकार वार्मिंग के स्तर में वृद्धि हो सकती है। इसके अतिरिक्त हाइड्रोजन आधारित प्रणालियों में उपयोग होने वाले विशिष्ट तत्वों की उपलब्धता आदि कुछ ऐसी आशंकाएं हैं, जिन्हें प्रौद्योगिकी, नीति निर्धारण और नियामक पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से संबोधित करने की आवश्यकता होगी।

इस लिहाज से भारत का हरित हाइड्रोजन मिशन एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण पहल है। यह पहल एक अनुसंधान और नवाचार पर आधारित पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर बल देती है तथा घरेलू उद्योग में हाइड्रोजन के उपयोग में वृद्धि के लिए एक रोडमैप तैयार करने के अलावा निर्यात पर फोकस करते हुए भारत को इलेक्ट्रोलाइजर निर्माण का हब बनाने की परिकल्पना प्रस्तुत करती है। इस नवीन प्रौद्योगिकी के प्रदर्शन की दिशा में एक असाधारण पहल के रूप में हाइड्रोजन संचालित ट्रेनों की भी योजना बनाई गई है। एक शून्य उत्सर्जन भविष्य की ओर हाइड्रोजन आधारित यात्रा निश्चित रूप से में रोमांचक प्रतीत होती है।

आप सबका **भारतीय रेल** के साथ अटूट रिश्ता है

भारतीय रेल के साथ आप अपने संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, गीत, लेख आदि हिन्दी में हमें भेज सकते हैं। पसंद आने पर रचनाओं को हम रेल मंत्रालय की आधिकारिक मासिक पत्रिका

भारतीय रेल

में प्रकाशित करेंगे

ई-मेल editorbhartiyarailrb@gmail.com

चयनित सामग्री/लेख की जानकारी ई-मेल द्वारा दी जाएगी,
प्रकाशित रचनाओं के लिए रेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानदेय भी दिया जाएगा

शर्तें लागू

क्या आप जानते हैं?



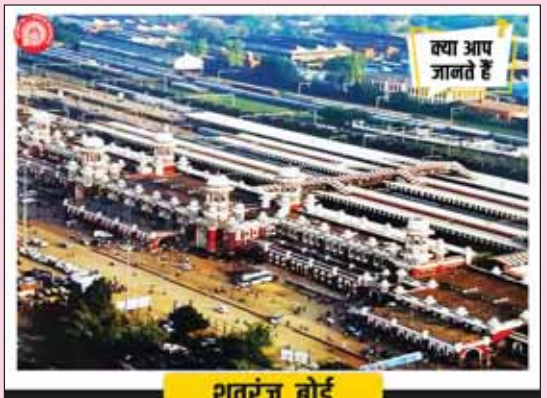
'X' फैक्टर

'X' (एक्स) का निशान दर्शाता है कि यह रेलगाड़ी का अंतिम डिब्बा या कोच है। इससे रेलवे कर्मचारियों को यह पुष्टि हो जाती है कि ट्रेन पूर्ण रूप से आगे निकल गई है और उसका कोई भी डिब्बा पीछे नहीं छूट गया है।



भारत की पहली अंडरवॉटर रेल प्रणाली

भारत की प्रथम जलमग्न रेल प्रणाली (520 मीटर लम्बी सुरंग) को रिकॉर्ड 66 दिनों में हुगली नदी में बनाकर पूर्ण कर लिया गया है। यह हुगली नदी के पश्चिमी किनारे पर स्थित हावड़ा स्टेशन परिसर को नदी के पूर्वी किनारे पर स्थित आर्मेनियम घाट से जोड़ती है।



शतरंज बोर्ड

लखनऊ में चारबाग रेलवे स्टेशन ऊपर से देखने पर शतरंज की एक बिसात (चेस बोर्ड) की भांति दिखता है। स्टेशन के गुंबद तथा खंभे शतरंज के मोहरों जैसे प्रतीत होते हैं। इस प्रकार यह एक अद्वितीय वास्तु आश्चर्य का रूप ले लेता है, जो अनेक दर्शकों को आकर्षित करता है।



डबल डायमंड क्रॉसिंग

नागपुर में सिर्फ साधारण क्रॉसिंग के दर्शन नहीं होते, बल्कि वहाँ हमें एक दोहरे हीरे जैसी क्रॉसिंग दिखाई पड़ती है। यह अत्यधिक प्रयोग में आने वाली क्रॉसिंग है, जहाँ पर दो रेलवे ट्रैक उत्तर - दक्षिण की ओर जाते हैं और अन्य दो पूर्व - पश्चिम की ओर जाते हैं, जिससे एक वर्गाकार आकृति बन जाती है।

तकनीकी





अपना ज्ञान टटोलें

1 विश्व का सबसे लंबा प्लेटफॉर्म किस रेलवे स्टेशन पर है?

(क) नई दिल्ली | (ख) जयपुर | (ग) हुब्बल्लि | (घ) तिनसुकिया

2 शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए हाल ही में भारतीय रेल ने किस ईंधन पर आधारित ट्रेन चलाने की योजना बनाई है?

(क) नाईट्रोजन | (ख) हाईड्रोजन | (ग) ऑर्गन | (घ) मीथेन

3 वंदे भारत एक्सप्रेस की प्रथम महिला लोको पायलट हैं-

(क) सुश्री सुरेखा यादव | (ख) सुश्री रचिता | (ग) सुश्री वंशिका | (घ) सुश्री सानिया परवीन

4 भारतीय रेल प्रबंधन सेवा में पर्सनैलिटी टेस्ट कितने अंकों का होगा?

(क) 100 | (ख) 125 | (ग) 150 | (घ) 75

5 हाल ही में रेल मंत्री द्वारा इरिसेट में किस स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली हेतु उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना की गई?

(क) अलार्म | (ख) नोटिस | (ग) सेफ्टी | (घ) कवच

6 ट्रांसजेंडर्स के सशक्तीकरण हेतु भारतीय रेल द्वारा किस रेलवे स्टेशन पर 'ट्रांस टी स्टॉल' खोला गया?

(क) मुरादाबाद | (ख) नई दिल्ली | (ग) पुणे | (घ) गुवाहाटी

7 किस क्षेत्रीय रेलवे के दो खिलाड़ियों को हाल ही में लक्ष्मण/रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार से सम्मानित किया गया है?

(क) पूर्व रेलवे | (ख) पूर्वोत्तर रेलवे | (ग) उत्तर रेलवे | (घ) पश्चिम रेलवे

8 ट्रेन में पालतू कुत्ते को किस श्रेणी के कोच में बुक करवाकर ले जाने की अनुमति है?

(क) प्रथम श्रेणी | (ख) द्वितीय श्रेणी | (ग) क और ख, दोनों | (घ) सभी कोच में

9 हॉट एक्सल बॉक्स डिटेक्टर कितने किमी प्रति घंटे तक की गति के डेटा को कैप्चर कर सकता है?

(क) 90 | (ख) 130 | (ग) 160 | (घ) 190

10 किसान रेल सेवा कब प्रारंभ की गई थी?

(क) नवंबर 2020 | (ख) सितंबर 2020 | (ग) अक्टूबर 2020 | (घ) अगस्त 2020

1. (ग) 2. (घ) 3. (क) 4. (क) 5. (ख) 6. (ख) 7. (घ) 8. (क) 9. (ग) 10. (ख)

पेज 37 पर

रेल, पर्यटन व साहित्य को एक साथ संजोए
रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र हिंदी मासिक पत्रिका



भारतीय रेल

की सदस्यता अब ऑनलाइन भी उपलब्ध

विज़िट करें
www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home/hn

क्यूआर कोड स्कैन करें

सदस्यता शुल्क

मद		ऑफलाइन सदस्यता शुल्क (₹)	ऑनलाइन सदस्यता शुल्क (₹)
एक प्रति (मासिक अंक)		20	-
एक प्रति (विशेषांक)		70	-
वार्षिक सदस्यता (सर्व साधारण)	एक वर्ष	250	263
	दो वर्ष	460	483
	तीन वर्ष	675	709
वार्षिक सदस्यता (रेलकर्मी)	एक वर्ष	200	210
	दो वर्ष	370	389
	तीन वर्ष	540	567
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) सी-मेल द्वारा		1,250	1,313
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) एयर-मेल द्वारा		2,500	2,625

(वार्षिक सदस्यता शुल्क विशेषांक के साथ)

भुगतान का माध्यम

ऑनलाइन सदस्य www.irctctourism.com/IRBRMag पर सदस्यता शुल्क का भुगतान कर सकते हैं।

ऑफलाइन डी.डी./चेक/म.ओ./पो.ओ./नगद देय-'व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली'

सदस्यता फॉर्म

नाम .....

पता .....

पोस्ट..... जिला.....

राज्य..... पिन कोड .....

मोबाइल ..... ई-मेल .....

रेल कर्मचारी: हाँ/नहीं वर्तमान सदस्यता (यदि हो तो) संख्या ..... तारीख .....

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: व्यापार प्रबंधक, कमरा नं. 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001,
टेलीफोन: 011-47845089, 45089 (रेलवे) **bmpr310rb@gmail.com**

प्रिय विज्ञापनदाता

रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र मासिक हिन्दी पत्रिका

भारतीय रेल

में अपने विज्ञापन देकर लाखों उपभोक्ताओं तक अपने उत्पादों की पहुंच बनाएं

विज्ञापन दरें

(विज्ञापन चार कलर में) नीचे दी गई दरों के साथ 5 प्रतिशत की जीएसटी/आइजीएसटी प्राप्य होगी

विवरण	विशेष दर (वार्षिक अंक) (₹)	सामान्य अंक (मासिक दरें)	
		सामान्य दरें (₹)	अनुबंधित दरें (₹)
बैक कवर	13,300	11,400	10,450
सेकेण्ड कवर	12,350	10,450	9,500
थर्ड कवर	11,400	9,500	8,550
पूरा पृष्ठ (विशेष स्थिति, जैसे टेक्स्ट के बाद में)	9,500	8,550	7,600
पूरा पृष्ठ	8,550	7,600	6,650
आधा पृष्ठ	6,650	5,130	4,180
सेंटर स्प्रेड	17,000	15,000	13,300
सेंटर स्प्रेड (दो पेज इकट्ठे) (स्पेशल पोजीशन)	18,500	16,500	14,700

* तीन महीने या ज्यादा समय के लिए लगातार अथबा बारी-बारी देने पर अनुबंधित दरें लागू।

तकनीकी विवरण

पत्रिका का आकार
28 X 20.5 सेमी

छपाई क्षेत्र
23 X 16.5 सेमी

भुगतान का माध्यम

'व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली' के पक्ष में डिमाण्ड ड्राफ्ट अथवा नकद राशि रूम नं. 310, रेल भवन, नई दिल्ली-110 001 में जमा की जा सकती है

विज्ञापन सामग्री

ई-मेल, आर्टपुल, सीडी

पत्रिका का प्रसार

समग्र देश में

संपर्क करें:

व्यापार प्रबंधक
310, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001,
टेलिफोन: 011-233822531, 23303665, 23304456

FLUID CONTROLS®
ENGINEERING CONNECTIONS EVERYDAY



PERFORMANCE ENGINEERING FOR
RAIL & METRO BRAKE PIPING CONNECTIONS



Fluid Controls Private Limited has over 45 years of experience in engineering connections for Rail & Metro brake piping assemblies. Certified for the International Railway Industry Standard (IRIS – ISO/TS 22163:2017), Aerospace AS9100 and ISO/IEC 17025:2017 for our laboratory, Fluid Controls offers comprehensive solutions – from design, engineering, testing and on-site installation services to the supply of high-performance connectors, isolating cocks, cleats and tube & hose assemblies.

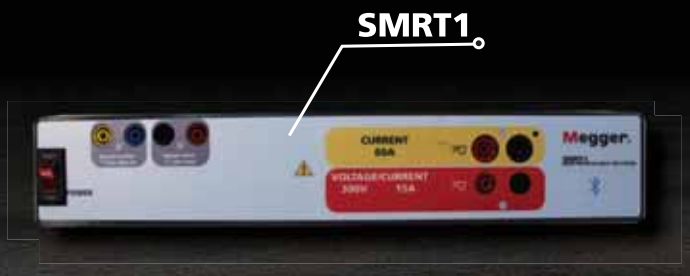
WE HAVE
HERITAGE

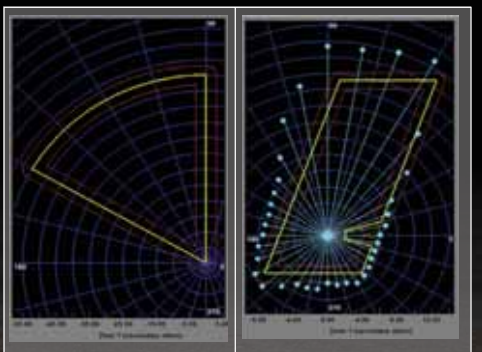
45+ YEARS OF EXPERIENCE • IRIS & AS9100 CERTIFIED
IN-HOUSE R&D • OVER 30 MILLION CONNECTORS INSTALLED
APPROVED BY MAJOR ROLLING STOCK MANUFACTURERS

+91-22-68238000 railways@fluidcontrols.com fluidcontrols.com

Want to avoid lengthy & challenging testing of electromechanical, static & numerical relays?

Megger SMRT1 can systematically help you test up to 70% faster than usual.





Wrong Phase Coupling – Graphical View

Graphical testing of Impedance characteristics with Load Encroachment

Railway specific applications:

- Panto flashover
- Wrong phase coupling
- Automated distance relay testing with parallelogram characteristics
- Regenerative braking current visualization and stability of distance protection
- Graphical view of RX plan with automated testing of all traction system protection application

Scan QR code to inquire
or call us at +91 91671 90558
or email us at india.marketing@megger.com

Megger

221214 HT-ON-PR-MG-ROW-Railway yearbook 2022 IN V1

पंजीयन संख्या : दिल्ली पोस्टल नं. डी.एल. (एन.डी.)-11/6031/2021-22-2023
आर.एन.आई. रजिस्टर्ड नं. 14427/1960
दिनांक 08 को प्रकाशित तथा दिनांक 10-11 को प्रेषित

आई.एस.एस.एन. 2457-0001



CNC AXLE JOURNAL
TURNING AND BURNISHING
LATHE

COMPLETE CONTROL OVER BURNISHING PERFORMANCE.

Unique Features

- Fully floating burnishing roller arrangement to avoid loading on revolving centers.
- Faster Operation due to CNC Control
- Burnishing roller inclination adjustment for effective burnishing.
- Uninterrupted axle turning.
- More accurate axle diameter control.
- Burnishing Pressure Control through HMI.

hyt

HYT ENGINEERING COMPANY PVT. LTD.

Sales Office: 17-18, Ground Floor, Hans Bhawan, Bahadur Shah Zafar Marg,
I.T.O., New Delhi - 110 002, India. Phone: + 91 11 4320 2200/01

Work: 29/10, 29/10/1, 29/10/2, D-II Block, MIDC, Chinchwad,
Pune - 411 019, India. Phone: + 91 20 6634 3900

www.hytengineering.com I info@hytengineering.com

मुद्रक व प्रकाशक : **प्रशान्त कुमार पट्टनायक** द्वारा रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के लिए मैसर्स जे.के. ऑफसेट ग्राफिक्स प्रा.ली., बी-278, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 में मुद्रित व 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली से प्रकाशित। संपादक : **योगेश अवस्थी**